THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 363 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.12 2080 गुरुवार, 21 मार्च-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

रेरा रजि. नं. RAJ/P/2024/2965
www.rera.rajasthan.gov.in

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

मानसरोवर विस्तार
जयपुर में
आवासीय फ्लैट्स
के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना-3A
के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं
रियल एस्टेट रेगुलेशन एक्ट में पंजीकृत आवासीय योजना

जे पार्क
मानसरोवर विस्तार
जयपुर

आवेदन की अंतिम तिथि
23 मार्च, 2024

1BHK पंजीकरण राशि ₹66,000
कुल राशि ₹23.5 लाख*

3BHK पंजीकरण राशि ₹96,000
कुल राशि ₹43 लाख*

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी
राजस्थानवासियों के लिए 2 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

संपर्क करें
9251625252, 8955008688
9057133344, 8955008687

आवेदन हेतु
www.cmjanaawas.com

प्रतिभा सिंह ने मंडी संसदीय सीट पर चुनाव लड़ने से किया इन्कार

शिमला, 20 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने मंडी संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया है। बुधवार सुबह दिल्ली से शिमला पहुंचीं प्रतिभा सिंह ने कहा कि वह चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है। सिर्फ एमपी फंड बांटने से चुनाव नहीं लड़ा जा सकता। हमारा कार्यकर्ता निराश है। प्रतिभा ने कहा कि आज कोई भी सक्रिय कार्यकर्ता नजर नहीं आ रहा जो पार्टी के लिए काम करेगा। यह पार्टी के लिए अहम रोल निभाते हैं। कई बार सरकार को कहा कि इन्हें महत्व दिया जाए। मैं लगातार फील्ड में रही हूं। मुझे नहीं लगता कि हमें इन हालात में सफलता मिलेगी।

जो भी प्रत्याशी तय होगा, उसकी मदद करेंगे। कहा कि उपचुनाव में जीत दिलाना हमारा कर्तव्य है। उपचुनाव के लिए प्रचार करेंगे। सरकार बचाने के लिए उपचुनाव जरूरी हो गए हैं। कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करना होगा। उधर, पार्टी सूत्रों के अनुसार मंडी से युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नेगी निगम भंडारी का नाम भी संभावित प्रत्याशी के तौर पर चर्चा में शामिल हो गया है। जिला किन्नौर के रहने वाले भंडारी लंबे समय से इस संसदीय क्षेत्र में सक्रिय हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान वह किन्नौर से पार्टी टिकट की दौड़ में शामिल थे। हालांकि मंडी से कौल सिंह ठाकुर को भी प्रत्याशी बनाने की संभावना बरकरार है।

लोकपाल ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई जांच का आदेश दिया, 6 महीने के अंदर मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। लोकपाल ने संसद से निष्काषित टीएमसी सांसद मुहआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई जांच का आदेश दिया है। साथ ही सीबीआई को यह आदेश दिया है कि 6 महीने के अंदर वह जांच रिपोर्ट पेश करे। लोकपाल ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ आईपीसी 203(ए) के तहत केस दर्ज कर जांच करने और हर महीने की जांच की प्रोग्रेस रिपोर्ट बताने के लिए कहा है। बता दें कि कैश फॉर क्वेरी केस में महुआ मोइत्रा को संसद से निष्कासित कर दिया गया था।

फिलहाल सीबीआई को लोकपाल के आदेश का इंतजार

नवंबर 2023 में सीबीआई ने लोकपाल के आदेश पर प्राथमिक जांच शुरू करके रिपोर्ट सौंपी थी। इसके बाद लोकपाल ने इस मामले की विस्तृत जांच का आदेश दिया है। वहीं सीबीआई सूत्रों का कहना है कि अभी इस मामले में केस दर्ज नहीं किया गया है। लोकपाल के आदेश को देखने और स्टडी करने के बाद ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। मामला दर्ज करने से पहले डीओपीटी एक आदेश जारी करता है जिसके बाद सीबीआई केस दर्ज करके जांच शुरू करेगी।

निशिकांत दुबे का पोस्ट

वहीं लोकपाल द्वारा महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई जांच को लेकर बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- आज मेरे शिकायत को सही मानते हुए लोकपाल ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई को जाँच करने का आदेश दिया ।

यानि चंद पैसों के लिए तृणमूल काँग्रेस की पूर्व सांसद ने हीरानंदानी के साथ भ्रष्टाचार व देश की सुरक्षा को गिरवी रखा। निशिकांत दुबे ने लोकपाल के ऑर्डर की कॉपी को भी अपने पोस्ट में संलग्न किया है।

सुप्रीम कोर्ट मई में करेगा सुनवाई

बता दें कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा से अपने निष्कासन को चुनौती देनेवाली महुआ मोइत्रा की याचिका पर कहा कि वह मई महीने में इस पर सुनवाई करेगा।

पिछले साल आठ दिसंबर को आचार समिति की रिपोर्ट पर लोकसभा में तीखी बहस के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने 'अनैतिक आचरण' के लिए टीएमसी सांसद को सदन से निष्कासित करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया जिसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। जोशी ने कहा था कि आचार समिति ने मोइत्रा को 'अनैतिक आचरण' और सदन की अवमानना का दोषी पाया क्योंकि उन्होंने लोकसभा सदस्यों के लिए बने पोर्टल की जानकारी (उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड) अनधिकृत लोगों के साथ साझा किए थे, जिसका राष्ट्रीय सुरक्षा पर विपरीत प्रभाव पड़ा था।

मुमताज पटेल के 'हाथ' नहीं आया भरूच अब नवसारी से लड़ना चाहती हैं चुनाव

अहमदाबाद, 20 मार्च (एजेंसियां)। अहमद पटेल की बेटी मुमताज पटेल नवसारी सीट से चुनाव लड़ना चाहती हैं। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी। सूत्रों की मानें तो मुमताज ने कांग्रेस लीडरशिप से आग्रह किया है कि उन्हें नवसारी सीट से टिकट देने पर विचार करे। इस सीट से गुजरात बीजेपी के अध्यक्ष सीआर पाटिल सांसद हैं। गुजरात कांग्रेस नवसारी से मुमताज के नाम के पक्ष में नहीं है लेकिन सीईसी की बैठक में इस पर चर्चा हो सकती है। बता दें कि गुजरात में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन के तहत चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने आप को भरूच और भावनगर सीट दी है। भरूच सीट से अहमद पटेल सांसद रह चुके हैं। ऐसे में इस सीट पर न सिर्फ मुमताज पटेल बल्कि उनके भाई फैसल पटेल भी दावा ठोंक रहे थे। पहले तो यहां से मुमताज पटेल ने चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी। इसके बाद फैसल पटेल ने दावा किया था कि उनकी बहन चाहती हैं कि वो यहां से चुनाव लड़ें।

मुमताज पटेल ने आप के उम्मीदवार के एलान तक पर नाराजगी जता दी थी। आम आदमी पार्टी ने सीट शेयरिंग से पहले ही चैतर वसावा को इस सीट से उम्मीदवार घोषित कर दिया था। चैतर वसावा आप के विधायक हैं। आदिवासी नेता के तौर पर उनकी पहचान है। ये पहली बार है कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन के तहत चुनाव लड़ रही है। दिल्ली में भी दोनों दल गठबंधन में लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने राज्य की कुछ सीटों पर अपने उम्मीदवार का एलान कर दिया है।

इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल की बैटरी फटने से ठाणे में गिरी घर की छत और दीवार, तीन घायल

ठाणे, 20 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक घर में इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल की बैटरी में विस्फोट हो गया, जिसमें दो महिलाएं और एक पुरुष घायल हो गए हैं। नगर निगम के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन विभाग के प्रमुख यासीन तड़वी ने कहा कि मंगलवार की रात हुए विस्फोट के कारण मकान की छत और पड़ोस के मकान से सटी दीवार ढह गई है। कलवा इलाके के शांति नगर में एक चॉल में स्थित घर में यह बैटरी रखी थी। अधिकारी ने बताया कि रात करीब 10.30 बजे बैटरी में विस्फोट हो गया। उन्होंने बताया कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि इसे घर में चार्जिंग के लिए रखा गया था या नहीं। उन्होंने बताया कि जिस घर में बैटरी में विस्फोट हुआ उसमें रहने वाली 28 वर्षीय महिला और पड़ोस के घर में रहने वाले 66 वर्षीय पुरुष और 56 साल की महिला घायल हो गई हैं।

'मोदी की चाइनीज गारंटी'

मल्लिकार्जुन खरगे ने लगाया पीएम पर लद्दाख के लोगों को धोखा देने का आरोप

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए उन पर लद्दाख के लोगों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि लद्दाख में लोगों ने संविधान की छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा की मांग की है। मगर बाकी की गारंटियों की तरह ही संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित करने की 'मोदी की गारंटी' नकली और चाइनीज है। खरगे ने दावा किया कि चीन की सेना ने आज भी हमारे इलाकों पर कब्जा किया हुआ है।

दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश में लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा दिए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहा है। संविधान की जिस छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा की मांग की जा रही है, वो आदिवासी संस्कृति की रक्षा और उसके संरक्षण के लिए है। जम्मू-कश्मीर से 2019 में आर्टिकल 370 हटाने के बाद इसे दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांट दिया गया था, जिसमें एक जम्मू-कश्मीर और दूसरा लद्दाख था। हालांकि, अब लोगों ने राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग की है।

मोदी की गारंटी बहुत बड़ा विश्वासघातः खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक अंग्रेजी अखबार की खबर को शेयर करते हुए मोदी सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा, लद्दाख में संविधान की छठी अनुसूची के तहत जनजातीय समुदायों की सुरक्षा के लिए मांग उठ रही है। इसे जनता का मजबूत समर्थन मिल रहा है। लेकिन बाकी की सभी गारंटियों की तरह ही लद्दाख के लोगों को संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित करने की 'मोदी की गारंटी' एक बहुत बड़ा विश्वासघात है। ये नकली और चाइनीज होने के अलावा कुछ नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष का ट्वीट

मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया, मोदी सरकार लद्दाख के पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हिमालयी ग्लेशियरों का दोहन करना चाहती है और अपने करीबी दोस्तों को फायदा पहुंचाना चाहती है। उन्होंने आगे कहा, गलवान घाटी में हमारे 20 बहादुरों के बलिदान के बाद पीएम मोदी ने चीन को क्लिन चीट दी। इसकी वजह से हमारी रणनीतिक सीमाओं पर चीन की विस्तारवादी प्रकृति को बढ़ावा मिला है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार को घेरते हुए कहा, एक तरफ मोदी सरकार ने हमारी क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। दूसरी तरफ वह लद्दाख के हमारे अपने नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों पर हमला कर रही है।

चीन के मुद्दे पर सरकार पर आरोप लगाते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 2014 के बाद से पीएम मोदी और उनके चीनी समकक्ष के बीच कम से कम 19 दौर की आमने-सामने की बातचीत हो चुकी है। इसके बावजूद मोदी सरकार 2020 से पहले यथास्थिति सुनिश्चित करने में विफल रही है। चीन ने देपसांग प्लेन्स, हॉट स्प्रिंग्स और गोगरा क्षेत्रों में भारतीय इलाकों पर कब्जा करना जारी रखा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस लद्दाख की रक्षा और हमारी सीमाओं पर हमारे राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोलकाता में कई जगहों पर इनकम टैक्स की रेड मंत्री अरूप बिस्वास के भाई के घर पहुंचे अफसर

कोलकाता, 20 मार्च (एजेंसियां)। आयकर विभाग बुधवार सुबह से पश्चिम बंगाल के बिजली और आवास मंत्री अरूप विश्वास के छोटे भाई स्वरूप विश्वास के आवास पर बड़े पैमाने पर छापेमारी कर रहा है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों के साथ आयकर अधिकारियों की एक टीम दक्षिण कोलकाता के न्यू अलीपुर स्थित स्वरूप विश्वास के आवास पर पहुंची। सूत्रों ने कहा कि आवास के अलावा, आयकर विभाग द्वारा चार अन्य स्थानों पर भी छापे मारे जा रहे हैं, जो मुख्य रूप से दक्षिण कोलकाता में केंद्रित हैं। अधिकारी बिस्वास के आवास और दो रियल एस्टेट विकास संस्थाओं ईडन रियल एस्टेट और मल्टीकॉन रियल एस्टेट के कार्यालयों पर छापे के पीछे के सटीक कारणों के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं। सूत्रों ने कहा कि इन दोनों संस्थाओं के खिलाफ फंड गबन की शिकायतें हैं

प्रज्ञा सिंह ठाकुर 2019 चुनाव में खर्च किए थे इतने लाख रुपये, अब सामने आई ये जानकारी

भोपाल, 20 मार्च (एजेंसियां)। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने भोपाल संसदीय सीट से साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को प्रत्याशी बनाया था। उस समय साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने खुद के 11 हजार रुपये के बूते पर चुनाव लड़ा था। हालांकि चुनाव आयोग को दिए गए हलफनामे में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने बताया कि साल 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने 45 लाख 46 हजार 914 रुपये खर्च किए।

इस चुनाव में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह से हुआ था। चुनाव आयोग को दिए गए खर्च के ब्यौरे के अनुसार, साल 2019 के लोकसभा चुनाव में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने 45 लाख 46 हजार 914 रुपये खर्च किए थे। इसमें उन्होंने स्वयं के 11 हजार रुपये खर्च किए, जबकि बीजेपी की तरफ से उन्हें 10 लाख रुपये मिले थे, वहीं 26 लाख 79 हजार 584 रुपये की मदद विभिन्न संस्थाओं, व्यक्तियों और निकायों आदि से बतौर ऋण, उपहार या दान में मिली थी। चुनाव आयोग को दिए हलफनामे के अनुसार, 2019 में भोपाल प्रत्याशी रहीं साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने सार्वजनिक बैठक, रैली और जुलूस पर 10 लाख 85 हजार 486 रुपये खर्च किए थे। जबकि 6 लाख 29 हजार 883 रुपये प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर खर्च किए। प्रचार-प्रसार के लिए 7 लाख 37 हजार 150 रुपये चुनाव वाहन पर खर्च किया। 2 लाख 8 हजार 582 रुपये पार्टी कार्यकर्ताओं पर खर्च किया गया। इस तरह उन्होंने पूरे चुनाव में 45 लाख 46 हजार 582 रुपये खर्च किए थे।

परभणी में बड़ा हादसा, पुल से गिरी बस, 30 यात्री घायल

मुंबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के परभणी जिले में बुधवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया है। यहां राज्य परिवहन की एक बस पुल से गिर गई, जिससे बस में सवार लगभग 30 यात्री घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दुर्घटना के समय बस परभणी के जिंतूर से सोलापुर की ओर जा रही थी। अधिकारी ने बताया कि बस चालक के नियंत्रण खो देने से यह हादसा हुआ।

उन्होंने बताया कि मुंबई से लगभग 500 किमी दूर स्थित परभणी के जिंतूर तालुका के अकोली में बस एक पुल से नीचे गिर गई। परभणी के पुलिस अधीक्षक रवींद्रसिंह परदेशी ने कहा, "इस हादसे में लगभग 30 यात्री घायल हुए हैं और सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने कहा कि घायल लोगों को शुरू में जिंतूर में एक चिकित्सा सुविधा केंद्र में ले जाया गया और बाद में सभी को परभणी शहर के एक सरकारी अस्पताल भेजा गया। महाराष्ट्र के लातूर जिले के औसा में भीषण हादसा हुआ था।

यहां एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे एक होटल में जा घुसी थी। इस हादसे में होटलकर्मी के दोनों पैर टूट गए, वहीं कार में सवार 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। लातूर जिले के औसा में हाईवे नंबर 361 पर सीएनजी पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार कार अचानक एक होटल में जा घुसी थी। दरअसल हैदराबाद से लातूर आ रही तेज रफ्तार क्रेटा कार के ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया था और तेज रफ्तार कार सीधे होटल में जा घुसी थी। इस हादसे में 14 साल के होटलकर्मी ओंकार कांबले के दोनों पैर टूट गए थे। वहीं कार में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। कार में गंभीर रूप से घायल दो लोगों को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

राज्यपाल पद से इस्तीफा देने के दो दिन बाद तमिलिसाई सुंदरराजन बीजेपी में शामिल, बताया कठिन फैसला

चेन्नई, 20 मार्च (एजेंसियां)। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने बुधवार को एक बार फिर भाजपा का हाथ थाम लिया है। उन्होंने दो दिन पहले ही राज्यपाल पद से इस्तीफा दिया था।

यह एक कठिन फैसला

सुंदरराजन ने भाजपा में शामिल होने के बाद कहा, 'मैं चुनाव लड़ना चाहती हूं और मैंने यह इच्छा अपनी पार्टी को भी बताई है। मैं खुश हूं कि मुझे एक बार फिर से सदस्यता कार्ड मिल गया है, जो मेरे पास है। यह सबसे खुशी का दिन है। यह एक कठिन फैसला है और एक अच्छा निर्णय भी। राज्यपाल के रूप में मेरे पास कई सुविधाएं थीं, लेकिन मैंने इसे छोड़ दिया। मुझे इसका एक प्रतिशत भी दुख नहीं है। तमिलनाडु में निश्चित तौर पर कमल खिलेगा।'

सोमवार को दिया था इस्तीफा

पुडुचेरी के राजभवन की तरफ से जारी बयान में उन्होंने इस केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल पद छोड़ने की भी जानकारी दी थी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया था, 'तेलंगाना की माननीय राज्यपाल और पुडुचेरी की उपराज्यपाल डॉ। तमिलिसाई सुंदरराजन ने तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा भारत की माननीय राष्ट्रपति को भेज दिया गया है।' अपने इस्तीफे के एलान के कुछ देर बाद उन्होंने कहा था कि उनके ऊपर ऐसा करने का कोई दबाव नहीं था। अब वह जनसेवा करना चाहती हैं। उन्होंने कहा था कि राज्यपाल के रूप में उन्होंने अपने कार्यकाल का आनंद लिया है। इस दौरान जब उनसे पूछा गया था कि उनका अगला कदम क्या होगा और क्या वह आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगी? इस पर उन्होंने कहा था कि वह अपनी योजनाओं के बारे में बाद में बताएंगी। गौरतलब है तमिलिसाई सुंदरराजन को नवंबर 2019 में तेलंगाना का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्हें फरवरी 2021 में पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था।

चुनाव लड़ने की अटकलें

कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि तमिलिसाई सुंदरराजन इस बार भाजपा के टिकट पर तमिलनाडु से चुनाव लड़ सकती हैं। बताया जा रहा है कि भाजपा उन्हें डीएमके नेता कनिमोझी के खिलाफ भी उतार सकती है। 2019 के चुनाव में सुंदरराजन ने चुनाव लड़ा था। हालांकि, उन्हें कनिमोझी के खिलाफ ही हार का सामना करना पड़ा। वहीं, 2009 में वे चेन्नई (उत्तर) सीट से प्रत्याशी रही थीं। हालांकि, यहां उन्हें डीएमके के टीकेएस एलंगोवन से हार का सामना करना पड़ा था।

कौन हैं टी सुंदरराजन?

63 साल की सुंदरराजन पेशे से डॉक्टर हैं। उनके पति, सुंदरराजन भी डॉक्टर हैं। उनका जन्म दो जून 1961 में तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में हुआ था। तमिलिसाई सौंदरराजन ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत मद्रास मेडिकल कॉलेज में बतौर छात्र नेता के रूप में की थी। उन्होंने एथिराज कॉलेज ऑफ वूमन से भी पढ़ाई की। उन्होंने चेन्नई के रामचंद्र मेडिकल कॉलेज में बतौर सहायक प्रोफेसर काम किया है। उनके दो बच्चे हैं, जो पेशे से डॉक्टर हैं।

सियासी परिवार से आती हैं सुंदरराजन

उनके पिता के अनंतन पूर्व सांसद और तमिलनाडु में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। वहीं उनके चचेरे भाई अभिनेता और व्यवसायी से राजनेता बने विजय वसंत हैं। टी सुंदरराजन तमिलनाडु के नडार समुदाय से आती हैं। नडार समुदाय कन्याकुमारी, थूथुकुडी, तिरुनेलवेली और विरुधुनगर जिलों में प्रभावी स्थिति में है। तमिलनाडु और भारत दोनों की सरकारों द्वारा नडार कम्युनिटी को अन्य पिछड़ा वर्ग के रूप में वर्गीकृत और सूचीबद्ध किया गया है। भाजपा ने बीते 10 सालों में तमिलानाडु में बहुत मेहनत की है। हालांकि 2019 में यहां उसका खाता भी नहीं खुला। इसके बावजूद स्टेट यूनिट हो या पीएम मोदी वो लगातार यहां लंबे समय से कैंप कर रहे हैं।

चूहों से फैली लैप्टो स्पायरोसिस बीमारी से दो की मौत, एक गंभीर

उमरिया, 20 मार्च (एजेंसियां)। उमरिया जिले में लैप्टो स्पायरोसिस बीमारी के मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने पूरे जिले में अपनी टीम को तैनात कर सर्वे में जुट गई है। जिले में लैप्टो स्पेराएसिस के तीन मरीज मिले। जिनमें दो मरीजों की मौत हो गई, एक मरीज जबलपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग ने ब्लाक स्तर पर भी टीमें तैनात की हैं। बताया जा रहा है कि लैप्टो स्पायरोसिस के मरीज जिला मुख्यालय और मानपुर विकासखंड के गांव में मिले हैं।

वहीं, नोडल अधिकारी अनिल सिंह ने बताया कि इस बीमारी का वाहक चूहा है। चूहे के ऊपर छोटे-छोटे वायरस होते हैं, जो मनुष्य को प्रभावित करते हैं। चूहा जहां पेशाब करता है, वो शरीर में आता है और शरीर के सबसे पहले लीवर और किडनी को इंफेक्टेड करता है।

शिवराज सिंह चौहान के लिए पैसे जुटा रही हैं लाडली बहनें, कोई लिफाफे तो कोई गुल्लक कर रहीं भेंट

भोपाल, 20 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के प्रचार का रंग धीरे-धीरे चढ़ने लगा है। उम्मीदवार अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में सक्रिय हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने विदिशा से उम्मीदवार बनाया है और वह ग्रामीण इलाकों में प्रचार में जुट गए हैं। महिलाएं और युवतियां उन्हें प्रचार के लिए धनराशि मुहैया करा रही हैं। कोई लिफाफे दे रही हैं, तो कहीं गुल्लक भेंट की जा रही है। शिवराज सिंह चौहान लगभग 18 साल तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और इस बार पार्टी ने उन्हें विदिशा संसदीय क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। यहां से शिवराज सिंह चौहान पांचवीं बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने सोमवार से अपने संसदीय क्षेत्र में प्रचार अभियान की शुरुआत कर दी। वह मंगलवार को भी कई इलाकों में सक्रिय रहे। पूर्व मुख्यमंत्री विदिशा लोकसभा क्षेत्र के खातेगांव विधानसभा में आयोजित सम्मेलन में पहुंचे। यहां चौहान को चुनाव लड़ने के लिए लाडली बहनों ने पैसों से भरे विजय भवः के गुल्लक दिए और जीत का आशीर्वाद दिया।

फेक एंकाउंटर मामले में रिटायर्ड पुलिसकर्मी को आजीवन कारावास, बॉम्बे एचसी ने पलटा सेशन कोर्ट का फैसला

मुंबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के विवादास्पद 'एनकाउंटर स्पेशलिस्ट' और रिटायर्ड पुलिसकर्मी प्रदीप शर्मा को एक बड़ा कानूनी झटका लगा है। दरअसल, साल 2006 में मुंबई में गैंगस्टर छोटा राजन के कथित करीबी सहयोगी रामनारायण गुप्ता की फर्जी मुठभेड़ के मामले में बंबई हाई कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराया है। कोर्ट ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा भी सुना दी है। रिटायर्ड पुलिसकर्मी प्रदीप शर्मा पर रामनारायण गुप्ता का फर्जी एनकाउंडटर करने का आरोप था।

हालांकि सत्र न्यायालय ने उन्हें बरी कर दिया था, लेकिन अब हाई कोर्ट ने उन्हें दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। हाई कोर्ट का फैसला सत्र अदालत के पहले के फैसले के बिल्कुल उलट है। क्योंकि सत्र अदालत ने प्रदीप शर्मा को पहले बरी कर दिया था। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की एक खंडपीठ ने प्रदीप शर्मा को बरी करने के फैसले को गलत और नहीं टिकने लायक करार देते हुए रद्द कर दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत ने प्रदीप शर्मा के खिलाफ उपलब्ध पर्याप्त सबूतों को नजरअंदाज कर दिया। सबूत मामले में उनकी संलिप्तता को स्पष्ट रूप से साबित करते हैं। बता दें कि 11 नवंबर 2006 को एक पुलिस टीम ने रामनारायण गुप्ता उर्फ लखन भैया को पड़ोसी वाशी से इस संदेह पर पकड़ा था कि वह राजन गिरोह का सदस्य है। उसके साथ उसके दोस्त अनिल भेड़ा को भी पकड़ा गया था। रामनारायण गुप्ता को उसी शाम पश्चिम मुंबई के उपनगरीय वर्सोवा में नाना नानी पार्क के पास एक फर्जी मुठभेड़ में मार डाला गया था। कोर्ट ने कहा कि प्रदीप शर्मा को आपराधिक साजिश, हत्या, अपहरण और गलत तरीके से कैद करने सहित सभी आरोपों में दोषी ठहराया जाता है और आजीवन कारावास की सजा सुनाई जाती है। पीठ ने प्रदीप शर्मा को तीन सप्ताह में संबंधित सत्र अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है।

अगर राहुल धर्मनिरपेक्ष तो धर्म के आधार पर चुनाव मत लड़ें

केंद्रीय मंत्री स्मृति का कांग्रेस नेता पर जोरदार हमला

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि यदि कांग्रेस नेता राहुल गांधी स्वयं को धर्मनिरपेक्ष मानते हैं तो उन्हें धर्म के नाम पर नहीं, बल्कि मुद्दों के आधार पर चुनाव लड़ना चाहिए। एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि किसी देश की मंजिल का फैसला उस व्यक्ति द्वारा तय नहीं किया जा सकता जो अमेठी में हार से डरता है। उत्तर प्रदेश में अमेठी को लंबे समय तक गांधी परिवार का गढ़ माना जाता रहा है।

राहुल गांधी 2019 के लोकसभा चुनाव में स्मृति इरानी से चुनाव हार गए थे। स्मृति ने कहा कि यह पहला अवसर नहीं है, जब उन्होंने हिंदू धर्म के खिलाफ कोई बयान दिया है। लेकिन, मेरा मानना है कि यदि वह धर्मनिरपेक्ष हैं तो उन्हें धर्म के आधार पर नहीं लड़ना चाहिये, बल्कि उन्हें मुद्दों पर लड़ना चाहिए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

पूर्व डिप्टी सीएम ईश्वरप्पा की भाजपा से बगावत

बेंगलुरु, 20 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 13 मार्च को अपनी दूसरी लिस्ट में 20 उम्मीदवारों का नाम घोषित किए, जिसके बाद पार्टी में विरोध के सुर उठने लगे हैं। पूर्व डिप्टी सीएम केएस ईश्वरप्पा हावेरी लोकसभा सीट से अपने बेटे केई कंटेश के लिए टिकट मांग रहे थे, लेकिन पार्टी ने पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई को अपना कैंडिडेट बनाया। इससे नाराज होकर उन्होंने मंगलवार (19 मार्च) को ऐलान किया कि वे खुद पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के बेटे बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। भाजपा ने विजयेंद्र को शिवमोगा से टिकट दी है। ईश्वरप्पा ने इंटरव्यू में कहा-कर्नाटक में भाजपा अच्छी स्थिति में नहीं है।

वर्ष-28 अंक : 363 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **फाल्गुन शु.12 2080 गुरुवार, 21 मार्च-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16** **मूल्य : 8 रुपये**

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप बाजार : मोदी

> इसे हमारे देश के युवा लीड कर रहे > स्टार्टअप महाकुंभ में 2000 से ज्यादा स्टार्टअप शामिल

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी 20 मार्च को भारत मंडपम में आयोजित 'स्टार्टअप महाकुंभ' में भाग लिया। इस दौरान पीएम ने स्टार्टअप की ओर से लगाई गई प्रोडक्ट्स और इनोवेशन प्रदर्शनी को देखा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप बाजार है, जिसे हमारे देश के युवा लीड कर रहे हैं। अब हम एआई तकनीक से जुड़े एक नए युग में हैं। मोदी ने कहा, 'मैं एआई की काफी मदद लेता हूं, जब चुनावी अभियान में भाषा की दिक्कत आती है, तो मैं एआई का सहारा लेकर हर भाषा में लोगों तक अपनी बात पहुंचाता हूं।'

स्टार्टअप महाकुंभ में 2000 से ज्यादा स्टार्टअप हो रहे शामिल

स्टार्टअप महाकुंभ, भारत का सबसे बड़ा और अपनी तरह का पहला स्टार्टअप आयोजन है। इसमें देशभर के 2000 से ज्यादा स्टार्टअप, 1000 से ज्यादा इन्वेस्टर, 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न, 300 से अधिक इनक्यूबेटर और एक्सेलेरेटर अपने आइडियाज के साथ शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा, 3000 से ज्यादा सम्मेलन प्रतिनिधि, 10 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधिमंडल, 3000 से ज्यादा भविष्य के उद्यमी और 50,000 से ज्यादा कॉमर्शियल विजिटर्स ने भाग लिया है।

भारत का स्टार्टअप ईकोसिस्टम अभूतपूर्व रेट से बढ़ रहा है। देश ने स्टार्टअप इंडिया अभियान के तहत इनोवेटिव आइडियाज को एक प्लेटफॉर्म दिया, उन्हें फंडिंग के सोर्स से कनेक्ट किया गया। हमारा स्टार्टअप ईकोसिस्टम केवल बड़े मेट्रो शहर तक सीमित नहीं है। भारत की स्टार्टअप क्रांति का नेतृत्व देश के छोटे शहरों के युवा कर रहे हैं। भारत में 1.25 लाख से ज्यादा स्टार्टअप मौजूद हैं। इनमें से 110 यूनिकॉर्न बन चुके हैं। हर क्षेत्र में नौजवान आइडिया लेकर आते हैं। मिनिमम रिक्वायरमेंट के साथ वे काम करते हैं और इसी ने इसकी ताकत बढ़ाई है। यही सपने हैं, यही शक्ति है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे 45% से ज्यादा स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। इस ताकत का कोई अंदाज नहीं लगा सकता है।

जिरोधा और जोमैटो भी हुए शामिल

भारत मंडपम में इस कार्यक्रम के आयोजन में बिहार, राजस्थान, मेघालय, कर्नाटक और केरल सहित जिरोधा और नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) शामिल हैं। कार्यक्रम का आयोजन स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक (एसआईडीबीआई), जोमैटो और एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (ईसीजीसी) कर रहा है। स्टार्टअप महाकुंभ में इस आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश राज्य पार्टनर स्टेट है।

सरकार बोली : चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में जज जरूरी नहीं

सुप्रीम कोर्ट में कहा-जरूरी नहीं जब पैनल में जज हो आयोग तभी स्वतंत्र हो

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति वाले नए कानून को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। केंद्र सरकार ने कहा-यह दलील गलत है कि आयोग की स्वतंत्रता तभी होगी, जब सिलेक्शन पैनल में कोई जज जुड़े। इलेक्शन कमीशन एक स्वतंत्र संस्था है। इस याचिका का मकसद सिर्फ राजनीतिक विवाद को खड़ा करना है। सुप्रीम कोर्ट नए कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा है। ये याचिका कांग्रेस कार्यकर्ता जया ठाकुर ने दाखिल की थी। पीठ ने इस याचिका पर 12 जनवरी को सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने 14 मार्च को पूर्व आईएएस अफसर ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया था। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने 14 मार्च को पूर्व आईएएस अफसर ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया था। 5 सदस्यीय बेंच ने कहा कि ये कमेटी नामों की सिफारिश राष्ट्रपति को करेगी। इसके बाद राष्ट्रपति मुहर लगाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा था कि यह प्रोसेस तब तक लागू रहेगा, जब तक संसद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर कोई कानून नहीं बना लेती।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ केंद्र सरकार पिछले साल मानसून सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति, सेवा, शर्तें और अवधि से जुड़ा बिल, 2023 लेकर आई। इस बिल के तहत चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति तीन सदस्यों का पैनल करेगा। इसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष का नेता और एक कैबिनेट मंत्री शामिल होंगे। पैनल से सीजेआई को बाहर रखा गया था। दिसंबर में शीतकालीन सत्र के दौरान यह बिल दोनों सदनों में पास हो गया। विपक्षी दलों का कहना था कि सरकार सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के आदेश के खिलाफ बिल लाकर उसे कमजोर कर रही है।

राजनीतिक दलों के मुफ्त 'उपहार' देने के वादे पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई के लिए एक जनहित याचिका को सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की है। दरअसल, राजनीतिक दलों द्वारा चुनावों के दौरान मुफ्त उपहार का वादा करने की प्रथा के खिलाफ एक जनहित याचिका दी गई है। बता दें, 19 अप्रैल से लोकसभा चुनाव शुरू होने वाले हैं। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बुधवार को कहा कि यह जरूरी है और हम इस मामले पर कल सुनवाई जारी रखेंगे। जनहित याचिका दायर करने वाले अश्विनी उपाध्याय की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने दलील दी कि याचिका पर लोकसभा चुनाव से पहले सुनवाई की आवश्यकता है। इस पर शीर्ष अदालत ने संज्ञान लिया। याचिका में राजनीतिक दलों के ऐसे फैसलों को संविधान के अनुच्छेद-14, 162, 266 (3) और 282 का उल्लंघन बताया गया है। याचिका में चुनाव आयोग को ऐसे राजनीतिक दलों का चुनाव चिह्न को जब्त करने और पंजीकरण रद्द करने का निर्देश देने की मांग की-है, जिन्होंने सार्वजनिक धन से तर्कहीन मुफ्त 'उपहार' वितरित करने का वादा किया था। याचिका में दावा किया गया है कि राजनीतिक दल गलत लाभ के लिए मनमाने ढंग से या तर्कहीन 'उपहार' का वादा करते हैं और मतदाताओं को अपने पक्ष में लुभाते हैं, जो रिश्वत और अनुचित प्रभाव के समान है।

याचिका में कहा गया है कि मतदाताओं से राजनीतिक लाभ लेने के लोकलुभावन उपायों पर पूर्ण प्रतिबंध लगना चाहिए क्योंकि वे संविधान का उल्लंघन करते हैं और चुनाव आयोग को इससे सख्ती से निपटना चाहिए। साथ ही अदालत से यह घोषित करने का भी आग्रह किया कि चुनाव से ऐसा करना चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता को दूषित करता है।

ईडी अधिकारी अंकित तिवारी को अंतरिम जमानत

चेन्नई, 20 मार्च (एजेंसियां)। रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किए गए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी अंकित तिवारी को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी है। पिछले साल दिसंबर में अंकित तिवारी को रिश्वत लेने के आरोप में तमिलनाडु सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) ने गिरफ्तार किया था। अदालत ने कुछ शर्तों के साथ अंकित तिवारी को अंतरिम जमानत दी है।

'मूल निवासियों पर नहीं होगा नागरिकता कानून का असर'

केंद्रीय मंत्री बोले-असम में 12 सीटों पर जीतेगा एनडीए

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने बुधवार को कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) का असम के मूल निवासियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी, जलमार्ग और आयुष मंत्री ने दावा किया कि समाज के सभी वर्ग राजग सरकार से खुश हैं, भले ही उनकी जाति, नस्ल और धर्म कुछ भी हो, क्योंकि सरकार ने पिछले 10 वर्षों में उनके हितों की रक्षा की है। असम के पूर्व सीएम रहे सोनोवाल ने कहा कि, 'सीएए एक राष्ट्रीय कानून है। विपक्ष बेबुनियाद भड़काऊ बयानों से चाहे जो भी स्थिति पैदा कर रहा हो, इससे असम के सामान्य और पढ़े लिखे नागरिकों पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। आम लोग जानते हैं कि कानून उनके हितों को प्रभावित नहीं करने वाला है और वे कानून की असलियत जानते हैं। असम के मूल निवासियों के हितों पर इसका कोई असर नहीं होगा। सोनोवाल ने कहा कि लोगों को भड़काने के लिए बयान देने की कोशिश हो रही है। कहा जा रहा है कि लाखों विदेशी आएंगे और असम के लोगों की पहचान को नष्ट कर देंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं होगा और भविष्य में भी ऐसा नहीं होगा।' केंद्र सरकार ने हाल ही में नागरिकता संशोधन कानून के नियम लागू कर दिए हैं, जिससे पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के ऐसे गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

केजरीवाल की याचिका पर हाईकोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बार-बार समन भेजे जाने पर बुधवार को एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) को तलब किया। कोर्ट ने ईडी को अपना पक्ष रखने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है।

जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस मनोज जैन की अध्यक्षता वाली बेंच ने केजरीवाल के वकीलों से भी पूछा- आप (केजरीवाल) ईडी के सामने पेश क्यों नहीं होते? आप देश के नागरिक हैं, समन सिर्फ नाम के लिए है। इस पर सीएम के वकीलों ने कहा कि आप नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को ईडी गिरफ्तार कर चुकी है। ईडी केजरीवाल को भी गिरफ्तार कर सकती है। वे भाग नहीं रहे हैं, लेकिन अगर उन्हें सुरक्षा मिली, तो वे पेश हो जाएंगे। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और स्पेशल काउंसिल जोहेब हुसैन ने कोर्ट में ईडी का पक्ष रखा। केजरीवाल की तरफ से सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी और विक्रम चौधरी कोर्ट में पेश हुए।

मोदी और योगी के सहारे लोकसभा चुनाव में ताल ठोकेगी बीजेपी, खास रणनीति तैयार

लखनऊ, 20 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में 400 सीटों से रिकॉर्ड जीत के लिए बीजेपी ने उत्तर प्रदेश में खास रणनीति बनाई है। पार्टी पूरी तैयारी के साथ सियासी मैदान में उतर चुकी है। पार्टी के दिग्गजों को पता है कि अगर 400 से ज्यादा सीटें जीतनी है तो उसका रास्ता यूपी से होकर जाएगा। अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए बीजेपी ने यूपी में इस बार सभी 80 सीटों पर खास रणनीति अपनाई है। बीजेपी को भरोसा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही 400 से ज्याद की नैया पार लगाएंगे।

पार्टी को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आचार संहिता लागू होने से पहले यूपी में लगातार दौरे किए हैं। चुनाव प्रचार में भी उनकी रैलियां होंगी, जिसका फायदा पार्टी को मिशन-2024 में मिलेगा। यही कारण है कि संगठन को पूरा भरोसा है कि इस बार यूपी में 80 सीटें जीतेंगे। भाजपा को विश्वास है कि केंद्र सरकार के बीते 10 साल के कामकाज उसके लिए बड़ा हथियार साबित होंगे। इसके अलावा भाजपा ने चार-पांच लोकसभाओं का क्लस्टर बनाया है। इसमें संगठन की ओर से वरिष्ठ नेताओं के संपर्क कार्यक्रम किए जा रहे हैं।

हारी सीटों पर भाजपा का फोकस

भाजपा ने 2019 में हारी हुई 16 सीटों बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, संभल, रायबरेली, घोसी, लालगंज, अंबेडकर नगर,जौनपुर, गाजीपुर, श्रावस्ती, मैनपुरी, सहारनपुर, आजमगढ़, रामपुर और नगीना पर खास रणनीति बनाई है। केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रियों को प्रभारी बनाकर लगातार समीक्षा की गई है।

लोकसभा चुनाव के बीच यूपी के राजनीतिक दलों पर हाईकोर्ट सख्त, इन रैलियों पर मांगा जवाब

प्रयागराज, 20 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने जाति आधारित रैलियों पर हमेशा के लिए पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाली एक पुरानी जनहित याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के चार प्रमुख राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस मामले में अगली सुनवाई 10 अप्रैल के लिए निर्धारित की गई है और चारों प्रमुख दलों से जवाब तलब किया गया है। मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की पीठ ने अधिवक्ता मोतीलाल यादव द्वारा दाखिल एक जनहित याचिका पर सोमवार को यह आदेश पारित किया।

याचिकाकर्ता ने की रोक लगाने की मांग

याचिकाकर्ता ने उत्तर प्रदेश में जाति आधारित रैलियों पर रोक लगाने की मांग की थी। पीठ ने 11 जुलाई 2013 को मामले की सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश में जाति आधारित रैलियां आयोजित करने पर अंतरिम रोक लगा दी थी। पीठ ने 2013 में पारित अपने आदेश में कहा था, "जाति आधारित रैलियां आयोजित करने को उचित नहीं ठहराया जा सकता है।" याचिकाकर्ता का कहना है कि बहुसंख्यक समूहों के वोटरों को लुभाने के लिए राजनीतिक दलों की ऐसी अलोकतांत्रिक गतिविधियों के कारण देश में जातीय अल्पसंख्यक अपने आप में दूसरे दर्जे के नागरिकों की श्रेणी में आ गए हैं। याचिकाकर्ता ने कहा, 'स्पष्ट संवैधानिक प्रावधानों और उसमें निहित मौलिक अधिकारों के बावजूद, वोट की राजनीति के संख्या खेल में नुकसानदेह स्थिति में रखे जाने के कारण वे निराश और ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।' इस मामले पर सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी, जिसके बाद कोर्ट ने ये बीजेपी, सपा, कांग्रेस और बसपा से जवाब तलब किया है। अक्सर चुनावों के समय इस तरह जाति आधारित रैलियां और सम्मेलन देखने को मिलते हैं। जिसका मकसद उस जाति के लोगों में अपनी पैठ बनाने की कोशिश करना होता है। याचिकाकर्ता का कहना है कि इससे जातीय अल्पसंख्यक लोग निराश महसूस करते हैं।

लालू यादव से मिलकर निकले पप्पू यादव की पार्टी का कांग्रेस में विलय,

पटना, 20 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के सीमांचल में प्रभाव रखने वाले राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने अपनी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय को मंजूर कर लिया है। मंगलवार रात पप्पू यादव ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात की थी। सुबह पटना एयरपोर्ट पर उन्होंने विलय के सवाल को टाल दिया था, लेकिन यह जरूर कहा था कि वह कांग्रेस की विचारधारा पर ही लंबे समय से चलते आ रहे हैं। तभी यह माना जा रहा था कि पप्पू अपनी पार्टी के विलय के लिए राजी हो गए हैं। पप्पू की पार्टी जाप के पास बिहार में एक भी विधायक या सांसद नहीं हैं। पप्पू खुद सांसद रह चुके हैं और फिलहाल उनकी पत्नी राज्यसभा सांसद हैं। शाम चार बजे जाप का आधिकारिक तौर पर अस्तित्व समाप्त हो जाएगा और पत्नी रंजीत रंजन की तरह पप्पू यादव भी कांग्रेसी हो जाएंगे। दरअसल, पप्पू यादव पूर्णिया से महागठबंधन के उम्मीदवार होंगे। इसके लिए वह पूरी तैयारी कर रहे हैं।

प्रयागराज में बुआ ने अपने ही दो भतीजों की कर दी हत्या

प्रयागराज, 20 मार्च (एजेंसियां)। प्रयागराज जिले के मेजा थानाक्षेत्र के हरगढ़ गांव निवासी संजय पुत्र शंकर भरतीया के दो बेटे लकी उम्र 5 साल और अभी उम्र 3 साल की लकड़ी की पटरी से पीटकर हत्या कर दी गई है। बताया गया कि संजय की बहन पूजा उनके साथ ही रहती है और किसी बात को लेकर उसका विवाद संजय की पत्नी से हुआ तो गुस्साई पूजा ने अपने भतीजों पर ही हमला बोल दिया। पूजा ने दोनों नौनिहालों को पटरी से पीट कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया। परिजन बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए। जहां चिकित्सकों ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घटना की जानकारी मेजा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी हुई है। मौके पर पूरा गांव जुटा है। लोगों की भारी भीड़ में तमाम चर्चाएं चल रही हैं। घटना के बाद बच्चों की मां पार्वती का हाल बेहाल हो चुका है। हालांकि अभी तक पीड़ित परिवार द्वारा पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी गई है। फिलहाल मौके पर पुलिस पहुंच गई है।

लखनऊ में 17 मई तक जारी रहेगी धारा 144, इन कार्यों पर रहेगा प्रतिबंध

लखनऊ, 20 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव और त्योहारों को देखते हुए शहर में 17 मई तक के लिए धारा 144 को बढ़ाया गया है। जेसीपी कानून एवं व्यवस्था उपेंद्र कुमार अग्रवाल ने मंगलवार को निषेधाज्ञा के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव की तारीखों के एलान के साथ ही आचार संहिता प्रभावी हो गई। इसके साथ ही मार्च माह में होली और रमजान है। अप्रैल में ईद का त्योहार मनाया जाना है। जेसीपी ने बताया कि 20 जनवरी से धारा 144 17 मार्च तक के लिए प्रभावी की गई थी। जिसे 17 मई तक के लिए बढ़ाया गया है। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए विभिन्न राजनैतिक संगठनों के कार्यक्रम भी हो सकते हैं। इसके साथ ही भारतीय किसान यूनियन व अन्य संगठनों के प्रदर्शनों को देखते हुए शहर में धारा 144 (निषेधाज्ञा) 17 मई तक के लिए प्रभावी की गई है। जेसीपी ने बताया कि विधानभवन समेत हाई सिक्योरिटी जोन में आने वाले स्थानों में ड्रोन से शूटिंग प्रतिबंधित रहेगी।

रात को कमरे में सोने गए और जिंदा जल गए दो भाई, परिजनों का आरोप- हादसा नहीं ये है हत्या

कानपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। कानपुर के एक गांव में दो भाइयों की जिंदा जलने से मौत हो गई। इस विभस्त घटना से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। परिजनों ने साजिश की आशंका जताई है। यह दिल दहला देने वाली घटना जिले के सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के कशीगांव की है। पुलिस को सूचना मिली की देर रात कशीगांव के एक घर में आग लगने से दो मौसेरे भाइयों की जिंदा जलने से मौत हो गई। आनन-फानन में पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे तो दोनों शव पूरी तरह जल चुके थे। पुलिस के अनुसार, देर रात तकरीबन 2:30 बजे के आसपास सूचना मिली थी कि गांव के एक घर में आग लग गई थी। दो युवक जिंदा जल गए। मौके पर जाकर पुलिस ने इस पूरे मामले की जांच पड़ताल कि।

एल्विश यादव स्नेक वेनम केस में नोएडा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हुई दो और गिरफ्तारी

नोएडा, 20 मार्च (एजेंसियां)। एल्विश यादव की गिरफ्तारी के बाद से ही रेव पार्टियों में सांप और उसके जहर की तस्करी का मामला सुर्खियों में है। इस मामला में नोएडा पुलिस तेजी से कार्रवाई कर रही हैं। एक के बाद एक नई अपडेट मामले में सामने आ रही है। हाल में ही इस मामले में दो नई गिरफ्तारी की अपडेट सामने आई है। दिल्ली एनसीआर हरियाणा के कई फार्म हाउस में रेव पार्टी आयोजित करने के आरोप में ये गिरफ्तारी की गई है। दो और नई गिरफ्तारी एल्विश यादव से जुड़े सांप और उसके जहर की तस्करी के मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। नोएडा पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनका नाम ईश्वर और विनय है। एल्विश यादव की गिरफ्तारी के बाद पुलिस की जांच तेज से आगे बढ़ रही है, जो कई और लोगों की गिरफ्तारी की ओर संकेत कर रही है। कई बड़े नाम को पूछताछ के लिए नोएडा पुलिस नोटिस भेज सकती है। मामले में अभी तक 7 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। एल्विश यादव पर नोएडा पुलिस ने 29 एनडीपीएस एक्ट लगाया है। 29 एनडीपीएस एक्ट तब लगाया जाता है जब कोई नशे से जुड़ी साजिश जैसे नशे की खरीद-फरोख्त में शामिल होता है। इस अधिनियम के तहत दर्ज आरोपियों को आसानी से जमानत भी नहीं मिलती है। पिछले साल पीपल फॉर एनिमल्स (पीएफए) संगठन की शिकायत के आधार पर नोएडा पुलिस ने सेक्टर 51 स्थित एक बैंक्वेट हॉल पर छापा मारा था

बिहार में चुनाव आयोग की ताबड़तोड़ कार्रवाई

इन जगहों पर हुआ एक्शन, इस पार्टी के नेताओं पर भी शिकंजा

पटना, 20 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग के निर्देश पर राज्य में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए प्रदेशव्यापी सख्ती बरती जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को जांच के दौरान 17.91 लाख रुपये बरामद किए गए। मधेपुरा जिले में लाउडस्पीकर बजाने के कानून के संदर्भ में एक केस दर्ज किया गया है। बक्सर, पूर्णिया, पूर्वी चंपारण तथा शेखपुरा जिलांतर्गत अवैध बैठक, भाषण आदि के संदर्भ में एक-एक केस रिकार्ड किया गया है। कुल जब्त लीकर-59432.52 (लीटर) की सूचना प्राप्त हुई है, जिसका मूल्य 2266.50 लाख रुपये हैं। 71.30 लाख रुपये मूल्य के 141141.60 ग्राम ड्रग्स जब्त की गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार आदर्श आचार संहिता के तहत 24 घंटे के अंदर सरकारी संपत्तियों पर दीवार लेखन के कुल 4507, पोस्टर के 20551, बैनर के 15207 तथा अन्य 1391 मामलों पर कार्रवाई की गई है।

लोजपा (रामविलास) अभिनेत्री पर आचार संहिता उल्लंघन की प्राथमिकी

बरबीघा प्रखंड के मिशन थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर सिंडाय गांव में रविवार की शाम बिना शासन की अनुमति के होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसे लेकर आयोजनकर्ता लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के युवा प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव व भोजपुरी अभिनेत्री सीमा सिंह पर आचार संहिता उल्लंघन की प्राथमिकी कराई गई है। बरबीघा के अंचलाधिकारी गौरव कुमार ने यह प्राथमिकी कराई है। इस होली मिलन समारोह में बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। इसमें लाउडस्पीकर एवं वाद्य यंत्र का भी प्रयोग किया गया था। सीओ ने बताया कि चुनाव की घोषणा के बाद शनिवार की शाम से आचार संहिता लग गई है। इसके बाद किसी तरह के आयोजन को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में आवेदन देकर अनुमति लेनी है। लाउडस्पीकर, डीजे के प्रयोग अथवा सभा के आयोजन के लिए अनुमति की व्यवस्था है। बिना अनुमति आयोजन पर प्राथमिकी कराई जाएगी।

बदायूं डबल मर्डर पर आया गिरिराज सिंह का बयान

अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर पलटवार

पटना, 20 मार्च (एजेंसियां)। बदायूं (यूपी) जिला मुख्यालय के थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के बाबा कॉलोनी में मंगलवार की देर शाम मामूली विवाद में दो सगे भाइयों की कुल्हाड़ी से काटकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस हमले में तीसरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना को लेकर एक तरफ जहां पुलिस कार्रवाई कर रही है वहीं बयानबाजी भी हो रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर पलटवार किया है। गिरिराज सिंह ने कहा कि अब अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी समझ रहे हैं कि उनका जनाधार खिसक रहा है इसलिए अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। योगी आदित्यनाथ की सरकार में जितनी तरजीह हिंदुओं को मिली उतनी ही मुसलमानों को भी मिली है। गिरिराज सिंह ने बेगूसराय में मंगलवार को बयान दिया है। बीजेपी नेता ने कहा कि जहां तक बदायूं की घटना का सवाल है तो जिनकी निर्मम हत्या की गई है सरकार उनके प्रति संवेदनशील है। निश्चित रूप से जांच के बाद उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

योगी आदित्यनाथ की सरकार में कभी भी अपराधियों को खुली छूट नहीं दी गई है। वहीं दूसरी ओर बेगूसराय में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जाहिर करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र होने की वजह से यहां पर रिफाइनरी फर्टिलाइजर थर्मल जैसी संस्थाएं हैं। इससे कुछ न कुछ प्रदूषण होना स्वाभाविक है, लेकिन जिस तरह से प्रदूषण का आंकड़ा बढ़ा है वह चिंता का विषय है। इसमें एक बड़े पहल की आवश्यकता है। बदायूं में दो बच्चों आयुष और आहान की शाम हत्या की गई है। इनमें एक की उम्र 11 और दूसरे की छह साल थी। पिता विनोद कुमार ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। साजिद और जावेद नाम पर हत्या का आरोप लगा है। आरोपियों में से एक साजिद का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया वहीं एक आरोपी जावेद फरार है।

बदायूं हत्याकांड: आखिर क्यों घर में घुसा था आरोपी साजिद

कैसे बचा आखिरी बेटा? चश्मदीद ने बताई पूरी कहानी

बदायूं, 20 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं में दो बच्चों की जघन्य हत्या ने सभी को हैरान कर के रख दिया है। किसी के घर में घुसकर और छत पर जाकर बच्चों की हत्या ने लोगों के मन में कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं। बता दें कि साजिद नामक शख्स पर पड़ोसी विनोद के घर में जाकर उसके दो बच्चों आयुष और आहान की खौफनाक तरीके से हत्या का आरोप है। आरोपी साजिद को यूपी पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया है। वहीं, इस हमले में परिवार का तीसरा बच्चा पीयूष घायल हो गया है। अब पीयूष ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है।

किस मकसद से घर में घुसा था साजिद?

पीड़ित परिवार का कहना है साजिद उनके घर के अंदर आया और 5000 रुपए मांगे कि उसकी पत्नी प्रेग्नेंट है और अस्पताल में है। बच्चों की मां संगीता ने अपने पति विनोद को कॉल किया तो उन्होंने कहा- पड़ोसी है दे दो 5000 कल दे देगा। इसके बाद साजिद से चाय का पूछा गया तो उसने हामी भरी और कहा कि अस्पताल जाने में एक दो घंटे हैं।

ऐसे दिया हत्या को अंजाम

आरोपी साजिद ने घर के बड़े बेटे आयुष को कहा कि मम्मी का पार्लर दिखा दो। वह उसे पार्लर के फर्स्ट फ्लोर फिर दूसरे फ्लोर पर ले गया। उसने लाइट बंज की और आयुष को चाकू से काटकर मार डाला। तभी छोटा बेटा आहान पानी लेकर ऊपर गया। साजिद ने उसे भी पकड़ा और मार डाला।

पीयूष ने कैसे बचाई जान?

इस भयानक हत्याकांड में पीड़ित परिवार के छोटे बच्चे पीयूष की जान बच गई है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी साजिद ने छोटे बच्चे पीयूष पर भी हमले की कोशिश की। इस हमले में पीयूष को थप्पड़ लगा और अंगूठे में चाकू भी लगा। इसके बाद जैसे-तैसे पीयूष ने वहां से भाग के दरवाजा बंद कर लिया। आरोपी घर के जीने में चाकू लेकर थोड़ देर खड़ा रहा फिर वहां से भाग गया। पीयूष ने कहा कि हम तो उनके यहां कटिंग कराने जाते थे, कहते थे हम भैया बाल काट दो।

साजिद का भाई भी था शामिल?

पुलिस ने अपनी बाईट में अब तक केवल साजिद का रोल बताया है पर परिवार का कहना है कि साजिद और जावेद दोनों भाई उनके घर आए थे। जानकारी के मुताबिक, हत्या के वक्त जावेद बाहर बाइक लेकर खड़ा था। पुलिस ने कहा है कि जावेद की तलाश जारी है क्योंकि परिवार ने उसपर भी घर आने का आरोप लगाया है।

क्या बीजेपी सांसद वरुण गांधी को टिकट देगी सपा? अखिलेश यादव ने कह दी बड़ी बात

पीलीभीत, 20 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए बुधवार से नामांकन शुरू हो गया है। लेकिन बीजेपी और समाजवादी पार्टी ने अभी तक पीलीभीत लोकसभा सीट पर अपने प्रत्याशी का एलान नहीं किया है। इस सीट पर पहले ही चरण के अंतर्गत 19 अप्रैल को वोटिंग है। पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी के टिकट को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। वरुण गांधी पर लगाए जा रहे कयासों के बीच समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है।

यूपी में राहुल गांधी फेल? 26 सीटों पर की भारत जोड़ो न्याय यात्रा, बचा पाएंगे सिर्फ रायबरेली, अमेठी भी हारेंगे

रायबरेली, 20 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान हो चुका है। चुनावों की घोषणा के साथ ही सभी दल सियासी बिसात बिछाने में लग गए हैं। 80 सीट वाले उत्तर प्रदेश में सियासी बयार तेज हो गई है। यहां एनडीए, इंडिया अलायंस और समाजवादी पार्टी मैदान में हैं। राज्य में सत्तारूढ़ बीजेपी के विजयरथ को रोकने के लिए इस बार कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने हाथ मिलाया है। कांग्रेस-सपा के बीच सीटों पर फैसला उस समय हुआ था, जब राहुल गांधी सूबे में भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर रहे थे। उनकी यात्रा में अखिलेश यादव भी शामिल हुए थे। इस बीच राहुल गांधी की यात्रा उत्तर प्रदेश के जिन जिलों से होकर गुजरी, वहां इंडिया अलायंस को कितना फायदा होगा?

राहुल गांधी की न्याय यात्रा फरवरी में यूपी के 26 लोकसभा क्षेत्रों से होकर गुजरी। इसमें वाराणसी, भदोही, प्रयागराज, प्रतापगढ़, अमेठी, रायबरेली, लखनऊ, उन्नाव, कानपुर, मुरादाबाद, संभल, अलीगढ़, बुलंदशहर, हाथरस, आगरा, चंदौली शामिल हैं। ओपिनियन पोल के मुताबिक इंडिया गठबंधन को यूपी में कोई फायदा होता दिखाई नहीं दे रहा है। सर्वे की मानें तो राहुल गांधी यूपी के जिन 26 लोकसभा क्षेत्रों से होकर गुजरी वहां 25 सीट पर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए की जीतने की संभावना है। इंडिया अलायंस के एक मात्र रायबरेली की सीट पर जीतने की उम्मीद है। इतना ही नहीं सर्वे से सामने आया है कि कांग्रेस इस बार भी अमेठी से हार सकती है। सर्वे के अनुसार उत्तर प्रदेश में बीजेपी प्रचंड जीत हासिल कर सकती है। यहां एनडीए को 80 में से 73 सीट मिल सकती हैं, जबकि इंडिया गठबंधन के खाते में महज 7 सीटें आ सकती हैं। वहीं, अगर बात करें कांग्रेस की तो वह 1 सिमट पर ही सिमट कर रह जाएगी। समाजवादी पार्टी चुनाव में 6 सीटें जीत सकती है। उत्तर प्रदेश में सीट शेयरिंग की बात करें तो सर्वे में बीजेपी को सबसे ज्यादा 52.81 फीसदी वोट मिलता दिखाई दे रहा है, जबकि समाजवादी पार्टी के खाते में 27 फीसदी से अधिक वोट आएंगे। बीएसपी को 8.56 फीसदी वोट मिल सकती है।

यूपी में 7 चरण में मतदान

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए सात चरणों में वोटिंग होगी। सूबे में 19 अप्रैल को पहले चरण में राज्य की 8 सीट, 26 अप्रैल को दूसरे चरण में 8 सीट, 7 मई को तीसरे चरण में 10 सीट, 13 मई को चौथे चरण में 13 सीट, 20 मई को पांचवें चरण में 14 सीट, 25 मई को छठे चरण में 14 सीट और 1 जून को सातवें चरण में 13 सीटों पर मतदान होगा।

लोकसभा में हार का डर

लालू यादव के 62 साल के नेता ने रातोंरात की शादी, अब पत्नी को लड़ाएंगे चुनाव!

पटना, 20 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के तारीखों का ऐलान हो गया है। देशभर में 7 चरणों में चुनाव कराया जाएगा। बुधवार से पहले चरण की 102 लोकसभा सीटों में होने वाले चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी टिकट पाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। बिहार के मुंगेर जिले में अजीबोगरीब मामला सामने आया है। जहां चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक प्रत्याशी ने दो दिन के अंदर शादी कर ली। कल तक प्रत्याशी कह रहे थे कि वह शादी नहीं करेंगे, लेकिन अब लालू प्रसाद यादव की राजद पार्टी के संभावित प्रत्याशी अशोक महतो ने रातोंरात शादी कर ली है। 62 वर्षीय अशोक महतो को राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बुलाकर कहा था कि तुम चुनाव लड़ो, लेकिन अशोक महतो शादीशुदा नहीं थे। उन्हें इस बीच डर सता रहा था कि अगर वह चुनाव लड़ेंगे तो कोई न कोई कहानी बनाकर लोग उनका नामांकन न रद्द करवा दें। साथ ही उन्हें अपनी हार का डर भी सता रहा था। इसलिए आरजेडी के संभावित उम्मीदवार ने सेफ गेम खेलने के लिए उन्होंने दो दिन के अंदर अपनी शादी कर ली। अब अपनी पत्नी को चुनाव लड़वा सकते हैं। बताया जाता है कि 62 वर्षीय अशोक महतो को शादी के लिए पहले तो कन्या नहीं मिल रही थी। बहुत खोजबीन के बाद देर रात महतो की शादी हो गई। अब उनकी शादी के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। अशोक महतो की शादी सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है। मुंगेर लखीसराय जिले के सीमा पर स्थित सूर्यगढा प्रखंड के बंशीपुर गांव के रहने वाले पीडब्ल्यूडी के अवकाश प्राप्त इंजीनियर हरि प्रसाद मेहता की बेटी अनीता कुमारी की शादी अशोक महतो से हुई है। अनीता कुमारी ने लॉ की पढ़ाई की हुई है। वह दिल्ली में रहती हैं। साथ ही वह दिल्ली की किसी बड़ी कंपनी में अच्छे पैकेज पर जॉब भी कर रही हैं।

मुंगेर से लड़वाएंगे चुनाव

दूल्हा बने आरजेडी के संभावित उम्मीदवार महतो का 50 गाड़ियों का काफिला देर रात मुंगेर की ओर से बख्तियारपुर पहुंचा। जहां करौटा के जगदंबा स्थान में हिंदू रीति रिवाज से शादी हुई। कयास लगाए जा रहे हैं अशोक महतो अब अपनी नई नवेली दुल्हन अनीता को मुंगेर लोकसभा से चुनाव लड़ाएंगे। उनके सामने जेडीयू के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह उम्मीदवार होंगे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 21 मार्च, 2024 5

युविचार

जो गहराई में खोजता है
उसे ही रत्न मिलता है।
पर जो ढूंढने से डरे वो
खाली हाथ ही लौटता है।

शहर में नि:शुल्क पार्किंग की समस्या पर विशेष ध्यान दिया जाए: रोनाल्ड रोज़

पार्किंग की समस्या को लेकर हुई बैठक

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि शहर में लोगों को पार्किंग की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए एक पूरी योजना तैयार की जानी चाहिए, जिसमें पार्किंग संरचनाओं को व्यवस्थित करने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय में अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में शहर में आ रही पार्किंग समस्या पर चर्चा की गयी। अधिकारियों को व्यापक पार्किंग नीति तैयार करने की प्रक्रिया तैयार करनी चाहिए। मुख्य नगर नियोजक ने ऐसे उपयुक्त स्थानों की पहचान करने का निर्देश दिया, जहां दोपहिया, तीन पहिया, चार पहिया के साथ ही भारी वाहनों को पार्क करने की संभावना हो। यह सुझाव दिया गया है कि चार पहिया वाहनों की पार्किंग और दोपहिया वाहनों के लिए अलग स्थान जनता के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए, लेकिन उचित प्रबंधन की कमी के कारण पार्किंग का उपयोग नहीं किया जा रहा है, हालांकि जीएचएमसी के भीतर पहले से ही स्थानों की पहचान की जा चुकी है। आयुक्त ने अधिकारियों को एक विशेष पोर्टल या मोबाइल ऐप के माध्यम से उपलब्ध पार्किंग स्थानों के विवरण की पहचान करने की व्यवस्था करने की सलाह दी ताकि शहर के विभिन्न हिस्सों में यात्रा करने वाले मोटर चालक उन क्षेत्रों में पार्क कर सकें। पार्किंग स्थलों पर आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जाय। इसके अलावा, यदि शहर में खाली पड़ी निजी भूमि के मालिक पार्किंग सुविधा प्रदान करने के लिए आगे आते हैं, तो उन्हें पालन के लिए नियम और कानून तैयार करने चाहिए।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से मुख्य सड़क एवं कॉलोनी की सड़कों पर जहां यातायात का दबाव रहता है, वहां उपयुक्त स्थान चिन्हित किये जायें। इसी तरह कॉमर्शियल मॉल्स में भी वाहन पार्किंग की सुविधा के लिए कदम उठाने का सुझाव दिया गया है। आयुक्त ने जीएचएमसी को पार्किंग स्थलों पर विज्ञापनों के माध्यम से राजस्व बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

इस मौके पर कमिश्नर ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एजेंसी पार्किंग के निर्माण मॉडल की जांच की। इस बैठक में ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी, ईएनसी जियाउद्दीन, अतिरिक्त आयुक्त स्नेहा सबरीश, सीसीपी राजेंद्र प्रसाद नाइक, प्रोजेक्ट सीई देवानंद और अन्य ने भाग लिया।

हैदराबाद में 23 मार्च को अर्थ आवर

हैदराबाद, 20 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। अर्थ आवर के उपलक्ष्य में हैदराबाद के प्रमुख स्थल इस शनिवार को एक घंटे के लिए अंधेरे में रहने की तैयारी कर रहे हैं। राज्य सचिवालय, दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज, हुसैनसागर में बुद्ध प्रतिमा, गोलकुंडा किला, चारमीनार और राज्य केंद्रीय पुस्तकालय सहित कई सरकारी कार्यालय, संस्थान और प्रतिष्ठित स्मारक रात 8.30 बजे से 9.30 बजे तक अपनी रोशनी बंद कर देंगे। यह पहल एक वैश्विक आंदोलन का हिस्सा है जिसे अर्थ आवर के नाम से जाना जाता है, जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय मुद्दों और दैनिक बिजली खपत के प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह अभियान व्यक्तियों, संगठनों और समुदायों को ग्रह के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और व्यक्तिगत परिवर्तन की क्षमता के प्रतीकात्मक संकेत के रूप में एक घंटे के लिए सभी गैर-जरूरी लाइटें बंद करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

मार्शा बाई कुंटा की सुरक्षा के लिए कारवाई जारी :आयुक्त

आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

हैदराबाद, 20 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि राजेंद्रनगर मंडल, कटेदान गांव में स्थित मार्शा बाई कुंटा की सुरक्षा के लिए कारवाई जारी है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण का निशाना बनने से रोका जा रहा है। इसको सुरक्षित रखने के सारे उपाय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह देखने के बाद कि अतिक्रमणकारियों ने मार्शा बाई कुंटा के एफटीएल और बफर जोन क्षेत्र में निर्माण मलबे और अपशिष्ट सामग्री को डंप कर दिया है, राजेंद्रनगर के विधायक प्रकाश गौड़, जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त ने संबंधित स्थान का दौरा किया और स्थानीय लोगों को सलाह दी कि मलबा हटाएं।'' उन्होंने कहा कि मलबा को हटा दिया गया है और आक्रमणकारियों से बचाया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि टैंक एफटीएल और बफर में आगे कोई अतिक्रमण न हो। बताया गया है कि मैलारदेवपल्ली पीएस एसएचओ को आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया है।

यूरोपीय मीडिया ने किया तेलंगाना का दौरा

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मध्य यूरोपीय देशों के मीडिया प्रतिनिधियों ने आईटी, फार्मा, पर्यटन और अंतरिक्ष अनुसंधान में विश्व नेता के रूप में भारत की प्रशंसा की। 12 मध्य यूरोपीय देशों के 22 मीडिया प्रतिनिधियों ने इस महीने की 17 तारीख से आज तक 4 दिनों के लिए हैदराबाद के विभिन्न प्रमुख संस्थानों का दौरा किया। विभिन्न देशों की सांस्कृतिक विविधता का अध्ययन करने और लोगों के बीच आपसी समझ के साथ सद्भाव का माहौल विकसित करने के लिए, शिक्षा और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग के लिए मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उसी के एक भाग के रूप में, भारत का विदेश मंत्रालय और संबंधित राज्य सरकारें हमारे देश का दौरा करने के लिए दक्षिण पूर्व एशिया, दक्षिण एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के मीडिया प्रतिनिधियों के लिए एक दौरे का कार्यक्रम तैयार कर रही हैं। मीडिया आदान-प्रदान के तहत संबंधित देशों के मीडिया प्रतिनिधि 13 मार्च को नई दिल्ली आये। उन्होंने नई दिल्ली में कई संस्थानों और विदेश विभाग का दौरा किया। बाद में उन्होंने देश के सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास कर रहे तेलंगाना राज्य का दौरा किया। लिथुआनिया, पोलैंड, रोमानिया, सर्बिया और स्लोवाकिया के विभिन्न प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के 22 प्रतिनिधि, राज्य सूचना और नागरिक संबंध विभाग के विशेष आयुक्त के साथ संबंधित संगठनों के साथ जो राज्य के कद को दर्शाते हैं। तेलंगाना दौरे के हिस्से के रूप में, उन्होंने गोलकोंडा किला, शिल्पाराम, भारत बायोटेक, टी हब, टी वर्क्स, स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, फिल्म सिटी का दौरा किया। मीडिया प्रतिनिधियों की राय है कि तेलंगाना में संगठन दुनिया के लिए एक प्रेरक शक्ति के रूप में विकसित हो रहे हैं।

प्रतिशोध के लिए 20 कुत्तों की गोली मारकर हत्या, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पालतू कुत्ते की मौत का बदला लेने के लिए 20 आवारा कुत्तों की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया की, 16 फरवरी को महबूबनगर जिले के पोन्नाकल गांव में 20 आवारा कुत्तों की सामूहिक हत्या कर दी गई थी। इस भयावह घटना के एक महीने बाद, जिला पुलिस ने गोलीबारी में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, उन्होंने मुख्य आरोपी के पालतू कुत्ते की मौत का बदला लेने के लिए कुत्तों को गोली मारी थी।

हैदराबाद के रहने वाले मंधा नरसिम्हा रेड्डी (57), तारिक (42) और ताहिर (40) को मंगलवार 19 मार्च को गिरफ्तार किया गया था।

उनके साथ, इस्तेमाल किए गए हथियार और कार- एक लाइसेंसी 0.22 राइफल और एक मर्सिडीज बेंज कार को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

जबकि मुख्य संदिग्ध रेड्डी, रेड हिल्स, नामपल्ली का निवासी है। उसके अन्य दो साथी तारिक और ताहिर व्यवसायी हैं।

ताहिर के पास वह राइफल भी है जिसका इस्तेमाल 20 कुत्तों को मारने के लिए किया गया था। पुलिस के अनुसार, रेड्डी ने फरवरी के पहले सप्ताह में अपने दो दचशुंड कुत्तों को अडाकल गांव में अपने ससुराल में छोड़ दिया था। दुर्भाग्य से, उनमें से एक कुत्ते को सड़क के कुत्तों ने मार डाला।

अडाकल के एसएचओ श्रीनिवास ने कहा, अपने पालतू कुत्ते को खोने के बाद, रेड्डी के मन में आवारा जानवरों के प्रति नफरत पैदा हो गई, जिससे वह उन पर हमला करने के लिए प्रेरित हुआ। बदला लेने की योजनाबद्ध कोशिश में, रेड्डी ने ताहिर और तारिक के साथ मिलकर 16 फरवरी को सुबह 1:30 बजे आवारा जानवरों पर गोलियां चला दीं, जिसमें 20 कुत्ते मारे गए और अन्य पांच घायल हो गए।

घटना के दिन, एक प्रत्यक्षदर्शी, एक पूर्व सैनिक, ने इलाके में गोलियों की आवाज सुनकर पुलिस को सतर्क किया। शुरू में पूछताछ के लिए हिरासत में लिए गए प्रत्यक्षदर्शी द्वारा दी गई जानकारी और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने वाहन की पहचान की और बाद में संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया।

घटना के दिन पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 429 (पचास रुपये या उससे अधिक मूल्य के किसी भी जानवर या जानवर को मारने, जहर देने, अपंग करने या बेकार करने के लिए) और पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम, और शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 26 धारा 11 सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

एक्सपायर्ड सामान बेचने वाले किराना स्टोर पर छापा

हैदराबाद, 20 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने शमशाबाद में एक किराना स्टोर पर छापा मारा, जहां एक्सपायर्ड खाद्य वस्तुएं बेची जा रही थीं। पुलिस ने वहां से 41,870 रुपये की संपत्ति जब्त की।

गिरफ्तार व्यक्ति सैफुद्दीन (57) नामक व्यापारी शमशाबाद में एक दुकान चलाता है और चॉकलेट मिक्स, मसाले, खजूर आदि सामान रखता था। गुप्त सूचना पर पुलिस ने दुकान पर छापा मारा और सामान जब्त कर लिया। एसओटी अधिकारियों का कहना है कि उत्पादों के सेवन से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, जिसकी जांच चल रही है।

चुनाव प्रवर्तन छापेमारी में 47 लाख नकद जब्त

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिले में चुनाव आदर्श आचार संहिता को लागू करने के लिए समर्पित प्रवर्तन दस्तों द्वारा की गई सघन छापेमारी के परिणामस्वरूप 47, 18, 300 रुपये नकद, विभिन्न प्रकार के सामान और 17, 49, 140 रुपये के कुल मूल्य की जब्ती हुई है। जिला निर्वाचन अधिकारी रोनाल्ड रोज़ ने बुधवार को बताया कि व्यक्तियों से 104.41 लीटर शराब बरामद की गई।

पिछले 24 घंटों में, मंगलवार और बुधवार की सुबह के बीच, प्रवर्तन दस्तों ने अपनी छापेमारी के माध्यम से रुपये जब्त किए हैं। उन्होंने कहा, 29,70,000 नकद, 23,829 रुपये का सामान और करीब 50 लीटर शराब जब्त की गई है।

आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से उड़नदस्तों की टीमों ने 38 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं, जबकि पुलिस टीमों ने 9,18,300 रुपये नकद और 17,49,140 रुपये का विविध सामान जब्त किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा

15 व्यक्तियों पर निषेधाज्ञा मामले दर्ज किए गए, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। रोनाल्ड रोज़ ने कहा, अब तक जिला चुनाव अधिकारियों को नकदी जब्ती से संबंधित 26 शिकायतें मिली हैं और कुल 19 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की विविध सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

नं.पीयुबी/8/विज्ञापन एजेन्सियों की सूचीबध्दता/2024
दि.20/03/2024
दमरे-2024 पर विज्ञापन या एडवर्टाइजिन्ग एजेन्सियों की सूचीबध्दता हेतु सूचना

PUB.0296

दक्षिण मध्य रेलवे(दमरे या एससीआर), अपने विज्ञापन/ प्रचार -प्रसार की आवश्यकताओं हेतु विज्ञापन एजेन्सियों को सूचीबध्द करने की इच्छुक है। तदनुसार, दमरे पर सूचीबध्दता हेतु विज्ञापन एजेन्सियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। जिसमें चयनित विज्ञापन एजेन्सियों की पैनल जो संबंधित सूचीबध्दता की तिथि से लेकर दो वर्ष के लिए वैध होगी। सूचीबध्दता या एम्पैनलमेन्ट के पश्चात,तत्संबंधित विज्ञापन एजेन्सियों द्वारा निम्न रेलवे कार्यों को हैन्डल करना होगा जिसमें (क) क्रिएटिव पब्लिसिटी कैम्पेन या अभियान (ख) पूरे भारत के विभिन्न स्थानों पर कई भाषाओं में डीएवीपी दरों सहित विभिन्न न्यूज पेपर्ज/पब्लिकेशन्स के लिए विज्ञापनों(डिसप्ले तथा निविदा सूचनाएं) को जारी करना। (ग) साथ ही संलग्न तत्संबंधित दस्तावेज में निहित नियम व शर्तों से जुडे अन्य संबध्द सेवाएं, आदि शामिल हैं।

तत्संबंधित आवेदक विज्ञापन एजेन्सियां, जो सभी योग्यता मानदंड को पूरा करते हो, वे अपने -अपने आवेदन को आवश्यक प्रमाणित दस्तावेज संलग्न कर प्रस्तुत कर सकते हैं; तथा दमरे-2024 पर विज्ञापन एजेन्सियों की सूचीध्दता हेतु संलग्न नियमों और शर्तों के अनुसार क्रिएटिव्ज प्रस्तुत करें और मूल्यांकन के लिए एक प्रस्तुति दें।

तत्संबंधित कवरिन्ग लेटर सहित संलग्न दमरे-2024 पर विज्ञापन एजेन्सियों की सूचीबध्दता के प्रति नियम व शर्तों युक्त दस्तावेज को, दक्षिण मध्य रेलवे की वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड कर सकते है।

आवेदन का मूल्य जीएसटी 18% सहित रु.5,900/--(केवल पांच हजार नौ सौ रूपये) है तथा जो अप्रतिदेय या नान-रिफन्डेबुल है।

इस आवेदन के मूल्य को, अनिवार्य तौर पर, अनुसूचित/राष्ट्रीयकृत बैंक से आहरित डिमान्ड ड्राफ्ट के रूप में, सिकन्दराबाद पर देय, प्रधान वित्तीय सलाहकार, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद के पक्ष में, आवेदन के साथ प्रस्तुत करना चाहिए, अन्यथा आवेदन को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

आवेदक एजेन्सियों को चाहिए कि, वे अनिवार्य रूप से निम्न पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.1,00,000/- (केवल एक लाख रुपये) को,

किसी भी अनुसूचित/राष्ट्रीयकृत बैंक से आहरित डिमान्ड ड्राफ्ट के रूप मे, सिकन्दराबाद पर देय, प्रधान वित्तीय सलाहकार, दक्षिण मध्य रेलवे के पक्ष में प्रस्तुत करें या संबंधित कार्यालय में नकद रूप में जमा करें तथा आवेदन के साथ इससे जुडी मूल रसीद पावती संलग्न करें, अन्यथा आवेदन को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

यथावत रूप से निर्धारित प्रारूप नुसार भरे हुए आवेदन को, विज्ञापन एजेन्सियों द्वारा दक्षिण मध्य रेलवे -2024 पर विज्ञापन

एजेन्सियों की सूचीबध्दता के प्रति संलग्न विवरित नियम शर्तों से जुडे समर्थित आवश्यक दस्तावेजों के साथ, मुहरबंद लिफाफे पर, मुख्य जन संपर्क अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे, तीसरा तल, रेल निलयम, सिकंदराबाद-500025 को संबोधित करते हुए, प्रस्तुत करना चाहिए।

टिप्पणीः संपूर्ण रूप से भरे हुए तत्संबंधित आवेदनों को, मुख्य जन संपर्क अधिकारी दक्षिण मध्य रेलवे, तीसरा तल, रेल निलयम, सिकन्दराबाद-500025 के कार्यालय पर रखे हुए एप्लीकेशन बाक्स में दि.15-04-2024 के 14-30 बजे तक, उक्तआवेदनों को जमा करना चाहिए।

तत्संबंधित तिथियां व समय निम्न प्रकार हैः -

पूर्व -बोली बैठक	सीपीआरओ कार्यालय पर दि.08-04-2024 के 15.-00 बजे
दमरे की आफिशियल वेबसाइट अर्थात् www.scr.indianrailways.gov.in से आवेदन प्रपत्र की डाउनलोडिन्ग करने की अंतिम तिथि	व समयः----दि.15-04-2024 के सु.10.00 बजे
आवेदन प्राप्ति की तिथि व समय	-दि.15-04-2024 के 14.30 बजे तक
एप्लीकेशन बाक्स खोलने की तिथि व समय	-दि.15-04-2024 के 15.00 बजे

तत्संबंधित निर्धारित तिथि व समय के पश्चात् प्राप्त आवेदनों को अस्वीकार किया जायेगा। इस मामले में दक्षिण मध्य रेलवे, कोई भी, किसी भी प्रकार के विलम्ब के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

A0375

मुख्य जन संपर्क अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे

अवैध शराब की दुकानों पर छापा मारा, 197 बोतलें जब्त कीं

हैदराबाद, 20 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने मंगलवार को उन बेल्ट दुकानों पर छापा मारा जहां अवैध रूप से शराब बेची जाती है और 197 शराब की बोतलें जब्त की।

सूचना पर कारवाई करते हुए पुलिस ने चंदानगर, अत्तापुर, राजेंद्रनगर, चेवेल्ला, शंकरपल्ली, चौधरीगुडेम और मोइनाबाद थाना क्षेत्रों में चल रही बेल्ट की दुकानों पर छापेमारी की। जिसमें जब्त की गई संपत्ति की कीमत 1.34 लाख रुपये है। साइबराबाद एसओटी अधिकारियों ने कहा कि दुकानदार मुनाफा कमाने के लिए अवैध रूप से शराब बेच रहे थे।

तेलंगाना की वन मंत्री कोंडा सुरेखा आज राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुईं। मंत्री सुरेखा ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी।

186वीं मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

विजयवाड़ा मंडल ने अखिल भारतीय रेलवे हिंदी नाटक प्रतियोगिता में पाया प्रथम पुरस्कार

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाड़ा मंडल की 186वीं मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आज नरेंद्र ए पाटिल, मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। एम.श्रीकांत, अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रचालन) एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी, पी.ई.एड्विन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (अवसंरचना) और विजयवाड़ा मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे के सभी शाखा अधिकारियों ने इस बैठक में भाग लिए। नरेंद्र ए पाटिल, मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा ने अधिकारियों और कर्मचारियों से आधिकारिक अनुवाद में मदद के लिए 'कंठस्थ ऐप' और वेब सॉफ्टवेयर का उपयोग करने का आग्रह किया. उन्होंने यह भी कहा कि मंडल 'ज्ञान ग्रंथ' के माध्यम से भारतीय रेलवे (जी एंड एसआर) सामान्य और सहायक नियमों और स्टेशन संचालन नियमों को रोजमर्रा के आधार पर पढ़ने के लिए कहा है। नरेंद्र ए पाटिल, मंडल रेल प्रबंधक/विजयवाड़ा ने समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए विजयवाड़ा मंडल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार 'नोटिंगों' का लक्ष्य 30% लक्ष्यों की तुलना में 83.02 % अनुपालन किया जा रहा है इसी प्रकार हिंदी में प्राप्त पत्रों के लिए औसतन 83.4% उत्तर हिंदी में दिए जाते हैं, जो सराहनीय है। उन्होंने दोहराया कि केंद्र सरकार के दैनंदिन कामकाज में हिंदी को लागू करने की जिम्मेदारी हर एक कर्मचारी की है और दिन-प्रतिदिन के कामकाज में समुचित राजभाषा कार्यान्वयन के लिए विजयवाड़ा मंडल के हिंदी अनुभाग के प्रयासों की सराहना की। मंडल रेल प्रबंधक ने 15 मार्च को उदयपुर में आयोजित अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव प्रतियोगिता में दक्षिण मध्य रेलवे का प्रतिनिधित्व करके प्रथम स्थान के साथ साथ 8 सर्वोत्कृष्ट पुरस्कार प्राप्त करने के लिए विजयवाड़ा मंडल के नाटक के कलाकारों को बधाई दी। विजयवाड़ा मंडल को 'सर्पनीति' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ उच्चारण, सर्वश्रेष्ठ संगीत, सर्वश्रेष्ठ मंच सज्जा, सर्वश्रेष्ठ ध्वनि प्रभाव, सर्वश्रेष्ठ प्रकाश व्यवस्था और सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा पुरस्कार भी प्राप्त हुए। मंडल रेल प्रबंधक के करकमलों से आज के मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में नाटक की टीम के कलाकारों को रेल मंत्रालय द्वारा भेजे गए प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं।

'सर्पनीति', हिंदी नाटक त्रेतायुग और द्वापर युग दोनों के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसमें रामायण और महाभारत की कहानियां दिखाई जाती हैं, जिसमें हर व्यक्ति इन किरदारों में अपने आपको देख सकता है। इन कहानियों में कुछ किरदार ऐसे हैं जो हर इंसान को आज के समाज के बारे में सोचने और उसके समानांतर समझने पर मजबूर कर देती हैं। इस अद्भुत नाटक को उदयपुर में दर्शकों द्वारा उत्साह पूर्वक अभिनंदन मिला। आशा महेश कुमार, राजभाषा अधिकारी, विजयवाड़ा मंडल ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में इस मंडल द्वारा हासिल की गई प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने पिछली तिमाही के दौरान विजयवाड़ा मंडल और यूनिटों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई हिंदी कार्यशालाओं, सेमिनारों और टेबल प्रशिक्षण के बारे में बताया. आप राजभाषा के विभिन्न कार्यान्वयन मदों पर भी ध्यान केंद्रित किया और राजभाषा नीति के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने और उससे आगे बढ़ने में समन्वय के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। आशा महेश कुमार, राजभाषा अधिकारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 21 मार्च- 2024

मुद्दे हैं पर आंदोलन नहीं

वे दिन लद गए जब कभी आंदोलन हुआ करते थे। देखा जाए तो इन अबकी बार के अश्वमेध यज्ञ में मुद्दों की कमी नहीं है लेकिन मजाल है कि विपक्ष किसी मुद्दे को उठा सके। इसलिए विपक्ष से आंदोलन की अपेक्षा करना भी बेमानी हो गया है। विपक्ष की काहिली का ही नतीजा है कि अब आंदोलन जोर पकडने से पहले ही थक जाता है। यह बात अलग है कि कभी-कभी किसी आटो पर कुछ नारे के टेप जरूर बजते सुनाई देते हैं। चुनावी अश्वमेध यज्ञ में तमाम जनप्रतिनिधि अपनी-अपनी कुर्सियाँ बचाने के लिए दौड़-धूप जरूर कर रहे हैं। कोई एक पार्टी का है, कोई दूसरी पार्टी का। बहुतेरे तीसरी, चौथी, पाँचवीं और कई अन्य पार्टियों के भी बनते बिगडते रहते हैं। उनकी अनन्त इच्छाएँ अपने दांत पैने करने में लगी हुई हैं कि कब मौक़ा मिले और कब सारे के सारे वोट चबा जाएँ! सब के सब चाहते हैं कि ऊपर से नीचे तक सब कुछ बदल देना चाहिए लेकिन वे जिस कुर्सी पर विराजमान है वह सदन जिस जमीन पर बना है वह सलामत रहे। दूसरी तरफ आम आदमी है जो बेचारा अकाल में बटोरे हुए दानों की तरह पिसता रहता है। कभी किसी घट्टी में, कभी किसी चक्की में या किसी ढोर-डंगर के दांतों के बीच। ये वो आम आदमी है, जिसकी 15 अगस्त को भी छुट्टी नहीं होती है। मुसीबतों, समस्याओं से ज़ख़्मी उसके पाँवों को एक लम्बा रास्ता निगलता जा रहा है। ज़िंदगी से लड़ते-लड़ते वो वंदे मातरम् की तर्ज़ुमा भी भूल जाता है। बात ये नहीं है कि ये सारी समस्याएँ, ये तमाम तकलीफ़ें आज अचानक या कुछ सालों में पैदा हुई हैं। यह सिलसिला वर्षों से चलता आ रहा है। सत्ताएं बदल जाती हैं लेकिन समस्याएं जस की तस बनी रहती हैं। सरकारें आती गईं, नेता भी बदलते रहे, लेकिन आम आदमी की आफ़तें अपनी जगह से टस से मस नहीं हुई हैं। फिर भी आम आदमी की हिम्मत देखिए कि वे हर पांच साल में मतदान बडे ही उत्साह से देता है। उन नेताओं के हिम्मत की भी दाद देनी पडेगी जो हर पाँच साल में जीतने के लिए आ जाते हैं। हमारे आस-पास रह कर अपनापन दिखाने का उनका दिखावा देखते ही बनता है। यहां तक कि वे गली में बर्तन मांजती महिला के साथ उन्हीं बर्तनों को धोने बैठ जाते हैं। राह चलते बच्चे-बुजुर्ग से आशीर्वाद लेता नेता गजब का विनम्र दिखता है। सब जानते है कि यह नेता जी का दिखावा है, फिर भी हमे उनकी लाचारी पर दया आ जाती है और हम उनसे कुछ पूछे बगैर ही अपना अमूल्य वोट उन्हें फ्री में दे देते हैं। हमारी यही दया, यही करुणा तो वे वर्षों से भुनाते आ रहे हैं! एक बार वोट पड़े कि फिर कौन सी गली, कौन सा मोहल्ला और कौन सा गाँव, क़स्बा या शहर! सब कुछ भूलकर कुर्सी पर पसर जाते हैं। फिर हर काम की सौदेबाजी करना ही उनका परम धरम हो जाता है। हमें भी सोचना चाहिए कि करोड़ों खर्च करके आख़िर कोई गली मोहल्लों में पाँच साल क्यों घूमता फिरे, यही आज की राजनीति का सिद्धांत है। वो नेता विलुप्त हो चुके हैं जिनमें नैतिकता कूट-कूट कर भरी होती थी। कोई पैदल तो कोई साइकल पर प्रचार करते चुनाव जीत जाता था। और विधायक, सांसद या मंत्री रह चुकने के बाद भी वापस उसी साइकल पर आ ज़ाया करता था। बहरहाल, राजनीतिक पार्टियों को मिल रहे चंदे पर बहस छिड़ी हुई है। सुप्रीम कोर्ट के कहने के बावजूद डिजिटल से लैस बैंक चंदे का पूरा डेटा एक बार में चुनाव आयोग को नहीं दे पा रहा है। डेटा पूरा दे भी दिया जाएगा तब भी कोई फ़र्क़ नहीं पडने वाला है, क्योंकि विपक्ष भी आराम कर रहा है। जिस देश में विपक्ष को मुद्दों और मसलों की ही समझ नहीं हो उस देश में रचनात्मक विपक्ष की कल्पना कैसे की जा सकती है भला!

कब फांसी चढ़ेंगे नकली दवा के असली सौदागर?

ऋतुपर्ण दवे

इसे व्यवस्थाओं की नाकामियाबी कहें या भ्रष्टाचार का खेल, लेकिन सच्चाई यही है कि इंसान की जान से बेपरवाह लोग, पैसों की हवस के आगे दरिन्दे बन मौत के सौदागर तक बन जाते हैं। कैंसर की नकली दवा बनाने वाले गिरोह के राष्ट्रीय राजधानी में पकड़े जाने के बाद लोग हैरान-परेशान हैं। यूं तो भारत में नकली दवाओं के खेल का सिलसिला लंबे वक्त से जारी है, जो रुकने का नाम नहीं ले रहा। इसका दूसरा पहलू यह भी कि इसे रोकने खातिर लंबे-चौड़े अमले पर भारी भरकम खर्च और सख्त कानूनों के बावजूद जारी रहना खुद में बड़ा सवाल है। नकली दवाओं के बेखौफ दरिन्दे दिल्ली जैसी जगह में बैठकर सबको धता बता धोखेबाजी को अंजाम दें और शासन-प्रशासन के नुमाइन्दे "नक्कालों से सावधान धोखेबाजों से सावधान" का राग अलापतें रहें तो अटपटा जरूर लगता है।

दिल्ली पुलिस ने तमाम सबूतों के साथ कैंसर की नकली दवा बनाने वाले जिस गिरोह का पर्दाफाश किया उसमें 12 लोग शामिल हैं, हो सकता है कई और पुलिस की रडार पर हों जो बाद में शिकंजे में आएं। दुखद यह कि आरोपियों में दो जाने-माने कैंसर अस्पताल के कर्मचारी थे। निश्चित रूप से पूरा गैंग, सारी तैयारियों से इस काम में जुटा था जिसकी कई पर्तें खुलना बांकी हैं। आगे और खुलासों से संभव है कि ऐसे कई और गैंग बेनकाब होंगे जो देश-विदेश में जहां-तहां जड़ें जमाए हों। पिछले साल विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यू.एच.ओ.) ने भारत मे बिक रही कैंसर और लिवर की नकली दवाओं को लेकर चेताया था। कैंसर और लिवर की नकली दवाओं को नाम सहित उजागर कर जानकारी भी दी थी। नकली दवाओं के असली निर्माताओं ने भी दावा किया था कि उनके नाम व ब्रान्ड पर भारत में नकली दवाओं का असली खेल चल रहा है। तब तरह-तरह के सवाल लोगों के जेहन में आए कि क्या बाहर से नकली दवाओं की खेप आ रही है? कहीं किसी बड़े अंतर्राष्ट्रीय गिरोह की साजिश तो नहीं? लेकिन कुछ ठोस कार्रवाई होती दिखी नहीं।

शर्मनाक यह भी कि भारत के औषधि महानियंत्रक यानी ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डी.सी.जी.आई.) तक बेसुध रहे कि कैंसर तथा लिवर के नकली इंजेक्शन धड़ल्ले से और खुले आम कैसे बिक रहे हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. ने तो चेताया लेकिन यहां किसे होश आया? यह तो ठीक वैसा ही हुआ जैसे कोरोना का नकली रेमेडिसविर इंजेक्शन ने न जाने कितनों की जान ले ली और जिम्मेदार बेसुध रहे? डब्ल्यू.एच.ओ. की चेतावनी के बाद डी.सी.जी.आई. ने भी माना था कि देश में कैंसर में इस्तेमाल होने वाला इंजेक्शन एडसेट्रिस के आठ अलग-अलग नाम व प्रकार के नकली उत्पाद सहित लिवर की नकली दवा डिफिटेलियो भारतीय बाजार में मौजूद हैं। सवाल यही कि जानकर भी महकमे ने क्या किया? यकीनन दिल्ली पुलिस ने काबिल-ए-तारीफ काम किया। लेकिन हैरानी है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ड्रग कंट्रोलर की नकली दवाओं पर नजर रखने की हिदायत के बाद विभाग कितना चेता? कहां-कहां, क्या-क्या बड़ी कार्रवाई हुई? दिल्ली में पकड़े गए इस अकेले गिरोह ने दो सालों में ही करोड़ों रुपए की दौलत बनाई। अभी देश में न जाने कितने गिरोह पर्दे के पीछे होंगे? पैसों के भूखे इन नरपिशाचों की करतूतें रोंगटे खड़े करने वाली हैं। बेहद सुनियोजित तरीकों से अपने काम को अंजाम देता यह गिरोह कैंसर की दवा की खाली शीशी पांच हजार रुपए में खरीदता जिसकी कीमत 2.96 लाख रुपये तक होती। इनमें फ्लूकोनॉजोल जो कि एक एंटी फंगल दवा है जो करीब 100 रुपए में आती है भरता और इंजेक्शन में नकली दवाइयों को मिलाकर बाजारों में सप्लाई करता।

पानी की बोतल खरीदना आसान, मगर ऑक्सीजन की कठिन

अशोक भाटिया

आज के अखबारों में यह खबर प्रमुखता से छपी है कि बांग्लादेश , पाकिस्तान के बाद भारत सबसे प्रदूषित देश' है । सभी मीडिया ने इसे प्रमुखता से छापने के अलावा शंका जाहिर कि है कि कही ऐसा न हो भविष्य के दिनों में शुद्ध हवा के लिए शुद्ध पानी की बोतल की तरह हमें ऑक्सीजन की बोतल खरीदने की जरुरत पड़ जाए . इसीलिए अब देश में प्रदूषण की बढ़ती मार को रोकने के लिए पूरे भारत में इसके स्तरों पर नजर रखने के लिये जरूरी नेटवर्क के विस्तार की बहुत ज्यादा जरूरत महसूस की जा रही है। इसके लिये भारी निवेश के रूप में एक बड़ी बाधा सामने है। ऐसे में कम लागत वाले स्वदेशी संवेदी उपकरण (सेंसर) एक नयी उम्मीद जगाना आवश्यक हैं।

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर (आईआईटी-के) तथा ब्लूमबर्ग फिलांट्रोफीज के सहयोग से सात महीने के दौरान किये गये पायलट अध्ययन के नतीजे यह बताते हैं कि स्थानीय स्तर के स्टार्टअप्स द्वारा तैयार किये गये कम लागत वाले संवेदी उपकरणों (सेंसर्स) ने नियामक श्रेणी (रेगुलेटरी ग्रेड) वाले निगरानी उपकरणों के मुकाबले 85-90 प्रतिशत दक्षता से काम किया। यह निष्कर्ष बेहद उत्साहजनक होने के साथ-साथ भविष्य में प्रदूषण निगरानी केन्द्रों के व्यापक नेटवर्क की परिकल्पना को नया आधार भी देते हैं। इस अध्ययन के लिये चार विभिन्न स्टार्टअप्स ने 40 किफायती सेंसर तैयार किये। अध्ययन के नतीजों से पता चलता है कि तीन स्टार्टअप्स द्वारा विकसित सेंसर्स में गैर अंशांकित (अनकैलिब्रेटेड) मूल्यों (कंटीनुअस एम्बियेंट एयर क्वालिटी मॉनीटरिंग स्टेशंस 'सीएएक्यूएमएस' द्वारा मापे गये वास्तविक पैमानों के लिहाज से) में विचलन (एरर) 25 प्रतिशत से कम था। कैलिब्रेशन के बाद तीन प्रकार के सेंसर्स में यह एरर घटकर 15 प्रतिशत से कम रह गया जबकि चौथी किस्म के सेंसर में यह एरर 20 फीसद रहा। यह अध्ययन नवम्बर 2020 से मई 2021 के बीच किया गया। इसके लिये वर्तमान में स्थापित एमपीसीबी के 15 सीएएक्यूएमएस के साथ कम कीमत के 40 मॉनीटरिंग सेंसर्स लगाये गये थे। इनमें से मुम्बई में 10 तथा नवी मुम्बई, ठाणे, कल्यान, वसई-विरार, सियोन, बोरिवली, एयरपोर्ट, पवई तथा डोम्बिवली में एक-एक सेंसर लगाया गया। रेस्पिरर लिविंग साइंसेज, एयरवेदा टेक्नॉलॉजीज, पर्सनल एयर क्वालिटी सिस्टम्स (पीएक्यूएस) और ओइजोम इंस्ट्रूमेंट्स नामक स्टार्टअप्स द्वारा विकसित सेंसर्स को एमपीसीबी के रेगुलेटरी ग्रेड वाले वायु गुणवत्ता बीएएम (बेटा अटेनुएशन मॉनीटरिंग) के साथ लगाया गया। कम कीमत वाले इन स्वदेशी वायु गुणवत्ता निगरानी सेंसर पीएम2.5 (2.5 माइक्रॉन से कम आकार वाले पार्टिकुलेट मैटर) और पीएम10 (10 माइक्रॉन से कम आकार वाले पार्टिकुलेट मैटर) का एक मिनट का डेटा उत्पन्न कर सकते हैं। सौर ऊर्जा से चलने वाले ये सेंसर डेटा ट्रांसमिशन के लिये रियल टाइम कम्युनिकेशन की विशेषता से लैस हैं। इस अध्ययन के निष्कर्षों को शुक्रवार 18 जून को आयोजित एक वेबिनार में पेश किया गया। इस वेबिनार में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नगर विकास मंत्रालय, केन्द्रीय एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड्स के प्रतिनिधियों, तकनीकी विशेषज्ञों, मीडिया तथा सिविल सोसाइटी के सदस्यों ने भी हिस्सा लिया। इस वेबिनार के आयोजन का मकसद नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) के तहत देश में वायु गुणवत्ता निगरानी केन्द्रों का विस्तार करने की योजना पर अमल के उपायों पर विचार-विमर्श करना है।

आईआईटी-के में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख और नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के नेशनल नॉलेज नेटवर्क के राष्ट्रीय समन्वयक डॉक्टर एस.एन. त्रिपाठी ने कहा, वायु गुणवत्ता निगरानी का भविष्य उच्च अस्थायी आवृत्ति पर बेहद स्थानीय स्तर का डेटा प्रदान करने के लिए रेगुलेटरी ग्रेड मॉनिटर और सेंसर के संयोजन के एक संकर (हाइब्रिड) दृष्टिकोण में निहित है। मुंबई सेंसर प्रयोग के नतीजों से साफ जाहिर है कि देश में वायु गुणवत्ता निगरानी के लिए बड़े पैमाने पर तैनात करने के लिये स्वदेशी सेंसर तकनीक तैयार है। उन्होंने महाराष्ट्र में कम लागत वाले सेंसर आधारित प्रदूषण निगरानी नेटवर्क के तकनीकी आकलन का जिक्र करते हुए कहा कि इस दौरान बड़े पैमाने पर डेटा एकत्र किया गया। इस दौरान सेंसर ने लॉकडाउन जैसे मुश्किल वक्त में भी बिना किसी खास मानवीय सहयोग के बेहतर तरीके से काम किया। इस दौरान दो स्टार्टअप्स के सेंसर के आंकड़ों में त्रुटि का प्रतिशत 15 से भी नीचे गिर गया और सेंसरों ने कैलिब्रेशन के बाद सीएएक्यूएमएस के साथ गहरा सह-सम्बन्ध (कोरिलेशन) दिखाया।

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष सुधीर श्रीवास्तव ने इस मौके पर कहा कि हमारे पास पर्यावरण से जुड़ी अनेक चुनौतियां हैं, जिनमें वायु प्रदूषण सबसे प्रमुख है। हममें से हर कोई रोजाना 11000 लीटर ऑक्सीजन को सांस के तौर पर लेता है। हम पानी की बोतल तो खरीद सकते हैं, लेकिन ऑक्सीजन की बोतल खरीदने की कल्पना नहीं की जा सकती।

उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण की बात करें तो सबसे बड़ी समस्या यह है कि समस्या का मापन कैसे किया जाए। सीपीसीबी ने नेशनल एयर मॉनिटरिंग प्रोग्राम शुरू किया है। महाराष्ट्र में हमारे लगभग 100 स्टेशन स्थापित हो चुके हैं। अगर हम स्थानीय परिप्रेक्ष्य में और ज्यादा अर्थपूर्ण तरीके से वायु की गुणवत्ता पर नजर रखने की बात करें तो हमें वायु गुणवत्ता निगरानी के संजाल को बहुत बड़े पैमाने पर बढ़ाना होगा। बहुत घनी मॉनिटरिंग नेटवर्क की जरूरत होगी। इसमें वित्तीय बाधाओं का समाधान करने के लिये हमें कम लागत वाले सेंसर की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए हमें सस्ते और लगभग सटीक परिणाम देने वाले सेंसर लगाने होंगे।

इस समय वैसे छोटे-छोटे स्टार्टअप्स ने भी वायु प्रदूषण की समस्या के समाधान की दिशा में काम शुरू करते हुए कम कीमत वाले सेंसर उपलब्ध कराए हैं। जो उद्यमी किफायती सेंसर के जरिए डाटा सामने रखने की कोशिश कर रहे हैं उनके पास बहुत अच्छा डेटा हो सकता है। इस रिपोर्ट से यह निष्कर्ष सामने आए और वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों के सघनीकरण की दिशा में नई उम्मीद जगी है।

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के संयुक्त निदेशक डॉक्टर वी एम मोटघरे ने कहा कि महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 18 नॉन अटेनमेंट शहर हैं। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत जरूरी निगरानी के लिए स्टार्टअप्स द्वारा बनाए गए यह किफायती सेंसर हॉटस्पॉट टेक्नोलॉजी के लिहाज से बहुत मददगार साबित होंगे, एक कमी यह है कि यह सेंसर परंपरागत निगरानी केंद्र के बगैर एकल इकाई के रूप में काम नहीं कर सकते, इस पर बहुत साफ तौर पर विचार करने की जरूरत है। महाराष्ट्र में किये गये इस पायलट अध्ययन से वह बढ़ा हुआ अपटाइम भी जाहिर होता है जो सेंसरों के जरिये निगरानी प्रणाली को मिल सकता है। सभी चार स्टार्टअप्स द्वारा विकसित कम लागत वाले सेंसर का अपटाइम 95% से ज्यादा था।

मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में प्रत्येक स्थान पर पीएम 2.5 संकेंद्रण नापने के लिए लगाये गये सेंसर-आधारित नेटवर्क द्वारा गणना की गई औसत में महीने दर महीने अंतर पाया गया है। उदाहरण के लिए, विले पार्ले में नवंबर में यह 80 ug/m3 था जो मई में घटकर 26 ug/m3 हो गया। कोलाबा जैसे कुछ तटीय स्थानों में भी दिसंबर के सर्दियों के महीनों में 56 ug/m3 की पीएम 2.5 संकेंद्रण के साथ उच्च प्रदूषण स्तर दर्ज किया गया। जनवरी के महीने में कल्यान में मासिक औसत सबसे अधिक 124 ug/m3 था।

इस अध्ययन के नतीजों ने देश में कम कीमत पर वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क को और विस्तार देने की सम्भावनाओं के दरवाजे खोल दिये हैं।

ये चुनाव ऐतिहासिक और अद्भुत क्यों हैं ?

– राजेश कुमार पासी

2024 के लोकसभा चुनाव कई मायनों में ऐतिहासिक होने वाले हैं । ये चुनाव कुछ अजीब हैं और अद्भुत भी हैं । इन चुनावों में बहुत कुछ ऐसा होने वाला है जो पहले कभी नहीं हुआ । इन चुनावों में 75 साल की भारतीय राजनीति के कई मिथक टूट सकते हैं । अगर इन चुनावों के परिणाम आशा के अनुरूप आते हैं तो भारतीय राजनीति पूरी तरह से बदल जायेगी । भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू 17 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे लेकिन वो निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में 12 साल ही पद पर रहे । 1964 में पद पर रहते हुए उनका निधन हो गया था । इन चुनावों के बाद मोदी एक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा समय तक पद पर रहने का रिकार्ड बना सकते हैं । भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह एक इंटरव्यू में कह चुके हैं कि मोदी ही दस साल तक प्रधानमंत्री रहने वाले हैं । इसका मतलब है कि 2029 का लोकसभा चुनाव भी भाजपा मोदी जी के नेतृत्व में लड़ने का विचार अभी से कर रही है ।

इसमें कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए क्योंकि भाजपा बहुत लंबी योजना बनाकर काम करती है । मोदी के स्वास्थ्य को देखते हुए कहा जा सकता है कि वो अगला चुनाव भी लड़ सकते हैं । 2024 के चुनाव ही यह तय करेंगे कि भाजपा अगला चुनाव मोदी जी के नेतृत्व में लड़ सकती है या नहीं । अगर ऐसा होगा तो मोदी सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं । अगर इसमें मोदी जी के गुजरात के मुख्यमंत्री के कार्यकाल को भी गिना जाएगा तो वो सबसे ज्यादा समय तक सत्ता के सर्वोच्च शिखर पर रहने का रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं । पहली बार दक्षिण भारत में भाजपा अपने पैर जमा सकती है । कितनी सीटें मिलेंगी, नहीं कहा जा सकता लेकिन मोदी की मेहनत बता रही है कि वो भाजपा को दक्षिण भारत में स्थापित करने जा रहे हैं । ये चुनाव ऐतिहासिक इसलिए भी हो सकते हैं क्योंकि भाजपा कांग्रेस की जगह दक्षिण भारत में ले सकती है । पिछले चुनावों से कहीं ज्यादा गंभीरता से भाजपा दक्षिण भारत में चुनाव लड़ रही है । भाजपा को उत्तर भारत की पार्टी माना जाता है, ये मिथक इस बार चुनावों में टूटने जा रहा है । भाजपा दक्षिण भारत में सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है । अगर ऐसा हो जाता है तो भाजपा सही मायनों में अखिल भारतीय पार्टी बन जाएगी । पूरे भारत में अपना जनाधार बना लेने के बाद भाजपा केंद्र में लम्बे समय तक शासन कर सकती है ।

ऐसा भी हो सकता है कि इसके कारण दक्षिण भारत के कई क्षेत्रीय दल बहुत कमजोर हो जाएं । इस बार भाजपा आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में अपना खाता खोलने जा रही है । भाजपा उत्तर और पश्चिम भारत में कोई भी नुकसान उठाये बगैर दक्षिण भारत में अपने पैर जमाने जा रही है । कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तमिलनाडु की जमीनी हकीकत बता रही है कि भाजपा दूसरे नम्बर की पार्टी बन सकती है क्योंकि अन्नाद्रमुक की हालत बहुत खराब है । इसका अहसास डीएमके को भी हो चुका है, इसलिए वो अब सिर्फ भाजपा पर ही हमला कर रहा है । दक्षिण के राज्यों के लिए भाजपा ने विशेष रणनीति बनाई है, वो कुछ चुनिंदा सीटों पर अपना ध्यान केंद्रित करके चुनाव लड़ रही है । आंध्र प्रदेश में टीडीपी और जनसेना के साथ गठबंधन करके भाजपा ने न केवल अपने लिए बल्कि गठबंधन के लिए अच्छी सीटें जीतना तय कर लिया है । वाईआरसीपी के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर चल रही है इसलिए भाजपा को आंध्र प्रदेश से अच्छी उम्मीद है । केरल में भी भाजपा पांच के आसपास सीटें जीतने की ओर बढ़ रही है । शायद इतिहास का यह पहला चुनाव है जब भ्रष्टाचार को लेकर केन्द्र के सत्ताधारी दल पर हमलावर होने की जगह विपक्ष बचाव की मुद्रा में है । आम आदमी पार्टी के कई नेता जेल में बंद हैं तो केजरीवाल पर जेल जाने का खतरा मंडरा रहा है । ममता बनर्जी के कई नेता जेल में हैं और कई नेताओं पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है । झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन जेल में है । लालू यादव का पूरा परिवार जमानत पर चल रहा है । स्टालिन के भी कई नेताओं पर ईडी नजर जमाये हुए है । कई विपक्षी नेता भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं । कितना अजीब है कि सत्ताधारी दल के नेता विपक्षी नेताओं पर भ्रष्टाचारी होने का आरोप लगा रहे हैं । वास्तव में विपक्षी नेताओं के पुराने पाप ही उनका पीछा नहीं छोड़ रहे हैं । यही कारण है कि देश में सत्ता विरोधी लहर की जगह विपक्ष के खिलाफ लहर चल रही है, इसलिए ये चुनाव अदभुत हैं । नेहरू जी के बाद ऐसा पहली बार हो रहा है, जब विपक्ष सत्ता पाने के लिए लड़ता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है बल्कि वो तो अपने अस्तित्व को बचाने की जंग लड़ रहा है ।

मोदी ने इन चुनावों में एनडीए के लिए 400 सीट जीतने का लक्ष्य तय किया है जबकि विपक्ष का कोई लक्ष दिखाई ही नहीं दे रहा है । कांग्रेस के बड़े नेता बहाने बनाकर चुनावों से दूर भाग रहे हैं । इतिहास में पहली बार यूपी से नेहरू परिवार का कोई सदस्य चुनाव नहीं लड़ने जा रहा है जबकि यूपी ही इस परिवार के सदस्यों को प्रधानमंत्री बनने के लिए संसद भेजता रहा है । इन चुनावों में यह भी इतिहास बन सकता है कि इस बार कांग्रेस को यूपी से कोई सांसद न मिले । इन चुनावों में यह भी अद्भुत हो रहा है कि विपक्षी नेता हताश होकर उल-जलूल बयानबाजी कर रहे हैं और उनके साथी उनका बचाव करते घूम रहे हैं । ये भी बड़ा अजीब है कि विपक्षी गठबंधन के रचनाकार नीतीश कुमार उसको छोड़कर मोदी के पक्ष में खड़े हो गये हैं ।

इन चुनावों में एक तरफ मोदी सत्ता में रहने की हैट्रिक लगा सकते हैं तो दूसरी तरफ कांग्रेस सत्ता से दूर रहने की हैट्रिक लगा सकती है । इस बार चुनावों में कांग्रेस हार जाती है तो वो केन्द्र की सत्ता से लम्बे समय के लिए दूर जा सकती है । कांग्रेस को उम्मीद सिर्फ राज्यों से ही है क्योंकि बेशक वो वहां भी हार रही है लेकिन कभी कभी उसे वहां जीत मिल रही है । मैंने अपने एक लेख में कहा था कि कांग्रेस को अपना अस्तित्व बचाना है तो उसे केंद्र की राजनीति करने की जगह राज्यों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए । अगर वो राज्यों में अच्छा करती है तो केंद्र की राजनीति में अपने आप मजबूत होती चली जाएगी । कांग्रेस केंद्र की सत्ता से तो दूर जा ही रही है बल्कि राज्यों में भी कोई कमाल करके नहीं दिखा पा रही है । वास्तव में इन चुनावों में पूरे विपक्ष की साख पर सवाल खड़ा है । विपक्ष की विडंबना यह है कि वो अपने भ्रष्ट नेताओं पर रोक लगाने की जगह ईडी/सीबीआई पर आरोप लगाता रहता है । विपक्ष के कई नेता अपने दलों को छोड़कर भाजपा में शामिल होते जा रहे हैं और इसके लिए भी विपक्ष ईडी/सीबीआई पर आरोप लगा रहा है ।

खतरनाक स्तर पर समाज में बढ़ती असहिष्णुता !

मनोज कुमार अग्रवाल

बीते दिन गुजरात यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्रों के साथ मारपीट पत्थरबाजी की सनसनीखेज घटना सामने आयी है। हॉस्टल कैंपस में रमजान के दौरान तरावीह को लेकर विवाद हुआ था जिसके बाद उन पर हमला कर दिया गया. न सिर्फ छात्रों के साथ मारपीट की गई बल्कि हॉस्टल के कमरों में भी घुसकर तोड़फोड़ की गई. यूनिवर्सिटी में अफगानिस्तान, उज़बेकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान, सीरिया और अफ्रीकी देश के छात्र पढ़ाई करते हैं। वहीं एक अन्य वारदात बेंगलूरू से सामने आई है जहां अपनी दुकान पर संध्या भजन बजा रहे युवा दुकानदार को एक समुदाय विशेष के युवकों ने मारपीट कर घायल कर दिया। इन हमलावरों ने आरोप लगाया कि दुकानदार युवक अजान के समय भजन चला रहा था हमलावरों ने दुकानदार पर जानलेवा हमला किया। ये दोनों घटनाएं समाज में बढ़ रही असहज असहिष्णुता और परस्पर समुदाय के प्रति द्वेष और घृणा की दुर्भावना को जाहिर करती हैं।

आपको बता दें कि गुजरात यूनिवर्सिटी में असामाजिक तत्वों ने हॉस्टल के रूम में घुसकर तोड़फोड़ भी की. हमले में घायल विदेशी छात्रों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. हमले की इस घटना के बाद गुजरात यूनिवर्सिटी की हॉस्टल में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं. फिलहाल हॉस्टल की तरफ जाने वाले सभी गेटों को बंद कर दिया गया है.हमले को लेकर बताया जा रहा है कि रमजान में रात के समय ए ब्लॉक में तरावीह के दौरान सामने बी ब्लॉक से कुछ छात्रों ने आकर इसका विरोध किया और हॉस्टल कैंपस में तरावीह करने से रोका. शुरू में इसे रोकने के लिए तीन छात्र आए थे लेकिन फिर वहां भीड़ पहुंच गई और हॉस्टल में पहुंचकर हमला शुरू कर दिया।इस घटना में कम से 5 विदेशी छात्रों के साथ मारपीट की गयी है। मिली खबर के मुताबिक हमलावरों ने इस दौरान जय श्रीराम के नारे लगाये और मारपीट कर भाग गये। इसी के साथ छात्रावास में खड़े वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। जिन छात्रों के साथ मारपीट की गयी है वे अफगानिस्तान, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका औऱ उज्बेकिस्तान के रहने वाले हैं। मामला गुजरात विश्वविद्यालय का बताया जाता है। हमले का शिकार छात्रों ने बताया कि हमलावरों ने उनको नमाज पढ़ने से मना किया और कहा कि हॉस्टल में नमाज पढ़ने की इजाजत नहीं है।

विदेशी छात्रों ने इस मामले में पूलिस के समक्ष दिय बयान में बताया है कि नमाज के पढ़ने के दौरान उनपर 10-15 लोगों ने हमला कर दिया। कहा के सभी हमलावर छात्र नहीं, बल्कि बाहर के थे। घटना शनिवार देर रात 11 और 12 बजे के बीच घटी है। वहीं, हमले के बाद गुजरात के गृहमंत्री ने मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिये हैं। कहा है कि आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द से जल्द हो। वहीं, हमले का शिकार अफगानी छात्र ने पुलिस के बताया है कि हमलावरों ने सिक्योरिटी गार्ड को वहां से भगा दिया और जय श्रीराम के नारे लगाये।

अहमदाबाद शहर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) नीरज कुमार बडगुजर ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। साथ ही आश्वासन दिया कि हमलावरों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घायल विदेशी छात्रों के बारे में बडगुजर ने कहा कि केवल एक छात्र अस्पताल में भर्ती है, जबकि अन्य को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त जीएस मलिक ने कहा, 'गुजरात विश्वविद्यालय में लगभग 300 विदेशी छात्र पढ़ते हैं और लगभग 75 विदेशी छात्र ए ब्लॉक में रहते हैं। कल रात करीब साढ़े 10 बजे बजे छात्रों का एक ग्रुप नमाज पढ़ रहा था। लगभग 20-25 लोग आए और उनसे पूछा कि वे यहां नमाज क्यों अदा कर रहे हैं और इसके बजाय इसे मस्जिद में पढ़ना चाहिए। उनके बीच बहस शुरू हो गई, बाहर से आए लोगों द्वारा पथराव किया गया और उनके कमरों में तोड़फोड़ की गई।

'मलिक ने कहा, 'पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की और 20-25 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एक व्यक्ति की पहचान कर ली गई है। कानून व्यवस्था की स्थिति अब नियंत्रण में है। श्रीलंका और ताजिकिस्तान के दो छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।' गुजरात यूनिवर्सिटी की वीसी नीरजा अरुण गुप्ता के अनुसार , 'बीती रात करीब साढ़े 10 बजे हॉस्टल में एक घटना हुई जहां विदेशी छात्र रहते हैं। यहां करीब 300 छात्र पढ़ते हैं । दो गुटों में झड़प हो गई, जिसके बाद मामला तूल पकड़ गया। कुछ विदेशी छात्र घायल हो गए। एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस और सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। मामले की जांच की जा रही है। कुछ वीडियो वायरल हैं और पुलिस मामले की तह तक जांच करने की कोशिश कर रही है।'

फिल्मी फार्मूले

डॉ. सुरेश कुमार

हमारे एक लेखक मित्र हैं। वे आजकल की हिंदी फिल्में देखने का बड़ा शौक़ रखते हैं। उन्हें लगता है कि जब कभी गाली-गलौज करना हो या फिर भड़ास निकालनी हो तो आजकल की हिंदी फिल्मों से बढ़कर कोई दूसरा बहाना नहीं हो सकता है। एक दिन वे इसी के बारे में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहने लगे- आजकल की फिल्में देखकर मुझे बनाने वालों और उसमें अभिनय करने वालों पर तरस आता है। फिल्में वे करते हैं और मरना हमें पड़ता है। मारने का इतना ही शौक है तो अपने परिवार वालों को मारें। आम जनता ने उनका क्या बिगाड़ा है। उनका अभिनय देखकर पचा-पचाया भोजन गड़बड़ाने लगता है। आज के जमाने में इन फिल्मों को देखने वालों के लिए इक्कीस तोपों की सलामी बनती ही है। फिल्म के नाम पर 'नचनिया की दुकनिया' चला रहे हैं। हाँ कभी कभार कुछ ऐसी फिल्में आ जाती हैं जो वाह-वाह करने अथवा दस्ती से आँख पोंछने पर मजबूर कर देती हैं। वरना हम तो वो हैं जो इसका इस्तेमाल सिर्फ शर्म से बहती नाक और प्रदूषण के दुर्गंध से बचने के लिए करते हैं। मैंने उत्सुकता के साथ पूछा – इसका मतलब आजकल की फिल्में फिल्म देखने लायक है?

मेरा इतना पूछना भर था कि उन्होंने तुरंत पलटकर जवाब दिया – मैंने कब कहा कि फिल्में देखने लायक है? यदि सच्चाई दिखाने से फिल्में पैसा बटोर लेती तो कल्पना और झूठ के बल पर करोड़ों का व्यापार करने वाली फिल्में देखने कुत्ता भी नहीं जाता। भैया ये भी कोई फिल्में हैं? शुरु से लेकर आखिरी तक रोना ही रोना। मार-धाड़। आइटम सांग। इसमें हमारे रोने के अलावा कुछ है ही नहीं। और जब रोना ही है तो इन्हीं फिल्मों को देखने की क्या जरूरत है? क्या दुनिया में दुखों की कमी है? एक ढूँढ़ो हजार मिल जायेंगे। अरे मैं तो कहता हूँ धरती पर जितना ऑक्सीजन नहीं है उससे ज्यादा तो दुख है। इन फिल्मों में मनोरंजन के मसाले की कमी साफ़ झलकती है। बिना मसाले की सब्जी और फिल्म दोनों फीकी होती है। मैं कुछ पूछता उससे पहले ही वे मुझे भांप गए। कहने लगे – मसाले का मतलब समझते भी हो। इस फिल्म में न ढंग के गाने हैं, न रोमांस। अरे फिल्में तो ऐसी होनी चाहिए जिसमें थोड़ी फैंतसी हो। पप्पी-झप्पी हो। रोमांस हो। सच्चाई दिखाओ लेकिन इन सारे मसालों को मिलाकर दिखाओ। तब देखना फिल्म कितना रुपया बटोरती है।

मैंने उनकी बात को काटते हुए कहा- सच्चाई को दिखाने वाली फिल्में जब फैंटसी पर उतर आती हैं तब सच फैंटसी के पीछे छिप जाता है। ऐसी फिल्में व्यावसायिक और बेईमानी भरी होती हैं। यह आंखों देखा हाल नहीं दिखा सकतीं। मनोरंजन करने वाली फ़िल्म सिर्फ मनोरंजन कर सकती हैं। एक गाने पर सौ बार लोकेशन और कपड़े बदलने वाले दृश्य केवल कोरे दृश्य बनकर रह जाते हैं।

गोविन्द द्वादशी, महाभारत से जुड़ी खाटूश्यामजी की पौराणिक कथा

फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को गोविन्द द्वादशी का पर्व मनाया जाता है। इस बार यह पर्व 21 मार्च को मनाया जाएगा। द्वादशी तिथि के देवता भगवान विष्णु हैं, इसलिए द्वादशी तिथि के दिन श्रीहरि की उपासना श्रेष्ठ मानी गई है। पुराणों के अनुसार द्वापर युग में महाभारत युद्ध के दौरान श्रीकृष्ण के मांगने पर बालक बर्बरीक ने इसी दिन अपने शीश का दान किया था। कलयुग में शीश के दानी को ही बाबा खाटूश्याम के रूप में पूजा जाता है। खाटूश्यामजी मंदिर में फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष में बड़े मेले का आयोजन होता है,जिसमें देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं।

लोगों की मान्यता है कि यहां आकर श्यामजी के दर्शन करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है और समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी दिन पुरी के जगन्नाथ मंदिर, द्वारकाधीश मंदिर, तिरुमाला तिरुपति बालाजी मंदिर और वेंकेटेश्वर स्वामी मंदिर में धूमधाम से उत्सव मनाया जाता है।

पौराणिक कथा

महाबली भीम के पुत्र घटोत्कच और दैत्यराज मूर की पुत्री मौरवी (कामकंटकटा) के अति बलशाली पुत्र बर्बरीक हुए। बर्बरीक को खाटूश्याम,श्याम सरकार,सूर्यावर्चा,शीश के दानी,तीन बाण धारी जैसे नामों से जाना जाता है। एक बार परम तेजस्वी बर्बरीक ने श्री कृष्ण से पूछा-"हे प्रभु! इस जीवन का सर्वोत्तम उपयोग क्या है?"

श्री कृष्ण बोले-"हे पुत्र! परोपकार व निर्बल का सहारा बनकर सदैव धर्म का साथ देते रहना ही जीवन का सर्वोत्तम उपयोग है । इसके लिए तुम्हें बल और शक्तियां अर्जित करनी पड़ेंगी। अतः तुम महिसागर क्षेत्र में नवदुर्गा की आराधना कर शक्तियां अर्जित करो।" बर्बरीक ने तीन वर्ष तक कठोर तपस्या कर माँ दुर्गा को प्रसन्न किया। देवी ने बर्बरीक को तीन बाण और कई शक्तियां प्रदान करीं जिनसे तीनों लोकों को जीता जा सकता था।

जब बर्बरीक की महाभारत का युद्ध देखने की इच्छा हुई। तब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे, तब माँ को हारे हुए पक्ष का साथ देने का वचन देकर युद्ध भूमि की तरफ प्रस्थान कर गए। सर्वव्यापी भगवान श्रीकृष्ण युद्ध का अंत जानते थे,इसलिए उन्होंने सोचा कि अगर कौरवों को हारता देख बर्बरीक कौरवों का साथ देने लगा तो पांडवों की हार निश्चित है। इसलिए लीलाधर ने ब्राह्मण का वेष धारण कर चालाकी से बालक बर्बरीक का शीश दान में मांग लिया। बर्बरीक को आश्चर्य हुआ कि कोई ब्राह्मण उनका शीश क्यों मांगेगा ,ऐसा सोचकर उन्होंने ब्राह्मण से उनके वास्तविक रूप में दर्शन की इच्छा व्यक्त की। श्रीकृष्ण ने उन्हें अपने विराट रूप के दर्शन कराए। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वे अंत तक युद्ध देखना चाहते हैं।

श्रीकृष्ण ने बर्बरीक की यह बात स्वीकार कर ली और उनका सिर सुदर्शन चक्र से अलग कर दिया। शीश काटने के बाद माँ चंडिका देवी ने वीर बर्बरीक के शीश को अमृत से सींचकर देवत्व प्रदान किया। तब इस नवीन जाग्रत शीश से श्रीकृष्ण बोले -"हे वत्स! जब तक पृथ्वी, नक्षत्र और सूर्य-चन्द्रमा हैं, तब तक तुम सब लोगों के लिए पूज्यनीय हो जाओगे। इस तरह उनका शीश युद्ध भूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर सुशोभित किया गया ,जहाँ से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायज़ा ले सकते थे। श्री कृष्ण ने युद्ध की समाप्ति के बाद बर्बरीक के शीश को पुनः प्रणाम करते हुए कहा -"हे वीर बर्बरीक! आप कलयुग में मेरे नाम से सर्वत्र पूजित होकर अपने भक्तों के अभीष्ट कार्यों को पूर्ण करोगे।" ऐसा कहने पर समस्त नभमंडल उल्लसित हो उठा एवं श्याम बाबा के देवस्वरूप शीश पर पुष्प वर्षा होने लगी।

होली पर रंगों का महत्व, किस रंग से किसको होली खेलना होगा शुभ

हरा रंग, समृद्धि, उत्कर्ष, प्रेम, दया, प्रगति, प्रकृति, सुकून, हीलिंग, प्रचुरता, तरक्की और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। हरे रंग के प्रयोग से बुध की कृपा बनी रहती है। व्यक्ति की अनेक गहरी अनुभूतियां रंगों से जुडी हुई हैं और उन्हीं से प्रभावित-संचालित होती हैं। व्यक्ति के जन्म से लेकर अंतिम क्षण तक नेत्र रंगों से सम्बद्ध रहते हैं। सूर्यदेव की किरणों में विद्धमान रंग इंद्रधनुष के माध्यम से व्यक्त होता है। नीला आकाश, लाल सूर्य, हरे पत्ते और विविध रंग के पुष्प-फल इस जगत की रंगमयता और महत्व को दर्शाते हैं। हजारों शब्दों से भी न व्यक्त होने वाले विचार रंगों से सहज सम्प्रेषित हो जाते हैं।

लाल रंग का महत्व

ज्योतिषीय आधार पर लाल रंग को देखें तो इस रंग से भूमि, भवन, साहस और पराक्रम के स्वामी मंगल ग्रह भी प्रसन्न रहते हैं। लाल रंग ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है। लाल रंग से होली खेलने से माना जाता है कि स्वास्थ्य और यश में वृद्धि होती है। भूमि से जुड़े कार्य करने वालों को विशेष रूप से लाल रंग से होली खेलनी चाहिए।

पीला रंग

यह रंग सौंदर्य और आध्यात्मिक तेज को तो निखरता ही है, साथ ही पीले वस्त्र धारण करने से देव गुरु बृहस्पति भी प्रसन्न होकर अपनी कृपा बरसाते हैं। सोना, चांदी का व्यापार करने वालों को पीले रंग से होली खेलना शुभ माना जाता है।

नारंगी रंग

नारंगी रंग ज्ञान, ऊर्जा, शक्ति, प्रेम और आनंद का प्रतीक है। यह रंग लाल और पीले से मिलकर प्रकट होता है। जीवन में इसके प्रयोग से मंगल और बृहस्पति दोनों ग्रहों की कृपा तो बनी ही रहती है, साथ ही सूर्यदेव की भी असीम कृपा बरसती है। होली खेलने में वे लोग इस रंग का इस्तेमाल कर सकते हैं जो ज़िंदगी से निराश हैं और जो डिप्रेशन का शिकार हैं।

नीला रंग

नीला रंग विष को पीकर गले में रोक लेने की क्षमता रखने वाले भगवान शिव के गुण और भाव को प्रदर्शित करता है। यह रंग साफ़-सुथरा निष्पापी, पारदर्शी, करुणामय, उच्च विचार होने का सूचक है। वास्तु में यह रंग आसमान और पानी का प्रतिनिधित्व करता है और ये रंग जल्दी ठीक होने और दर्द को कम करने में मदद करता है।

हरा रंग

हरा रंग, समृद्धि, उत्कर्ष, प्रेम, दया, प्रगति, प्रकृति, सुकून, हीलिंग, प्रचुरता, तरक़्क़ी एवं सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। हरे रंग के प्रयोग से बुध की कृपा बनी रहती है। जिन कपल्स के रिश्ते में मनमुटाव चल रहा हो वो इस रंग का इस्तेमाल कर सकते हैं। व्यापारी, शिक्षक, वकील, विद्यार्थी, लेखक को हरे रंग से होली का त्योहार मनाना चाहिए।

बैंगनी रंग

पर्पल या बैंगनी रंग विलासिता, रईसी, आत्मसम्मान और संतुलन का प्रतीक है और यह रंग पवित्रता और मासूमियत को दर्शाता है। ये रंग उन लोगों खासतौर से उन पुरुषों के द्वारा इस्तेमाल किया जा सकता है जो हीनभावना से ग्रसित हों।

प्यार का गुलाबी

गुलाबी रंग प्यार और रोमांस का प्रतीक है। जीवन में प्यार और रोमांस चाहने वालों को इस रंग से होली खेलनी चाहिए।

जीवन में ऊंचाइयों को छूने के लिए याद रखें स्वामी श्रद्धानंद की ये सीख

सदानंद स्वामी श्रद्धानंद के शिष्य थे। उन्होंने काफी मेहनत से ज्ञान प्राप्त किया था लेकिन उन्हें अपने ज्ञान पर अहंकार हो गया। यह उनके व्यवहार में भी दिखाई देने लगा। वह हर किसी को नीचा दिखाने की कोशिश करते। यहां तक कि वह अपने साथ शिक्षा ग्रहण कर रहे अपने मित्रों से भी दूरी बनाकर रहने लगे। यह बात स्वामी श्रद्धानंद जी तक भी पहुंची। एक दिन स्वामी श्रद्धानंद सामने से गुजरे तो सदानंद ने उन्हें भी अनदेखा कर दिया और उनका अभिवादन तक नहीं किया। स्वामी श्रद्धानंद जी समझ गए कि इन्हें अहंकार ने पूरी तरह जकड़ लिया है और इनका अहंकार तोड़ना आवश्यक हो गया है। उन्होंने उसी समय सदानंद को टोकते हुए उन्हें अगले दिन अपने साथ घूमने जाने के लिए तैयार कर लिया। अगली सुबह स्वामी श्रद्धानंद जी उन्हें वन में एक झरने के पास ले गए और पूछा, "जरा बताओ तुम सामने क्या देख रहे हो ?" सदानंद ने कहा, "गुरु जी पानी ऊपर से नीचे बह रहा है और गिरकर फिर दोगुने वेग से ऊंचा उठ रहा है। स्वामी जी ने कहा, "मैं तुम्हें यहां एक विशेष उद्देश्य से लाया था। जीवन में अगर ऊंचा उठकर आसमान छूना चाहते हो तो थोड़ा इस पानी की तरह झुकना होगा।" उन्होंने कहा कि यहां झुकने से आश्य अपने व्यवहार में अहंकार को त्याग कर विनम्रता लाना है। यह सुनते ही सदानंद को अपनी गलती का अहसास हो गया।

संगीत का ही मूल शास्त्र है सामवेद

मगर तैंतीस प्रतिशत बड़ी संख्या है। एक तिहाई! हर तीन आदमी में एक आदमी प्रज्वलित रोशनी बन सकता है। बाकी दो भी बन सकते हैं, उन्हें थोड़ी कठिनाई होगी। मगर वह एक भी नहीं बन रहा है जो कि सरलता से बन सकता है। और भी उस सर्वे से जो बातें पता चली हैं उनमें विचारणीय बातें हैं। एक बात जो पता चली वह यह कि सर्वाधिक ऐसे विशिष्ट अनुभव संगीत के माध्यम से हुए थे– पचास प्रतिशत। जिन लोगों को भी परमात्मा की थोड़ी सी आभा, आभास मिला, उनमें से पचास प्रतिशत लोगों को संगीत से मिला। इसलिए संगीत को मैं ध्यान की बड़ी निकट अवस्था मानता हूं। संगीत खोज ही ध्यानियों की है। जिन्होंने पहले अंतर्नाद सुना है, जिन्होंने पहले भीतर का ओंकार सुना है, उन्होंने ही फिर धीरे-धीरे वाद्यों पर उस ओंकार को बजाने की बाहर व्यवस्था की है। संगीत का जन्म ऋषियों और द्रष्टाओं से हुआ है। हमारा तो एक वेद, सामवेद, संगीत का स्रोत है। संगीत का ही मूल शास्त्र है।

पचास प्रतिशत लोगों को जीवन में जो अनूठे अनुभव होते हैं, वे संगीत से होते हैं। तब तो निश्चित ही संगीत का खूब उपयोग किया जाना चाहिए। क्योंकि बाहर का संगीत तुम्हारे भीतर के तारों को कंपित कर सकता है। इसलिए इस आश्रम में तुम्हें संगीत दिखाई पड़ेगा।नंबर दो पर जिन लोगों के अनुभव हैं, वे नृत्य से हुए हैं। या तो स्वयं नृत्य करते हुए या किसी को नृत्य करते देख कर। एक लयबद्धता है नृत्य की। अगर स्वयं तुम नृत्य कर रहे हो, तब तो बड़े गहरे अनुभव हो सकते हैं। क्योंकि नृत्य की एक ऐसी घड़ी आती है, ऐसा उतार-चढ़ाव होते-होते-होते एक ऐसी घड़ी आती है, जहां तुम्हारा शरीर, तुम्हारा मन, तुम्हारी आत्मा, तीनों एक रेखा में आबद्ध हो जाते हैं। और जिस घड़ी तुम्हारी आत्मा, तुम्हारा मन, तुम्हारा शरीर एक रेखा में जाते हैं, एक संतुलन में, उसी क्षण परमात्मा की झलक मिल जाती है। लेकिन कभी-कभी दूसरे को भी नृत्य करते देख कर यह हो सकता है। गुरजिएफ ने इस तरह के बहुत से नृत्य विकसित किए थे, जिनको सिर्फ देखने से लोग ध्यान को उपलब्ध हो जाते। सिर्फ देखते-देखते! क्योंकि जब तुम किसी को नृत्य करते देखते हो, तो उसकी भाव-भंगिमाएं, उसकी मुद्राएं, उसकी लयबद्धता तुम्हारी आंख को आंदोलित करती है। और तुम्हारी आंख आंदोलित होने लगे तो तुम्हारा अस्सी प्रतिशत प्राण आंदोलित हो उठता है। तुम्हारी आंख तुम्हारी अस्सी प्रतिशत जीवन-ऊर्जा है। और आंख के माध्यम से तुम्हारा हृदय धीरे-धीरे आंदोलित होने लगता है। तुम्हें देखा नहीं, कोई नाचता हो तो तुम्हारे पैर तड़फड़ाने लगते हैं। **(क्रमशः)**

संपूर्ण ऋषियों से आशीर्वाद पाकर रामजी चित्रकूट आए

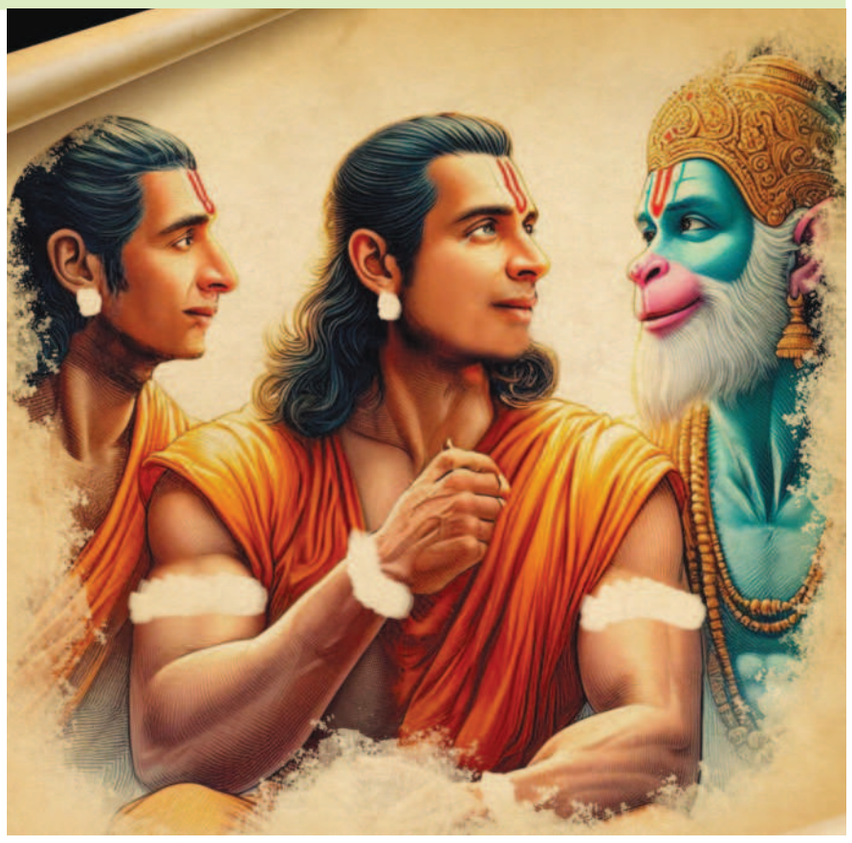

श्री रघुनाथजी ने उनका अतिशय प्रेम देखकर सबको विमान पर चढ़ा लिया। तदनन्तर मन ही मन विप्रचरणों में सिर नवाकर उत्तर दिशा की ओर विमान चलाया। विमान के चलते समय बड़ा शोर हो रहा है। सब कोई श्री रघुवीर की जय कह रहे हैं। विमान में एक अत्यंत ऊंचा मनोहर सिंहासन है। उस पर सीताजी सहित प्रभु श्री रामचंद्रजी विराजमान हो गए। पत्नी सहित श्री रामजी ऐसे सुशोभित हो रहे हैं मानो सुमेरु के शिखर पर बिजली सहित श्याम मेघ हो। सुंदर विमान बड़ी शीघ्रता से चला। देवता हर्षित हुए और उन्होंने फूलों की वर्षा की। अत्यंत सुख देने वाली तीन प्रकार की (शीतल, मंद, सुगंधित) वायु चलने लगी। समुद्र, तालाब और नदियों का जल निर्मल हो गया। चारों ओर सुंदर शकुन होने लगे। सबके मन प्रसन्न हैं, आकाश और दिशाएं निर्मल हैं। श्री रघुवीरजी ने कहा- हे सीते! रणभूमि देखो। लक्ष्मण ने यहां इंद्र को जीतने वाले मेघनाद को मारा था। हनुमान और अंगद के मारे हुए ये भारी-भारी निशाचर रणभूमि में पड़े हैं।

देवताओं और मुनियों को दुःख देने वाले कुंभकर्ण और रावण दोनों भाई यहां मारे गए। मैंने यहां पुल बांधा (बंधवाया) और सुखधाम श्री शिवजी की स्थापना की। तदनन्तर कृपानिधान श्री रामजी ने सीताजी सहित श्री रामेश्वर महादेव को प्रणाम किया। वन में जहां-तहां करुणा सागर श्री रामचंद्रजी ने निवास और विश्राम किया था, वे सब स्थान प्रभु ने जानकीजी को दिखलाए और सबके नाम बतलाए। विमान शीघ्र ही वहां चला आया, जहां परम सुंदर दण्डकवन था और अगस्त्य आदि बहुत से मुनिराज रहते थे। श्री रामजी इन सबके स्थानों में गए। संपूर्ण ऋषियों से आशीर्वाद पाकर जगदीश्वर श्री रामजी चित्रकूट आए। वहां मुनियों को संतुष्ट किया। फिर विमान वहां से आगे तेजी के साथ चला। फिर श्री रामजी ने जानकीजी को कलियुग के पापों का हरण करने वाली सुहावनी यमुनाजी के दर्शन कराए। फिर पवित्र गंगाजी के दर्शन किए। श्री रामजी ने कहा- हे सीते! इन्हें प्रणाम करो। फिर तीर्थराज प्रयाग को देखो, जिसके दर्शन से ही करोड़ों जन्मों के पाप भाग जाते हैं। फिर परम पवित्र त्रिवेणीजी के दर्शन करो, जो शोकों को हरने वाली और श्री हरि के परम धाम पहुंचने के लिए सीढ़ी के समान है। फिर अत्यंत पवित्र अयोध्यापुरी के दर्शन करो, जो तीनों प्रकार के तापों और भव (आवागमन रूपी) रोग का नाश करने वाली है। **(जारी)**

मृत्यु पर चिंतन हमें जीने के बारे में सिखाता है ये बात

एक व्यक्ति चाहकर भी अपने दुर्गुणों पर काबू नहीं कर पा रहा था। एक बार उसके गांव में संत फरीद आए। उसने उनसे अपनी परेशानी बताई।

फरीद ने कहा, "दृढ़ संकल्प से ही दुर्गुण छूटते हैं। यदि तुम इच्छाशक्ति मजबूत कर लोगे तो तुम्हें अपने दोषों से मुक्ति मिल जाएगी।" वह व्यक्ति प्रयास करके थक गया मगर उसे सफलता नहीं मिली। वह फिर फरीद के पास गया।

फरीद ने पहले उसके माथे की रेखाएं देखने का नाटक किया, फिर बोले, "अरे तुम्हारी जिंदगी के 40 दिन ही शेष हैं। अगर इन बचे दिनों में तुमने दुर्गुण त्याग दिए तो तुम्हें सद्गति मिल जाएगी।" यह सुनकर वह आदमी परेशान हो गया।

वह किसी तरह घर पहुंचा और व्यसनों की बात तो दूर, खाना-पीना तक भूल गया। वह हर पल ईश्वर को याद करता रहा। उसने एक भी गलत कार्य नहीं किया।

चालीस दिन बीतने पर वह फरीद के पास पहुंचा।

संत ने पूछा, "इतने दिनों में तुमने कितने गलत कार्य किए ?"

उस व्यक्ति ने जवाब दिया, "मैं क्या करता। मैं तो हर पल ईश्वर को याद करता रहा।"

संत फरीद मुस्कुराते हुए बोले, "जाओ अब तुम पूरी तरह सुरक्षित हो। तुम अच्छे इंसान बन गए हो। जो व्यक्ति हर समय मृत्यु को ध्यान रखकर जीवनयापन करता है वह भला इंसान बन जाता है।"

> संतुष्ट व्यक्ति अपनी चीजों से ही प्रसन्न रहता है, जबकि असंतुष्ट व्यक्ति दूसरों की चीजें देखकर अपनी चीजों को नजरअंदाज करता है और हमेशा दुखी रहता है।

शिल्पा शेट्टी के बोल्ड लुक ने उड़ाया गर्दा

फेमिना मामाअर्थ ब्यूटीफुल इंडियंस 2024 के इवेंट से शिल्पा शेट्टी की फोटोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। शिल्पा शेट्टी का नया बोल्ड लुक लोगों को काफी पसंद आ रहा है। शिल्पा शेट्टी अपनी नई फोटोज में ऑरी संग दिखाई दे रही हैं। शिल्पा शेट्टी की नई तस्वीरें आते ही सोशल मीडिया पर छाई गईं। तो चलिए एक नजर डालते हैं शिल्पा शेट्टी की लेटेस्ट फोटोज पर।

शिल्पा शेट्टी अपनी नई तस्वीरों में डीपनेक ड्रेस पहने दिखाई दे रही हैं। शिल्पा शेट्टी की डीपनेक ड्रेस आते ही सोशल मीडिया पर छा गई। शिल्पा शेट्टी इस तस्वीर में अपने गले में नेकलेस पहने दिखाई दे रही हैं। शिल्पा शेट्टी का नेकलेस लोगों का काफी पसंद आया।

शिल्पा शेट्टी इस इवेंट के दौरान ऑरी संग नजर आईं। शिल्पा शेट्टी और ऑरी की ये तस्वीर आते ही सोशल मीडिया पर छा गईं। शिल्पा शेट्टी की रेड कलर की डीपनेक ड्रेस लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रही है। शिल्पा शेट्टी की डीपनेक ड्रेस को देखने के बाद लोग देखते रह गए। शिल्पा शेट्टी इस तस्वीर में ऑरी संग काफी खुश दिखाई दे रही हैं। शिल्पा शेट्टी की स्माइल फैंस का दिल लूट रही है। शिल्पा शेट्टी इस वायरल हो रही तस्वीर में अपने बालों को खोले हुए नजर आ रही हैं। शिल्पा शेट्टी का ये हेयरटाइल खूब चर्चा में है। शिल्पा शेट्टी इस तस्वीर में ऑरी संग फोटोज के लिए पोज देती हुई नजर आ रही हैं। इस दौरान शिल्पा शेट्टी काफी हैरान दिखाई दीं। शिल्पा शेट्टी ने अपनी नई फोटोज में बोल्डनेस की सारी हदें पार कर दीं। शिल्पा शेट्टी की रिवीलिंग ड्रेस को लेकर यूजर्स खूब कमेंट करते हुए नजर आए। शिल्पा शेट्टी की इन तस्वीरों पर कमेंट करते हुए यूजर्स एक्ट्रेस की तुलना उर्फी जावेद से करते हुए नजर आ रहे हैं। लोगों ने लिखा ये तो उर्फी जावेद से भी ज्यादा आगे निकल गईं।

बोल्डनेस में उर्फी जावेद को दी टक्कर

'अगर मैं नशा नहीं करता तो' पहली शादी टूटने पर छलका जावेद अख्तर का दर्द? बोले- कहानी शायद अलग होती

स्क्रीनराइटर और लिरिसिस्ट जावेद अख्तर अक्सर बेबाक बयान देते रहते हैं। वह अपने काम के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। जावेद अख्तर की शादी हिंदी सिनेमा की महान अदाकारा शबाना आजमी के साथ हुई है। लेकिन शबाना उनकी दूसरी पत्नी हैं, जावेद की पहली पत्नी का नाम हनी ईरानी है। दोनों ने 1972 में एक दूसरे के साथ शादी की थी और 1984 में उनका तलाक हो गया था। जिसके बाद गीतकार ने शबाना आजमी से शादी कर ली थी।

करीब 40 साल बाद जावेद अख्तर ने अपनी पहली पत्नी के बारे में खुलकर बात की है। एक इंटरव्यू में जावेद अख्तर ने पहली शादी टूटने का असली कारण बताया। अख्तर ने बताया कि उन्हें शराब की बुरी लत थी, जिसके कारण उनकी और हनी ईरानी का रिश्ता खराब हुआ। जावेद अख्तर ने कहा,"मुझे यकीन है कि अगर मैं नशा नहीं करता और अगर मैं ज्यादा जिम्मेदार होता तो कहानी शायद अलग होती।"

अख्तर ने बताया भले ही उनका और हनी का सालों पहले तलाक हो गया था, लेकिन वह आज भी अच्छे दोस्त हैं। यूट्यूब चैनल मोजो स्टोरी को दिए इंटरव्यू में जावेद अख्तर ने इस बारे में बताया।

उनका कहना है कि उनकी पहली पत्नी हनी ईरानी एक बहुत अच्छी इंसान हैं और आज भी वह उनकी इज्जत करते हैं। इतना ही नहीं गीतकार ने अपनी पहली पत्नी को अपना बेस्टफ्रेंड बताया।

शराब की आदत से शबाना आजमी ने कैसे किया डील?

जब जावेद अख्तर से पूछा गया कि शबाना आजमी ने उनकी शराब पीने की आदत से कैसे डील किया? इसके जवाब में जावेद ने बताया कि शुरुआत के 10 सालों तक उन्होंने मैनेज किया, लेकिन फिर उन्होंने शराब पीने वाले शख्स से शादी कर ली। कुछ समय बाद जावेद अख्तर ने शराब को छोड़ने का फैसला लिया और कभी दोबारा नशे को हाथ नहीं लगाया।

कानूनी पचड़े में फंसी 'ड्रामा क्वीन' राखी सावंत समीर वानखेड़े ने दायर किया मानहानि का मुकदमा

पूर्व नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) अधिकारी समीर वानखेड़े ने हाल ही में, बिग बॉस 14 की प्रतियोगी राखी सावंत और उनके वकील अली काशिफ खान के खिलाफ 11 लाख रुपये का दावा करते हुए मानहानि का मुकदमा दायर किया है। मामला भारत के मुंबई में डिंडोशी सिटी सिविल कोर्ट, मलाड के समक्ष दायर किया गया है।

अली काशिफ खान ने रखा अपना पक्ष

अपनी याचिका में, समीर ने बताया है कि राखी और अली ने उनकी छवि खराब करने और उन्हें बदनाम करने की कोशिश की। इसके जवाब में अली काशिफ खान ने कहा, ₹कानून बताता है कि जब जनता की भलाई के लिए किसी पब्लिक सर्वेंट को लेकर सच बोला जाता है तो कोई मानहानि नहीं होती है। यह मानहानि नहीं है किसी के बारे में कुछ कहना या अपनी राय रखना किसी भी प्रकार की मानहानि नहीं होती है।

समीर वानखेड़े की छवि की थी धूमिल

खबरों की मानें तो समीर वानखेडे ने अपने मुकदमे में साल 2023 में एक इंटरव्यू का हवाला देते हुए मुकदमा दायर किया है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि काशिफ अली खान ऐसे बयान दिए जो जानबूझकर झूठ बोलने वाले और 'मनगढ़ंत, आधारहीन' थे। यही नहीं, उन्होंने यह भी बताया है कि अली काशिफ खान जानबूझकर मीडिया में ऐसे बयान देते हैं और सेलेब्स की छवि को धूमिल करते हैं। उन्होंने 11 लाख रुपये का हर्जाना और मुआवजा मांगा है।

राखी सावंत की भी बढ़ी मुश्किलें

समीर वानखेड़े ने आगे यह भी कहा कि अली काशिफ खान ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर भी इसी तरह के कंटेंट पोस्ट किए थे, उनके इस कंटेंट को बाद में राखी सावंत ने शेयर किया था।

इन सब वजहों से उनकी प्रतिष्ठा को और नुकसान हुआ है। बता दें कि अली काशिफ खान मॉडल मुनमुन धमेचा के वकील हैं, जिन्हें वानखेड़े के नेतृत्व वाली एक टीम ने 2021 में क्रूज ड्रग छापे मामले में गिरफ्तार किया था।

हार्ट-अटैक 'वेलकम टू द जंगल' के सेट पर लौटना आसान नहीं था : श्रेयस तलपड़े

अभिनेता श्रेयस तलपड़े इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वे अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और रवीना टंडन जैसे कलाकारों के साथ नजर आने वाले हैं। अभिनेता के लिए इस फिल्म में काम करना एक अलग अनुभव है क्योंकि उन्हें इस फिल्म के सेट पर दिल का दौरा पड़ा था। पिछले दिनों श्रेयस ने एक इंटरव्यू में इस फिल्म और अपने हेल्थ से जुड़े कई खुलासे किए।

'वेलकम टू द जंगल' के सेट पर श्रेयस को दिल का दौरा पड़ा था। अपनी बीमारी से उबरने के ढ़ाई महीने बाद वे फिल्म की सेट पर लौटे। श्रेयस इस विषय में बात करते हुए कहते हैं, 'मैं आपको बता नहीं सकता हूं कि मैं काम पर लौटने से पहले कितना नर्वस था। मुझे लग रहा था कि कहीं कुछ फिर से गड़बड़ न हो जाए।'

श्रेयस तलपड़े अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, 'मैं लगातार अपने हार्ट-रेट को नोटिस कर रहा था। मुझे काफी घबराहट हो रही थी। मुझे डॉक्टर ने सलाह दी थी कि मैं बिल्कुल स्ट्रेस न लूं। साथ ही साथ उन्होंने यह भी हिदायत दिया था कि मैं एक्शन नहीं करूं और न ही कुछ भी हैवी उठाऊं।'

श्रेयस तलपड़े इन दिनों डॉक्टर की सलाह पर ही काम कर रहे हैं। हाल ही में अभिनेता ने खुलासा किया था कि उनके परिवार में दिल की बीमारियों का इतिहास रहा है। श्रेयस अपने चाचा और पिता को हार्ट-अटैक की वजह से ही खो चुके हैं।

अहमद खान के निर्देशन में बन रही फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में श्रेयस तलपड़े के अलावा अक्षय कुमार, रवीना टंडन, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, संजय दत्त, तुषार कपूर और राजपाल यादव नजर आने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह फिल्म इस साल क्रिसमस पर रिलीज होने वाली है।

पैर छूने पर नाराज हो गए थे सलमान

नमाशी चक्रवर्ती से बोले- दिशा पाटनी के सामने दोबारा ऐसा किया तो सेट से बाहर फिकवा दूंगा

मिथुन चक्रवर्ती के बेटे एक्टर नमाशी चक्रवर्ती ने एक इंटरव्यू में सलमान खान से जुड़ा मजेदार किस्सा शेयर किया। एक्टर ने बताया कि जब वो फिल्म 'राधे' के सेट पर सलमान से मिले तो उन्होंने सलमान के पैर छू लिए। उनके ऐसा करने पर सलमान ने उन्हें मजाकियां अंदाज में खूब बातें सुनाईं।

गले लगाकर बोले सलमान- ये सब बेवकूफी मेरे साथ मत करो

लहरें रेट्रो को दिए एक इंटरव्यू में नमाशी ने कहा, 'सलमान भाई मेहबूब स्टूडियो में 'राधे' की शूटिंग कर रहे थे। मैं वहीं पास में फिल्म 'बैड बॉय' की शूटिंग कर रहा था। मैं उनसे मिलने पहुंच गया। वहां पहुंचकर मैंने उनके पैर छुए। ऐसा करने पर उन्होंने मुझे जोर से डांट दिया।

उसके बाद मुझे गले लगाते हुए बोले- मैं तुम्हारे जितना ही यंग हूं। यह सब बेवकूफी मेरे साथ मत किया करो। अगर तुमने यह सब दोबारा किया और खास तौर पर तब जब दिशा पाटनी यहां बैठी हुई है.. तो मैं तुम्हें सेट से बाहर फिकवा दूंगा। तो भाई लोगों रूल नंबर 1 यही है कि कभी सलमान भाई के पैर मत छूना।'

'गोविंदा अपने हाथों से चाय बनाकर पिलाते हैं'

इंटरव्यू में नमाशी ने गोविंदा से जुड़ा भी एक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि वो जब भी गोविंदा के घर जाते हैं तब एक्टर खुद उनके लिए चाय बनाते हैं।

नम्रता मल्ला की नई तस्वीर ने बढ़ाया सोशल मीडिया का पारा, बोल्डनेस में सनी लियोनी को भी किया फेल

भोजपुरी की फेमस एक्ट्रेस नम्रता मल्ला सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहती हैं। नम्रता मल्ला ने अभी हाल ही में अपनी नई फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में नम्रता मल्ला बिकिनी टॉप में नजर आईं। नम्रता मल्ला की फोटोज आते ही सोशल मीडिया पर छा गई हैं। नम्रता मल्ला के नए लुक ने लोगों को उनका दीवाना बना दिया है। तो चलिए देखते हैं नम्रता मल्ला की नई फोटोज, जो खूब वायरल हो रही हैं।

नम्रता मल्ला इस तस्वीर में बिकिनी टॉप पहने नजर आ रही हैं। नम्रता मल्ला का नया लुक आते ही सोशल मीडिया पर छा गया। इस तस्वीर में इयररिंग्स पहने दिखाई दे रही हैं। नम्रता मल्ला की इयररिंग्स लोगों को काफी पसंद आ रही है। अपनी आंखों में काजल लगाए हुए नजर आ रही हैं। नम्रता मल्ला की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। डीपनेक ड्रेस लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रही है। नम्रता मल्ला की डीपनेक ड्रेस वाली ये तस्वीर सोशल मीडिया पर गर्दा उड़ा रही है। वायरल हो रही तस्वीर में अपने टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। नम्रता मल्ला के टोन्ड लेग्स को देखने के बाद लोग उन्हें देखते रह गए। नम्रता मल्ला फोटोज के लिए किलर पोज देती हुई नजर आईं। नम्रता मल्ला की इस तस्वीर पर यूजर्स खूब कमेंट करते नजर आए।

नम्रता मल्ला इस तस्वीर में अपने कर्वी फिगर को फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। नम्रता मल्ला के फिगर पर लोग लट्टू हो गए। नम्रता मल्ला इस तस्वीर में अपनी कातिलाना अदाएं दिखाती हुई नजर आ रही हैं। नम्रता मल्ला की अदाएं लोगों को उनका दीवाना बना रहा है। नम्रता मल्ला की इन तस्वीरों पर कमेंट करते हुए यूजर्स ने एक्ट्रेस की तुलना सनी लियोनी से की। नम्रता मल्ला की इन तस्वीरों को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

रणवीर सिंह पिता बनने के बाद लेने जा रहे लंबा ब्रेक?

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने शादी के छह साल बाद अपने फैंस को खुशखबरी सुनाई। फरवरी के महीने में जोड़े ने एलान किया कि वह जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। इस खबर के सामने आते ही जोड़े के लिए बधाइयों का तांता लग गया। वहीं, इस पावर कपल से जुड़ा हर एक अपडेट जबरदस्त सुर्खियों में है। इसी बीच रणवीर सिंह के आगामी शेड्यूल पर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स की मानें तो सुपरस्टार, पिता बनने के बाद लंबे ब्रेक पर जाने की योजना बना रहे हैं।

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह इस साल के अंत तक अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। कथित तौर पर अभिनेता पिता बनने के बाद अपने नवजात बच्चे और पत्नी के साथ अनमोल पलों को संजोने के लिए ब्रेक लेने की योजना बना रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका ने अपने सभी वर्क कमिटमेंट्स पूरे कर लिए हैं और ब्रेक की योजना बना ली है। वहीं रणवीर सिंह ने 'डॉन 3', 'शक्तिमान' और आदित्य धर की एक्शन फिल्में शुरू करने से पहले कोई और प्रोजेक्ट न लेने की योजना बनाई है, जिससे कि वह पत्नी और बच्चे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिता सके।

2 मार्च 2024 को अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन के दूसरे दिन, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने मंत्रमुग्ध कर देने वाली परफॉर्मेंस दी। उन्होंने फिल्म 'दिल धड़कने दो' के गाने 'गल्लां गूडियां' पर डांस किया। 29 फरवरी, 2024 को दीपिका और रणवीर ने जल्द पैरेंट्स बनने की खबर से अपने फैंस को खुश कर दिया।

दीपिका-रणवीर ने एक साथ अपने व्यक्तिगत इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो पोस्ट साझा किया। तस्वीर में नीले और गुलाबी रंगों में छोटे जूते, टोपी, जूते और गुब्बारे दिखाए गए, जिससे फैंस के बीच जुड़वा बच्चों की संभावना के बारे में अटकलें तेज हो गईं। तस्वीर के साथ जोड़े का एक हार्दिक नोट था, जिसमें खुलासा किया गया था कि उनके पहले बच्चे के सितंबर 2024 में आने की उम्मीद है।

जानकारी हो कि दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह फिल्म 'राम लीला' के दौरान एक दूसरे के करीब आए थे। इसके बाद जोड़े ने 14 नवंबर 2018 को इटली में शादी रचाई थी। दीपिका-रणवीर ने इटली के लेक कोमो स्थित 700 साल पुराने विला डेल बालबियानेलो में कोंकणी और फिर सिंधी रीति-रिवाज से शादी की थी।

पंजाब में जहरीली शराब से संगरूर में चार लोगों की मौत

संगरूर, 20 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के संगरूर जिले से एक बड़ी घटना सामने आई है। जहरीली शराब के सेवन से चार लोगों की मौत हो गई। संगरूर जिले के दिरबा पुलिस थाना के अंर्तगत गुज्जरां गांव की पूरी घटना बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है और आगे की कार्रवाई जार है। ऐसी ही घटना पिछले साल भी संगरूर जिले में हुई थी। सुनाम के गांव नमोल में नकली शराब पीने से तीन मजदूरों की मौत हो गई थी। साल 2023 के अप्रैल महीने में सुनाम के गांव नमोल में तीन मजदूरों ने नकली शराब यानी स्प्रिट पी थी। इसके बाद तीनों अपने-अपने घरों में जाकर सो गए।

सुबह जब परिजनों ने उन्हें उठाया तो वो नहीं उठे तक तब उनकी मौत हो गई थी। मजदूरी करने वाले गुरतेज सिंह, गुरमेल सिंह और चमकौर सिंह शराब पीने के आदी थे। तीनों रात के समय कही से शराब लेकर आए वो पीकर अपने-अपने घरों में सो गए। फिर तीनों की ही मौत हो गई। वहीं पंजाब के पड़ोसी राज्य हरियाणा में नवंबर 2023 में जहरीली शराब से 12 लोगों की मौत हुई थी।

यमुनानगर में 10 लोगों की मौत हुई थी। अंबाला में 2 लोगों की मौत हुई थी। अंबाला में जिन 2 लोगों की मौत हुई थी, वो उत्तर प्रदेश के प्रवासी मजदूर थे। दोनों अंबाला के एक गांव में किराए के मकान में रहते थे। जहरीली शराब मामले में 15 लोगों की गिरफ्तारी की गई थी। इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड अंकित उर्फ मोगली निकला। अंबाला पुलिस ने सभी आरोपियों और सप्लायर को गिरफ्तार किया था। आरोपी मोगली ने यू-ट्यूब पर शराब बनानी सीखी थी। अंबाला से 200 से ज्यादा पेटी शराब की बरामद की गई थी।

'तमिलनाडु के लोग कर्नाटक में बम लगाते हैं'

बीजेपी नेता के बयान पर बढ़ा बवाल, मांगी माफी

बेंगलुरु, 20 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री एवं बीजेपी नेता शोभा करंदलाजे ने कर्नाटक में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर मंगलवार को कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने विवादित बयान देते हुए आरोप लगाया कि 'तमिलनाडु के लोग' कर्नाटक में आकर बम लगाते हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय मंत्री की इस टिप्पणी की आलोचना की। बाद में बवाल बढ़ता देखकर करंदलाजे ने अपने बयान के लिए तमिलनाडु के लोगों से माफी मांग ली और कहा कि उनके कहने का मतलब इसके दूसरे पक्षों को उजागर करना था। उन्होंने कहा कि यदि उनकी बातों से किसी को तकलीफ पहुंची हो तो वह क्षमा प्रार्थी हैं।

'केरल से आने वाले लोग एसिड अटैक करते हैं'

बता दें कि बेंगलुरु में रविवार को 'अजान' के दौरान 'हनुमान चालीसा' बजाने पर एक व्यापारी को पीटने की घटना के खिलाफ बीजेपी द्वारा किये गये प्रदर्शन के दौरान शोभा ने कांग्रेस सरकार पर 'वोट बैंक की राजनीति' में शामिल होने और हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया। लोकसभा चुनावों में बेंगलुरु उत्तर से बीजेपी उम्मीदवार ने कहा, 'कर्नाटक में कानून-व्यवस्था बेहद खराब हो गई है। तमिलनाडु से आए लोग यहां बम लगाते हैं, दिल्ली से आए लोग 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाते हैं और केरल से आने वाले लोग एसिड अटैक करते हैं।' करंदलाजे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की 'वोट बैंक की राजनीति' की कीमत हिंदू चुका रहे हैं।

करंदलाजे के बयान पर स्टालिन का पलटवार

बाद में अपने बयान पर बवाल बढ़ता देख करंदलाजे ने कहा कि उनका इशारा बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट को लेकर था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय मंत्री करंदलाजे के इस बयान की निंदा की। स्टालिन ने 'एक्स' पर कहा, 'बीजेपी की केंद्रीय मंत्री शोभा के बेतुके बयान की कड़ी निंदा करता हूं। इस तरह के दावे करने के लिए या तो एनआईए का अधिकारी होना चाहिए या फिर रामेश्वरम कैफे विस्फोट से करीबी तौर पर जुड़ा होना चाहिए। स्पष्ट तौर पर उनके पास इस तरह के दावे करने का कोई अधिकार नहीं है। तमिल और कन्नड़ समुदाय के लोग समान रूप से बीजेपी की इस विभाजनकारी बयानबाजी को खारिज कर देंगे।'

रेवाड़ी फैक्ट्री विस्फोट मामले में मरने वाले श्रमिकों की संख्या हुई पांच

बॉयलर फटने से झुलस गए थे 40 कर्मचारी

रेवाड़ी, 20 मार्च (एजेंसियां)। धारूहेड़ा के लाइफ लांग फैक्ट्री में शनिवार को प्रेशर पाइप फटने से हुए हादसे में झुलसे श्रमिकों में से तीन ने मंगलवार देर रात दम तोड़ दिया। इसके बाद मरने वालों की संख्या चार हो गई। एक श्रमिक ने मंगलवार सुबह दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में दम तोड़ दिया था। तीन श्रमिकों ने रोहतक के पीजीआइ में दम तोड़ा है। दिल्ली के सफदर जंग अस्पताल में भर्ती छह अन्य श्रमिकों की हालत नाजुक बताई जा रही है। लाइफ लांग फैक्ट्री में ऑटो पार्टस बनाए जाते हैं। 16 मार्च की शाम करीब सात बजे बायलर के पास लगा प्रेशर पाइप और डस्ट कलेक्टर में विस्फोट होने के बाद केमिकल की चपेट में आने से 40 श्रमिक झुलस गए थे। तीस श्रमिकों की गंभीर हालत होने के चलते रोहतक स्थित पीजीआइ में भर्ती कराया गया था। पीजीआइ से आठ श्रमिकों को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराए गए थे। यहां पर भर्ती उत्तर प्रदेश के बहराइच के गांव भाकरी के रहने विजय की मौत हो चुकी हैं। मंगलवार देर रात रोहतक पीजीआइ में भर्ती चार श्रमिकों की मौत हो गई जिसके बाद मरने वालों की संख्या पांच हो गई। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिला के के गांव उसानिधा के रहने वाले अजय (32) जिला गोरखपुर के गांव सेवल के रामू (28),जिला फैजाबाद के गांव जखोली के रहने वाले राजेश (38) ने दम तोड दिया है। एक अन्य श्रमिक कुन्नी की मौत बुधवार सुबह हुई उसके पते की अभी पुष्टि नहीं हुई है। उल्लेखनीय है कि बॉयलर ब्लास्ट के मामले में पुलिस ने रविवार को केस दर्ज किया था।

कौन होगा बीएमसी का नया चीफ? शिंदे सरकार ने ये तीन नाम चुनाव आयोग को भेजे

मुंबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को भेजी गई अपनी रिपोर्ट में बृहन्मुंबई महानगरपालिका के निगम आयुक्त पद के लिए तीन आईएएस अधिकारियों - भूषण गगरानी, अनिल दिग्गिकर और संजय मुखर्जी के नाम सुझाए हैं। सरकार का यह कदम चुनाव आयोग द्वारा राज्य के मुख्य सचिव को बीएमसी आयुक्त इकबाल सिंह चहल के तबादले का निर्देश देने के बाद आया है। चहल 8 मई, 2020 से इस पद पर हैं। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार से बीएमसी और अन्य नागरिक निकायों के उन अतिरिक्त आयुक्तों और उपायुक्तों के तबदाले के लिए भी कहा था, जिन्होंने तीन साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है या इस साल जून तक पूरा कर लेंगे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, सरकार ने ईसीआई के निर्देश का पालन किया है और तीन आईएएस अधिकारियों - भूषण गगरानी, अनिल दिग्गीकर और संजय मुखर्जी का एक पैनल भेजा है। ईसीआई के फैसले के बाद ही उनमें से एक को बीएमसी आयुक्त नियुक्त किया जाएगा। 1990 बैच के गगरानी मुख्यमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं, उसी बैच के दिग्गीकर बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक आपूर्ति और परिवहन के महाप्रबंधक हैं, जबकि 1996 बैच के मुखर्जी मुंबई महानगर प्राधिकरण के आयुक्त हैं । अधिकारी ने बताया कि ईसीआई का जवाब आने तक चहल बीएमसी कमिश्नर बने रहेंगे। इस बीच, ईसीआई के आदेश के मद्देनजर शहरी विकास विभाग ने मंगलवार को विभिन्न नागरिक निकायों के 34 उपायुक्तों का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया। ईसीआई ने 18 मार्च को जारी अपने निर्देश में राज्य सरकार से अपने पिछले आदेशों के बावजूद ऐसा नहीं करने पर गंभीर नाराजगी जताते हुए चहल का तबादला करने के लिए कहा था। ईसी सचिव एस।के। दास ने 18 मार्च को राज्य के मुख्य सचिव नितिन करीर को लिखे पत्र में, जिसकी एक प्रति आईएएनएस के पास है, उन्हें याद दिलाया कि राज्य सरकार ने 21 दिसंबर, 2023 के आदेश का पालन नहीं किया है और कहा है कि चुनाव से सीधे तौर पर जुड़ा कोई भी अधिकारी ऐसा नहीं करेगा।

हरिद्वार और नैनीताल को लेकर फंसी कांग्रेस, हाई पावर कमेटी के पाले में गेंद

देहरादून, 20 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों को लेकर कांग्रेस हरिद्वार और नैनीताल सीट पर फंस गई है। प्रत्याशियों के नामों पर अंदरखाने माथापच्ची चल रही है, लेकिन फैसला अटका हुआ है। मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में उत्तराखंड को शामिल नहीं किया गया। पांचों लोकसभा सीटों पर भाजपा नामांकन की तैयारी में जुट गई है, लेकिन कांग्रेस में हरिद्वार व नैनीताल सीट पर प्रत्याशियों का पेच फंसा हुआ है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में प्रदेश की हरिद्वार व नैनीताल सीट पर प्रत्याशी घोषित होने की संभावना जताई जा रही थी। इससे पहले प्रदेश प्रभारी शैलजा कुमारी ने भी प्रदेश के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक की। लेकिन अभी प्रत्याशियों पर फैसला अटका हुआ है। पार्टी नेताओं में आपसी खींचतान के कारण प्रत्याशियों के नाम पर सहमति नहीं बन रही है। सूत्रों के मुताबिक हरिद्वार सीट से पूर्व सीएम हरीश रावत अपने बेटे वीरेंद्र रावत के लिए टिकट मांग रहे हैं, जबकि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा इस बात पर अड़े हैं कि यहां से हरीश रावत खुद चुनाव लड़ें। वहीं, नैनीताल सीट से यशपाल आर्य, महेंद्र पाल, रणजीत रावत के नाम की चर्चा है।

प्रदेश की दो सीटों पर प्रत्याशियों को लेकर हाई पावर कमेटी की बैठक में प्रत्याशी तय किए जाएंगे। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक से उत्तराखंड को बाहर रखा गया है। पार्टी हाईकमान जिसे भी टिकट देगी, उसकी जीत के लिए कार्यकर्ता पूरी मेहनत से चुनाव में काम करेंगे।

बैंक मैनेजर को 'चोर' कहने के मामले में पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन को एचसी से राहत नहीं, चलता रहेगा मुकदमा

ग्वालियर, 20 मार्च (एजेंसियां)। जिला सहकारी बैंक के एक मैनेजर को सार्वजनिक रूप से 'चोर' कहने वाले मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन को हाईकोर्ट से झटका लगा है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने बीजेपी नेता और पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उनके खिलाफ ग्वालियर की एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट में मानहानि के परिवाद को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब उनके खिलाफ ग्वालियर की एमपी-एमएलए कोर्ट में मानहानि का लंबित मुकदमा जारी रहेगा। दरअसल, जिला सहकारी बैंक पन्ना के तत्कालीन अध्यक्ष संजय नगायच ने 15 मई 2014 को ग्वालियर की ट्रायल कोर्ट के समक्ष बिसेन समेत पांच अन्य के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि बिसेन ने एक आमसभा में उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए उन्हें 'चोर' कहकर संबोधित किया था। इससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल हुई। मानहानि का मामला अभी एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट ग्वालियर में लंबित है। पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने नगाइच के परिवाद को निरस्त करने की मांग को लेकर साल 2019 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। बिसेन की ओर से दलील दी गई कि उनकी शिकायतकर्ता के साथ पुरानी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता है। तर्क दिया गया कि शिकायतकर्ता ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि आम सभा कब और कहां हुई थी? दुर्भावनावश यह परिवाद दायर किया गया है। सुनवाई के दौरान तर्क दिया गया कि बिसेन सहकारिता मंत्री थे और उन्होंने संजय नगाइच के खिलाफ सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के मामले में कार्रवाई की थी। इसलिए पुरानी दुश्मनी के कारण मानहानि का परिवाद दायर किया गया है। वहीं, शिकायतकर्ता की ओर से दलील दी गई कि यह तय करना ट्रायल कोर्ट का क्षेत्राधिकार है कि मानहानि का परिवाद प्रचलन योग्य है या नहीं? सुनवाई के बाद मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने कहा कि परिवाद में स्पष्ट आरोप हैं कि बिसेन ने सार्वजनिक सभा में शिकायतकर्ता के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। उनके आरोप के पक्ष में दो गवाहों ने भी बयान दर्ज कराए हैं। इस मत के साथ कोर्ट ने मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

'निशाने पर मैं भी थी', उद्धव गुट के मारे गए नेता की पत्नी का दावा; एफबी लाइव के दौरान हुई थी हत्या

मुंबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता अभिषेक वी. घोसालकर की विधवा तेजस्वी दारेकर-घोसालकर ने यहां मंगलवार को चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि उसी घटना में वह भी हत्यारों के निशाने पर थीं। एक फेसबुक लाइव शो के दौरान 8 फरवरी को अभिषेक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। शिवसेना (यूबीटी) के सक्रिय, शिक्षित और उभरते युवा नेताओं में से एक, अभिषेक पर उस शाम एक स्थानीय गुंडे मौरिस नोरोन्हा ने कई गोलियां चलाईं, जिस समय वह फेसबुक पर अपने मतदाताओं के साथ लाइव बातचीत कर रहे थे। हत्यारे ने कुछ मिनट बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बीएमसी की पूर्व नगरसेविका तेजस्वी ने याद किया कि कैसे उस विशेष कार्यक्रम के लिए हत्यारे नोरोन्हा ने उसके पति अभिषेक को उन्हें साथ लाने के लिए कहा था। मौरिस नोरोन्हा को पड़ोस में 'मौरिस भाई' के नाम से जाना जाता था।

तेजस्वी ने कहा, "उसने (मौरिस) मेरे पति से मुझे उस शाम के सार्वजनिक कार्यक्रम में ले जाने के लिए कहा था और अभिषेक ने भी मुझे अपने साथ चलने के लिए कहा था लेकिन जैसे ही मुझे देरी हुई, अभिषेक ने मुझे फोन किया और सुझाव दिया कि मुझे सीधे उसी शाम को होने वाले एक और कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जाना चाहिए।"

पुलिस हिरासत में हुई थी युवती की मौत

एसआईटी की जांच में खामी बता हाईकोर्ट ने सीबीआई को सौंपी जांच

चंडीगढ़, 20 मार्च (एजेंसियां)। पुलिस हिरासत में युवती की मौत के मामले में पंजाब पुलिस की एसआईटी की ओर से की गई जांच में भी खामियां बताते हुए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने अब जांच सीबीआई को सौंप दी है। सीबीआई को तीन महीने में जांच की रिपोर्ट पेश करने का हाईकोर्ट ने आदेश दिया है। याचिका दाखिल करते हुए मुकुल गर्ग ने बताया कि लुधियाना में दर्ज धोखाधड़ी के एक मामले में पूछताछ के लिए याची व उसकी मंगेतर रमनदीप कौर को अगस्त 2017 को पुलिस ने उठाया था। इसके बाद उसकी मंगेतर को बेदर्दी से पीटा गया और उसकी मौत हो गई। याची के परिजनों ने जब उच्चाधिकारियों को शिकायत दी तो तुरंत लीपापोती शुरू कर दी

गई और इसे आत्महत्या का मामला बना दिया गया। याचिका दाखिल होने के बाद हाईकोर्ट के आदेश पर 2019 में एसआईटी गठित की गई थी। एसआईटी ने इस मामले में गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। पंजाब सरकार ने बताया कि याची ने मजिस्ट्रेट के सामने बयान दिया था कि मृतका का उसके अलावा कोई भी नहीं था, जबकि एसआईटी के सामने कहा कि युवती के परिजनों का इंतजार किए बगैर जबरन उसका अंतिम संस्कार करवा दिया गया। ऐसे में बयान में बदलाव की दलील देते हुए सीबीआई को जांच न सौंपने की अपील की गई। हाईकोर्ट ने एसआईटी की रिपोर्ट देखी तो पाया कि इसमें उस चाकू का जिक्र ही नहीं था जिसकी इस मामले में बेहद अहम भूमिका थी।

मृतका के दोनों हाथों की कलाई कटी हुई थी। चाकू मृतका के अंतवस्त्रों में प्राप्त हुआ था जिसे एएसआई सुखदेव सिंह को सौंपा गया था। इसके बाद यह गायब हो गया और इस बारे में न तो पुलिस ने जांच की और न ही एसआईटी ने। बड़ा सवाल यह है कि पुलिस हिरासत में रमनदीप कौर के पास चाकू पहुंचा कहां से और पोस्टमार्टम के बाद वह चाकू गायब कहां हो गया। हाईकोर्ट ने कहा कि एसआईटी की जांच में काफी खामियां रहीं और ऐसे में लोगों का कानून पर विश्वास बना रहे इसलिए निष्पक्ष जांच जरूरी है। हाईकोर्ट ने इस मामले जांच सीबीआई को सौंपते हुए तीन महीने में रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है।

मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेगी आम आदमी पार्टी, ये है इसके पीछे वजह

भोपाल, 20 मार्च (एजेंसियां)। निकाय चुनाव के बाद मध्य प्रदेश में तीसरे विकल्प के रूप में देखी जा रही आम आदमी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। आम आदमी पार्टी प्रदेश की किसी भी सीट पर आप प्रत्याशी नहीं उतारेगी। इसके पीछे वजह है इंडिया गठबंधन। विधानसभा चुनाव में भी आप कई विधानसभा सीटों पर भी अपने उम्मीदवार नहीं उतार सकी थी। कांग्रेस और विपक्षी दलों के बने इंडिया गठबंधन की सदस्य आम आदमी पार्टी ने मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव से खुद को दूर कर लिया है। आम आदमी पार्टी ने निर्णय लिया है कि वे मध्य प्रदेश में किसी भी सीट पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारेगी। आम आदमी पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल के अनुसार इंडिया गठनबंधन के कारण पार्टी मध्य प्रदेश में लोकसभा प्रत्याशी नहीं उतारेगी। बाकी संगठन से जो निर्देश मिलेंगे, उसे सपोर्ट किया जाएगा। बता दें मध्य प्रदेश में हुए निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी को अच्छी खासी सफलता मिली थी। कई जिलों में आम आदमी पार्टी के पार्षद चुनाव जीत गए थे, जबकि सिंगरौली में तो महापौर आम आदमी पार्टी की रानी अग्रवाल बनी थी। निकाय चुनाव में मिली सफलता के बाद से ही आम आदमी पार्टी को प्रदेश में तीसरे विकल्प के रूप में देखा जाने लगा था। वहीं हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी प्रदेश की कई विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतार सकी थी।

'अवैध रोहिंग्याओं को भारत में बसने का अधिकार नहीं,' एससी से बोली केंद्र सरकार

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार रोहिंग्या मुसलमानों पर अपने पहले के रुख पर कायम है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि अवैध तरीके से रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों को भारत में बसने का कोई अधिकार नहीं है। सरकार का कहना है कि भारत में रह रहे रोहिंग्याओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार ने कोर्ट से ये भी कहा कि रोहिंग्याओं की वजह से सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। ऐसे में उन्हें देश में रहने का हक नहीं है। केंद्र सरकार ने अक्टूबर, 2017 में हलफनामा दाखिल कर रोहिंग्या मुसलमानों पर दी गई अपनी दलील को सुप्रीम कोर्ट में एक बार फिर से दोहराया। केंद्र ने कहा कि ये सरकार और संसद का नीतिगत मामला है। ऐसे में न्यायपालिका न्यायपालिका अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वालों को शरणार्थी का दर्जा देने के लिए एक अलग श्रेणी बनाने के लिए संसद और कार्यपालिका के विधायी और नीतिगत डोमेन में प्रवेश नहीं कर सकती है।

'रोहिंग्याओं को भारत में रहने की इजाजत नहीं'

सरकार का कहना है कि एक विदेशी नागरिक को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत यहां जीवन जीने और स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है और उसे देश में निवास करने और बसने का अधिकार नहीं है। सरकार ने कहा कि ये अधिकार केवल भारतीय नागरिकों के लिए उपलब्ध है। सरकार ने कहा कि विदेशियों को बसने या रहने का अधिकार नीतिगत मामला है। केंद्र ने कोर्ट से कहा कि सरकार रोहिंग्या मुसलमानों के मामले में पूरी तरह से स्पष्ट है रोहिंग्याओं को भारत में रहने या उन्हें बसने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

'यूएनएचआरसी के शरणार्थी कार्ड को मान्यता नहीं'

केंद्र सरकार का कहना है कि कुछ रोहिंग्या मुसलमान यूएनएचआरसी के जरिए शरणार्थी के दर्जे का दावा कर रहे हैं। लेकिन भारत यूएनएचआरसी के शरणार्थी कार्ड को मान्यता नहीं देता है। ऐसे उन्हें शरणार्थी का दर्जा नहीं दिया जा सकता। सरकार का कहना है कि भारत पहले से पड़ोसी देशों से आए लोगों की वजह से अवैध प्रवास का सामना कर रहा है। जिसकी वजह से पश्चिम बंगाल और असम की जनसंख्या में बढ़ोतरी है। दरअसल सरकार हिरासत में लिए गए रोहिंग्याओं की रिहाई करने वाली याचिका का जवाब दे रही थी। जिसे याचिकाकर्ता प्रियाली सुर ने कोर्ट में दाखिल किया है। सरकार का कहना है कि वो देश में अवैध रूप से रह रहे लोगों से विदेशी एक्ट के मुताबिक कार्रवाई करेगी। आपको बता दें कि देश में रोहिंग्या मुसलमानों के मुद्दे को लेकर कई बार बवाल मच चुका है। कई लोग इन्हें देश से निकालने का समर्थन करते

प्यार करने की खौफनाक सजा लड़के को पहनाई जूतों की माला, सिर पर फेरा उस्तरा; पिलाई पेशाब'

भोपाल, 20 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन से शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां एक युवक को अपने ही समाज की शादी-शुदा महिला से प्यार करना महंगा पड़ गया। महिला अपने दो बच्चों को छोड़कर युवक के साथ फरार हो गई। यह बात युवक के लिए भारी पड़ गई। महिला के जाने से उसके ससुरालीजन आग-बबूला हो गए। उन्होंने किसी तरह दोनों को ढूंढ़ निकाला। पहले दोनों के साथ मारपीट की गई। उसके बाद महिला के ससुरालियों ने युवक को रौंगटे खड़े कर देने वाली सजा दी। युएक को पेड़ से बांधा गया, जूते-चप्पलों की माला पहनाई। ससुरालीजन के साथ समाज के लोग भी शर्मसार करने वाली सजा में भागीदार बने। युवक के सिर पर उस्तरा फेरा गया। उसके मुंह में जूते ठूंसे गए। हद तब हुई जब युवक को पेशाब पिलाया गया। इस घटना का वीडियो बनाकर वायरल किया गया है। वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। कानून हाथ में लेकर क्रूर सजा देने वालों की पुलिस पहचान कर रही है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है।

दो बच्चों की मां से हुआ प्यार

घट्टिया क्षेत्र के बंजारा समाज के एक युवक को भाटपचलाना क्षेत्र की समाज की ही दो बच्चों की मां से प्यार हो गया। महिला अपने ससुराल और बच्चों को छोड़कर युवक के साथ राजस्थान चली गई। यह बात महिला के ससुराल वालों को बहुत नागवार गुजरी। उन्होंने युवक और महिला को ढूंढ़ना शुरू किया। वह उन्हें राजस्थान से पकड़कर ले आए। उन्होंने दोनों की जमकर पिटाई की। महिला के ससुरालियों का इतने से ही मन नहीं भरा उन्होंने युवक को पेड़ से बांध दिया और उसे जूते-चप्पल की माला पहनाई।

मुंह में ठूंसे जूते, पिलाया पेशाब

वायरल वीडियो में दिख रहा है कि वहां मौजूद भीड़ युवक को पीट रही है। उसके मुंह में जूते ठूंसे जा रहे हैं। आसपास बच्चे भी घूम रहे हैं। युवक का शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। गाली गलौच कर उसके सिर पर जूते रखकर उसका नाम पता पूछा गया। युवक की आधी मूंछ काट दी। उसके सिर पर उल्टा-सीधा उस्तरा फेर दिया। वहीं, युवक का जिस महिला से प्रेम प्रसंग था उससे उसे पिटवाया गया। महिला के साथ भी मारपीट की गई। हैवानियत की हदें पार करते हुए युवक को पेशाब पिलाया गया।

नहीं की पुलिस से शिकायत

युवक के साथ की गई मारपीट और हैवानियत की यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। लोग इसे शेयर कर घटना की निंदा कर रहे हैं। हालांकि, मामला एक ही समाज और आपसी रिश्तों से जुड़ा है तो इसकी किसी ने पुलिस से शिकायत भी दर्ज नहीं कराई है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि अब तक कोई शिकायत नहीं मिली है।वारदात किस स्थल पर हुई, इसकी जानकारी ली जा रही है।

एचडीएफसी बैंक ने एचडीएफसी क्रेडिला में अपनी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। एचडीएफसी बैंक ने बुधवार को बताया कि उसने अपनी शिक्षा वित्त इकाई एचडीएफसी क्रेडिला में अपनी हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया पूरी कर ली है।यह बिक्री निजी इक्विटी फर्मों बीपीईए ईक्यूटी और क्रिस कैपिटल को 9,552.73 करोड़ रुपये में की गई है। पिछले साल जून में घोषित यह सौदा आवास ऋणदाता हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प के एचडीएफसी बैंक के साथ विलय के पूरा होने से पहले अनिवार्य नियामकीय आवश्यकताओं का हिस्सा था।

सामने आई एलआईसी के कर्मचारी की करतूत

सेबी ने पकड़ा और वसूले 2.44 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। शेयर बाजार नियामक सेबी ने पुष्टि की है कि भारतीय जीवन बीमा निगम का एक कर्मचारी फ्रंट-रनिंग में शामिल था, जिसने व्यक्तिगत लाभ के लिए एलआईसी की अंदरुनी जानकारी का उपयोग किया. ऐसा करके इस कर्मचारी ने सेबी के नियमों का उल्लंघन किया.

इस मामले में एलआईसी ने बायोमेट्रिक एक्सेस, सीसीटीवी निगरानी और अन्य सुरक्षा उपायों के साथ जवाब दिया. इन उपायों का मकसद फ्रंट-रनिंग घटनाओं को रोकना और बाजार में निष्पक्ष कार्यशैली को सुनिश्चित करना है.

क्या है 'फ्रंट रनिंग'?

शेयर बाजार में 'फ्रंट रनिंग' उस गैर कानूनी गतिविधि को कहा जाता है जब कोई ब्रोकर या इन्वेस्टर किसी ट्रेड में शामिल होता है क्योंकि उन्हें पहले से यह पता होता है कि उस कंपनी में एक बड़ी डील होने वाली है और उसकी वजह से उसके शेयरों के भाव बढ़ सकते हैं. सेबी की जांच में योगेश गर्ग, जो एलआईसी के निवेश विभाग में कार्यरत थे, उनकी माँ सरिता गर्ग; उनकी सास कमलेश अग्रवाल; वेद प्रकाश एचयूएफ और सरिता गर्ग एचयूएफ शामिल रहे.

सेबी ने अंतरिम आदेश 27 अप्रैल, 2023 को नोटिसकर्ताओं को दिया था. जांच के बाद नियामक ने 2.44 करोड़ रुपये से अधिक का अवैध लाभ जब्त कर लिया है, साथ ही इन लोगों पर अगले आदेश तक शेयर बाजार में काम करने से रोक लगा दी है. इस मामले पर एलआईसी ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि फ्रंट रनिंग का यह पुराना मामला है. एलआईसी ने कहा, "हमने किसी भी प्रकार की फ्रंट रनिंग को रोकने के लिए सर्वोत्तम मापदंडों के साथ-साथ मजबूत नियंत्रण तंत्र स्थापित किया है."

सेमीकंडक्टर का निर्माण राज्य को वैश्विक मानचित्र पर उभरेगा : रतन टाटा

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। असम में समीकंडक्टर निर्माण की सुविधा स्थापित करने पर टाटा समूह के दिग्गज रतन टाटा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

उद्योगपति और टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा ने कहा है कि असम में सेमीकंडक्टर का निर्माण राज्य को वैश्विक मानचित्र उभरेगा। टाटा समूह ने असम के जागीरोड में सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए 27,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। रतन टाटा टाटा संस के आजीवन मानद चेयरमैन हैं। रतन टाटा ने एक्स पर उनके, हिमंत बिस्वा सरमा और टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन की तस्वीरें संलग्न करते हुए पोस्ट किया, असम में किए जा रहे निवेश ने कैंसर पीड़ितो के जटिल उपचार और देखभाल के लिए राज्य को सक्षम बनाया है। आज, टाटा समूह के साथ साझेदारी में असम की सरकार राज्य को सेमीकंडक्टर के में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाएगी। टाटा ने असम सरकार के सहयोग से पहले ही राज्य भर में कई कैंसर केयर अस्पताल स्थापित किए हैं।

9-साल विवाद के बाद गौतम सिंघानिया पिता के साथ दिखे

रेमंड के चेयरमैन ने लिखा-खुश हूं; घर से बाहर निकालने का आरोप लगा था

मुंबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। रेमंड ग्रुप के चेयरमैन गौतम सिंघानिया और ग्रुप के फाउंडर और गौतम के पिता विजयपत सिंघानिया के बीच सुलह होती नजर आ रही है। गौतम सिंघानिया ने बुधवार को एक्स पर अपने पिता के साथ एक तस्वीर शेयर की।

उन्होंने लिखा- 'आज अपने पिता को घर पर पाकर और उनका आशीर्वाद पाकर खुश हूं। सदैव आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं पापा।' विजयपथ सिंघानिया ने 2015 में अपने बेटे को कंपनी की बागडोर सौंपी दी थी। गौतम में हाथ में कंपनी की बागडोर आने के बाद से दोनों के बीच विवाद चल रहा है। 2017 में विजयपत सिंघानिया ने अपने बेटे पर मुंबई में उनकी पारिवारिक संपत्ति जेके हाउस बिल्डिंग से बाहर निकालने का आरोप लगाया था।

हाल ही में पत्नी नवाज मोदी से अलग हुए थे गौतम सिंघानिया

पिछले साल गौतम सिंघानिया अपनी पत्नी नवाज से भी अलग हो गए थे। इसके बाद विजयपत सिंघानिया का एक इंटरव्यू सामने आया था। बिजनेस टुडे से बातचीत में विजयपत ने अपनी विरासत बेटे को सौंपने पर अफसोस जताया था।

गौतम मुझे सड़क पर देखकर खुश होता: विजयपत सिंघानिया

विजयपत ने कहा था- 'मेरे पास अब कुछ नहीं है। मैंने उसे सब कुछ दिया... गलती से मेरे पास कुछ पैसे बच गए थे, जिनसे मैं आज गुजारा कर रहा हूं। नहीं तो मैं सड़क पर होता। वह मुझे सड़क पर देखकर खुश होता। मुझे इस बात का यकीन है। अगर वह अपनी पत्नी को इस तरह बाहर फेंक सकता है, अपने पिता को बाहर फेंक सकता है, मुझे नहीं पता कि वह क्या है।'

मुझ पर चिल्ला सकता है और मुझे गाली दे सकता है गौतम

विजयपत से पूछा गया था कि अगर नवाज इस मामले को सुलझाने के लिए आपके पास आती हैं तो क्या आप अपने बेटे से बात करेंगे। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'मेरा पहला उत्तर हां होगा, मैं उससे मिलने के लिए तैयार हूं। मेरा दूसरा उत्तर यह है कि उससे मिलने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि वह मेरी बात नहीं सुनेगा।

यदि मैं कुछ ऐसा कहूंगा जो उसे पसंद नहीं होगा तो वह मुझ पर चिल्ला सकता है, वह मुझे गाली दे सकता है। वह इस तरह की सभी चीजें करता है, इसलिए मैं जितना संभव हो सके दूर रहने की कोशिश करूंगा। मैं अपना सपोर्ट अपनी बहू को दूंगा, अपने बेटे को नहीं।'

पैसा पावर है... पावर ईगो है... ईगो अहंकार है

एक समय मेरे पास बहुत सारा पैसा, शक्ति और अधिकार भी थे। मुझे नहीं लगता कि भगवान की कृपा से यह कभी मेरे सिर पर चढ़ा। अगर यह बात उसके (गौतम) सिर पर चढ़ गई है, तो शायद वह उनमें से एक है। इस दुनिया में ऐसे कई लोग हैं जो इसे अपने सिर पर चढ़ने देते हैं। पैसा पावर है, पावर ईगो है, ईगो अहंकार है।

सोना पहली बार 66 हजार के करीब

इस साल 70 हजार तक जा सकता है, चांदी 73,859 रुपए किलो हुई

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। सोना आज यानी बुधवार (20 मार्च) ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 206 रुपए बढ़कर 65,795 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसी महीने 11 मार्च को सोने ने 65,646 रुपए प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था।

वहीं, आज चांदी में भी मामूली तेजी है। ये 15 रुपए महंगी होकर 73,859 रुपए प्रति किलो ग्राम पर बंद हुई। इससे पहले बीते दिन चांदी का भाव 73,844 रुपए था। चांदी ने बीते साल यानी 2023 में 4 दिसंबर को 77,073 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

मार्च में अब तक 3 हजार से ज्यादा महंगा हुआ सोना

मार्च में अब तक सोने-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिली है। महीने की शुरुआत यानी 1 मार्च को सोना 62,592 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 20 मार्च को 65,795 रुपए पर पहुंच गया है। यानी 20 दिनों में ही इसकी कीमत में 3,203 रुपए प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। वहीं चांदी भी 69,977 रुपए

प्रति किलोग्राम से बढ़कर 73,859 रुपए पर पहुंच गई थी।

2023 में सोना 8 हजार रुपए से ज्यादा महंगा हुआ था

साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था। यानी साल 2023 में इसकी कीमत में 8,379 रुपए (16%) की तेजी आई। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, आने वाले दिनों में सोने में तेजी जारी रह सकती है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 70 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 75 हजार प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं।

कीमत क्रॉस चेक करें

सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। 24 कैरेट सोने को सबसे शुद्ध सोना माना गया है, लेकिन इसकी ज्वेलरी नहीं बनती, क्योंकि वो बेहद मुलायम होता है।

सेंसेक्स 89 अंक बढ़कर 72,101 पर बंद

मुंबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 20 मार्च को तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स 89 अंक की तेजी के साथ 72,101 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 21 अंक की बढ़त रही, ये 21,839 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में तेजी और 10 में गिरावट देखने को मिली है। आज ऑटो और पावर शेयर्स में ज्यादा तेजी रही। मारुति के शेयर ने आज 12,025 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि इसके बाद ये थोड़ा नीचे आया और 328.20 रुपए (2.83%) बढ़कर 11,925 रुपए पर बंद हुआ।

पेटीएम के शेयर में 3% से ज्यादा की तेजी

पेटीएम के शेयर में आज 3.54% की तेजी रही। इस कारोबारी हफ्ते में अब तक इसमें 10% से ज्यादा की तेजी देखने को मिल चुकी है। यस सिक्योरिटीज ने आज बाजार में लिस्टिंग के बाद से पहली बार पेटीएम को 505 रुपए का लक्ष्य मूल्य देते हुए अपग्रेड किया है और 'buy'रेटिंग दी है।

कल बाजार में रही थी बड़ी गिरावट

इससे पहले कल यानी 19 मार्च को शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 736 अंक की गिरावट के साथ 72,012 पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में भी 238 अंक की गिरावट रही, ये 21,817 के स्तर पर बंद हुआ था।

रिलायंस पावर और उसकी पैतृक कंपनी बकायों का निपटान करने में जुटी

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस पावर ने पिछले सप्ताह तीन बैंकों आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और डीबीएस बैंक पर बकाया कर्ज का निपटान किया। इसकी मूल कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर जेसी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी के 2,100 करोड़ रुपये के बकाये का निपटान करने की दिशा में काम कर रही है। मामले की जानकारी रखने वाले ने इसकी जानकारी दी है। एक कमर्शियल बैंक के सीनियर एग्जीक्यूटिव के अनुसार रिलायंस पावर का लक्ष्य इस वित्त वर्ष के अंत तक कर्ज मुक्त कंपनी बनने का है। इसके बहीखाते में एकमात्र कर्ज आईडीबीआई बैंक से कार्यशील पूंजी ऋण होगा।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और जेसी फ्लावर एआरसी ने पिछले सात जनवरी को ऋणों को यथास्थिति में रखने से संबंधित एक समझौता किया था। स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार यह समझौता आज यानी 20 मार्च 2024 तक की अवधि के लिए मान्य था। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रवक्ता के अनुसार अब इसकी अवधि 31 मार्च 2024 तक बढ़ा दी गई है। इस समझौते के अनुसार जेसी फ्लावर एआरसी 31 मार्च तक रिलायंस के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगी और कंपनी को पैसों का इंतजाम करने का समय देगी। शेयर बाजार को भेजी गई एक जानकारी के अनुसार रिलायंस पावर ने 13 मार्च को वीएफएसआई होल्डिंग्स से इक्विटी के बदले 240 करोड़ रुपये हासिल किए हैं।

वेज और नॉनवेज डिलीवरी बॉय के लिए अलग ड्रेस नहीं

जोमैटो के सीईओ बोले 'अलग ड्रेस से हो सकता था भेदभाव, सभी लाल टी-शर्ट पहनेंगे

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। जोमैटो ने 24 घंटे से भी कम समय में अपने वेज डिलीवारी बॉयज के हरे रंग की ड्रेस पहनने के फैसले को वापस ले लिया है। अभी डिलीवारी बॉय पहले की ही तरह लाल रंग की टी-शर्ट ही पहनेंगे।

जोमैटो के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने आज यानी बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी है। जोमैटो के फाउंडर और सीईओ दीपिंदर गोयल के अनुसार कंपनी वेजिटेरियन्स के लिए एक अलग फ्लीट (अलग डिलीवरी बॉयस) जारी रखेगी। मगर इस फ्लीट में हरे रंग का उपयोग नहीं किया जाएगा। कंपनी ने ऐसा जमीनी अलगाव (भेदभाव) को खत्म करने के लिए किया गया है। कंपनी के सभी राइडर्स लाल ड्रेस पहनना ही जारी रखेंगे। इससे पहले कल यानी मंगलवार को फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने भारत में 100% वेजिटेरियन डाइट को फॉलो करने वाले कस्टमर्स के लिए 'प्योर वेज मोड' और 'प्योर वेज फ्लीट' लॉन्च किया है। इसके तहत जोमैटो ने वेज ऑर्डर्स पहुंचाने वालों के लिए हरे रंग की ड्रेस शुरू करने के अपने फैसला लिया था। इसके अलावा कंपनी ने यह भी फैसला किया था कि वेज खाना हरे बॉक्स में और नॉनवेज फूड लाल बॉक्स में पैक किया जाएगा। अब सभी फूड्स को पैक करने के लिए एक ही जैसे बॉक्स का उपयोग किया जाएगा। दीपिंदर गोयल के अनुसार 'प्योर वेज मोड' में सिर्फ वेजिटेरियन फूड सर्व करने वाले रेस्टोरेंट्स का ही ऑप्शन मिलेगा।

एक दिन मिट्टी में मिल जाएगा बिटकॉइन, कमोडिटी एक्सपर्ट ने कर दी भविष्यवाणी

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। बिटकॉइन में पिछले कुछ समय से आए तेजी के तूफान ने इस क्रिप्टोकरेंसी को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है. एक साल पहले एक बिटकॉइन की कीमत 28,000 डॉलर थी, जो बढकर एक बार 70 हजार डॉलर के पार हो गई. हालांकि, इसके बाद रेट गिरा और अब बिटकॉइन 62 हजार डॉलर पर कारोबार कर रही है. दुनिया में भले ही क्रिप्टोकरेंसी के बहुत से लोग दीवाने हों, लेकिन सोने और चांदी जैसी कमोडिटी के एक्सपर्ट और दिग्गज निवेशक जिम रोजर्स को इसका भविष्य धूमिल ही नजर आ रहा है.

जिम रोजर्स का कहना है कि क्रिप्टोकरेंसी की दीर्घकालिक संभावनाओं के बारे में 'गहरा संदेह' बना हुआ है. उनका कहना है कि क्रिप्टो को वे सशंकित हूं. उन्हें इसके टिकने की कोई उम्मीद नहीं है. भले ही कुछ लोगों को इसमें शानदार अवसर नजर आए, लेकिन रोजर्स को क्रिप्टोकरेंसी में कोई दीर्घकालिक फायदा नहीं दिखता है. एक रिपोर्ट के अनुसार, जिम रोजर्स का कहना है, "चाहे चीनी हो या फिर चावल, इनकी भविष्य में भी वैल्यू रहेगी क्योंकि इनका लोग इस्तेमाल करते हैं और आगे भी करते रहेंगे. लेकिन, मुझे नहीं लगता कि बिटकॉइन की वैल्यू हमेशा रहेगी. एक दिन बिटकॉइन गायब हो जाएगी और इसका मूल्य शून्य हो जाएगा." रोजर्स अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं. वो शुरू से ही क्रिप्टोकरेंसी के आलोचक रहे हैं.

जिम रोजर्स का कहना है कि बिटकॉइन सोने और चांदी जैसी पारंपरिक कमोडिटी की जगह कभी नहीं ले सकती. दुनिया में सोने और चांदी के बारे में बहुत से लोग गहरी जानकारी रखते हैं, लेकिन बिटकॉइन का भविष्य क्या होगा, इसका उत्तर शायद ही किसी के पास है.

जिम रोजर्स का कहना है कि उन्होंने किसी भी क्रिप्टोकरेंसी में एक भी पैसा निवेश नहीं किया है. उनका कहना है कि न ही क्रिप्टो में आगे भी उनका निवेश करने का कोई इरादा है. उन्होंने कहा, "क्रिप्टोकरेंसी की कीमत भले ही एक या दो डॉलर हो जाए, मैं इसमें पैसे नहीं लगाऊंगा. बहुत से लोगों के लिए यह एक आकर्षक निवेश विकल्प है, परंतु मेरे लिए नहीं. कई लोग इसमें पैसे लगाकर नुकसान उठा चुके हैं."

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	में	मीन ..	06-01 बजे
चंद्र-	कर्क	में	मेष--	07-37 बजे
मंगल	कुंभ	में	वृष--	09-22 बजे
बुध-	मीन	पें	मिथुन..	11-23 बजे
गुरु-	मेष	में	कर्क...	13-35 बजे
शुक्र-	कुंभ	में	सिंह...	15-48 बजे
शनि-	कुंभ	में	कन्या..	17-54 बजे
राहु-	मीन	में	तुला....	20-00 बजे
केतु-	कन्या	में	वृश्चिक..	22-08 बजे
			धनु.....	00-22 बजे
			मकर...	02-29 बजे
			कुंभ....	04-19 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-23 सूर्यास्त. - 18-23
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - 04:44 - तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष , गुरूवार 21 March
नक्षत्र - आश्लेषा- 01 - 26 - तक उपरान्त मघा
योग - सुकर्मा - 17 - 41 - तक उप धृति
करण- बव - 15 - 31 - तक उप- बालव
विशेष:- अमृत योग
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:54 से 15:25 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06:23 - 07:51 शुभ	अमृत	18:23 - 19:55 शुभ
रोग	07:51 - 09:22 अशुभ	चंचल	19:55 - 21:24 शुभ
उत्पात	09:22 - 10:53 अशुभ	रोग	21:24 - 22:54 अशुभ
चंचल	10:53 - 12:23 शुभ	काल	22:54 - 24:23 अशुभ
लाभ	12:23 - 13:54 शुभ	लाभ	24:23 - 01:52 शुभ
अमृत	13:54 - 15:25 शुभ	उत्पात	01:52 - 03:21 अशुभ
काल	15:25 - 16:55 अशुभ	शुभ.	03:21 - 04:50 शुभ
शुभ	16:55 - 18:23 शुभ	अमृत	04:50 - 06:23 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है । अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें । इस दौरान धीरज से काम लेंगे तो जल्दी ही अपने शुभचिंतकों को भी पहचान जायेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोड़ा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेषण करें ।यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ ।इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा । इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें । इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे । अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीधी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे । अपने अधूरे काम आज पूरे कर दें और चिंतामुक्त हो जाएँ ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं। सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी । यह इस समय आपको मुश्किल जरुर लगेगा ,लेकिन अगर एक बार आप यह कर गये तो आपका जीवन ही बदल जाएगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

एक करोड़ चढ़ावा तो 10 लाख टैक्स लगेगा

मंदिरों से टैक्स लेगी कर्नाटक सरकार, भक्त बोले- मंदिर फैक्ट्री नहीं कि उनसे कमाई चाहिए

बेंगलुरु, 20 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'मंदिर कोई मिल या फैक्ट्री नहीं है, जिससे सरकार को इनकम चाहिए। सरकार मंदिरों से टैक्स लेने वाली है। अगर इस पैसे का इस्तेमाल मंदिर के लिए हो तो सही है। लोग कह रहे हैं कि ये पैसा चर्च और मस्जिद को मिलेगा, हमारा पैसा कैसे दूसरे धर्म के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

कर्नाटक में सरकार ज्यादा चढ़ावा पाने वाले मंदिरों से टैक्स लेने की तैयारी में है। बेंगलुरु के मल्लेश्वरम गंगा मां मंदिर के मैनेजर रामचंद्रन इससे खुश नहीं हैं। मंदिर में रोज दर्शन के लिए आने वाले उत्तम कुमार को भी सरकार का फैसला पसंद नहीं आया। उन्हें फिक्र है कि चढ़ावे की रकम से भी सरकार टैक्स ले लेगी तो मंदिर के काम कैसे होंगे।

29 फरवरी 2024 को कर्नाटक में हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती संशोधन बिल 2024 पास हुआ। अभी इसे राज्यपाल की मंजूरी मिलना बाकी है। बिल के मुताबिक, प्रदेश के मुजराई विभाग के तहत आने वाले जिन मंदिरों की कमाई एक करोड़ रुपए से ज्यादा है, सरकार उनसे 10% टैक्स वसूलेगी। मंदिरों के पुजारी और आम लोग इसका विरोध कर रहे हैं।

बीजेपी इस बिल और प्रदेश की कांग्रेस सरकार को हिंदू विरोधी बता रही है। उसका आरोप है कि कांग्रेस सरकार बिल के जरिए दूसरे धर्मों को फायदा पहुंचा रही है। सरकार के पास पैसा नहीं है, इसलिए वो मंदिरों को कमाई का जरिया बना रही है। वहीं, कांग्रेस सरकार का दावा है कि टैक्स की रकम मंदिर के रखरखाव और पुजारियों पर खर्च की जाएगी।

सवाल है कि आखिर बिल का विरोध क्यों हो रहा है? क्या वाकई इससे मंदिर और पुजारियों को फायदा होने वाला है? क्या कर्नाटक में पहली बार मंदिरों से टैक्स लिया जा रहा है?

बेंगलुरु के मल्लेश्वरम गंगा मां मंदिर में सुबह-शाम बहुत भीड़ होती है। मंदिर की देखभाल करने वाले रामचंद्रन बताते हैं, 'ये मंदिर करीब 90 साल पहले बना था। रोज हजारों लोग यहां पूजा करने आते हैं। नवरात्रि में खासतौर से भीड़ रहती है। मंदिर को हर साल करीब 25 लाख रुपए से ज्यादा चढ़ावा मिलता है।' सरकार के टैक्स स्लैब के हिसाब से मंदिर 'बी' कैटेगरी में आता है। मंदिरों से टैक्स लिए जाने पर रामचंद्रन कहते हैं, 'हर मंदिर का अलग-अलग खर्च है। इसमें फूलों की खरीदारी, मेंटेनेंस, बिजली, पानी का बिल, स्टाफ का खर्च, प्रसाद और पुजारियों की सैलरी शामिल है। पिछले कुछ साल में फूलों, अनाज और मंदिर में इस्तेमाल होने वाली चीजों के रेट बहुत बढ़े हैं।'

मल्लेश्वरम गंगा मां मंदिर के पास ही श्री कडु मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर है। मंदिर ट्रस्ट से जुड़े एक पदाधिकारी ने ऑफ कैमरा कहा कि अगर हम सरकार के फैसले के खिलाफ बोलेंगे, तो हो सकता है कि मंदिर को मिलने वाली सरकारी मदद बंद हो जाए। हम चाहकर भी इसका विरोध नहीं कर सकते। वे आगे कहते हैं, 'सरकार अगर 10 की जगह 20% टैक्स भी लगाएगी, तो हमें देना पड़ेगा। वे टैक्स लगा रहे हैं, लेकिन ये नहीं देख रहे कि हमें कितना खर्च करना पड़ता है। टैक्स का सिस्टम खत्म होना चाहिए। इससे लोगों को लगता है कि उनका पैसा गलत जगह इस्तेमाल होगा।' दक्षिणमुखी नंदी तीर्थ कल्याणी क्षेत्र भगवान शिव के वाहन नंदी का मंदिर है। मंदिर को नंदी तीर्थ, नंदीश्वर तीर्थ, बसवा तीर्थ या केवल मल्लेश्वरम नंदी गुड़ी के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर के मुख्य देवता शिव हैं । ये मंदिर भी 'बी' कैटेगरी में है। मंदिर के पुजारी ने कहा कि हमने अभी बिल नहीं देखा है। बिल देखने के बाद ही इस पर कुछ कह सकेंगे। टैक्स लगाने की जगह सरकार को पुजारियों के हाल के बारे में

सोचना चाहिए।' दक्षिणमुखी नंदी तीर्थ कल्याणी क्षेत्र मंदिर में उत्तम कुमार मिले। वे बेंगलुरु में रहते हैं और बैंक से रिटायर हुए हैं। उत्तम कुमार पत्नी के साथ करीब 20 साल से इस मंदिर में आ रहे हैं। उत्तम कुमार कहते हैं, 'मंदिरों पर टैक्स लगाना गलत है। भक्तों के चढ़ावे का इस्तेमाल मंदिरों के रखरखाव और पुजारियों के लिए होना चाहिए। सरकार मंदिरों के रखरखाव पर कुछ खर्च नहीं कर रही है, तो चढ़ावे का पैसा क्यों लेना चाहती है।' वे आगे कहते हैं, 'दक्षिण के राज्यों में मंदिर बहुत बुरी स्थिति में हैं। कुछ सरकारों ने मंदिरों से वसूली के लिए रकम फिक्स कर दी है। मंदिर कोई मिल या फैक्ट्री नहीं है, जिससे सरकार को इनकम लेनी है। यहां तो हम आत्मिक शांति के लिए जाते हैं।'

कर्नाटक की विपक्षी पार्टी बीजेपी और जनता दल (सेकुलर) बिल के विरोध में है। बीजेपी नेता केएस नवीन कुमार कहते हैं, 'हमें पता चला है कि हिंदू मंदिरों से मिलने वाली रकम सीधे सरकार के अकाउंट में जाएगी। इसका एडमिनिस्ट्रेटर सरकार से नियुक्त होगा और वो किसी भी धर्म का हो सकता है।'

नवीन आगे कहते हैं, 'सरकार के अधीन मुजराई विभाग के तहत लगभग 35 हजार मंदिर आते हैं। इनमें से 33 हजार मंदिर 'सी' कैटेगरी के है। पहले की सरकारें बजट में अलग से इन्हें पैसा देती थीं। पहले 2 से 3 हजार रुपए मिलते थे। हमारी सरकार आई तो हमने इसे बढ़ाकर 50 हजार तक कर दिया था। ये पैसा पुजारियों की सैलरी और मंदिर के मेंटेनेंस के लिए दिया जाता था।' बीजेपी के स्टेट प्रेसिडेंट बीवाई विजयेंद्र कहते हैं, 'सरकार खाली खजाना भरने के लिए हिंदू मंदिरों और धार्मिक संस्थानों का चढ़ावा लेने की कोशिश कर रही है। आखिर राजस्व के लिए सिर्फ हिंदू मंदिरों को ही क्यों टारगेट किया जाता है।' सिद्धारमैया सरकार को बीजेपी के हिंदू विरोधी बताने पर कांग्रेस प्रवक्ता रमेश बाबू कहते हैं, 'चुनावों के लिए बीजेपी हिंदुओं के नाम पर टूलकिट बना रही है। आजादी से पहले और बाद कांग्रेस की अपनी विचारधारा रही है। हम उसी को फॉलो करते हैं।' 'हम हर कम्युनिटी, हर धर्म और हर भाषा का सम्मान करते हैं। वोट के लिए बीजेपी झूठे इल्जाम लगा रही है। 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान भी वे हमें हिंदू विरोधी बता रहे थे। कर्नाटक के लोगों ने बीजेपी के इस प्रोपेगैंडा को रिजेक्ट कर दिया था। यही लोकसभा चुनाव में भी होगा।'

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विधेयक का बचाव करते हुए कहा कि इसी तरह के प्रावधान 2001 से लागू हैं। बीजेपी इस मामले में राजनीति कर रही है। कांग्रेस ने हमेशा मंदिरों और हिंदू हितों की रक्षा की है। सिद्धारमैया के मुताबिक, ये सिस्टम 1997 से है। बीजेपी ने भी अपने कार्यकाल में ऐसा ही किया था। उन्होंने 5 लाख से 25 लाख रुपए के बीच आमदनी वाले मंदिरों से 5% टैक्स लिया था। अब 10 लाख रुपए तक के मंदिरों को पैसा नहीं देना होगा। बीजतेपी सरकार 25 लाख से ऊपर आय वाले मंदिरों से 10% टैक्स लेती थी। हम इतना टैक्स 1 करोड़ से ऊपर आय वाले मंदिरों से ले रहे हैं।'

सरकार का दावा- हर पुजारी को 50 हजार रुपए की मदद देंगे

सरकार के मुताबिक, राज्य में 40 हजार से 50 हजार पुजारी हैं। सरकार उनकी मदद करना चाहती है। मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी कहते हैं, 'हम चाहते हैं कि अगर पुजारियों के साथ कुछ होता है तो उनके परिवारों को कम से कम 5 लाख रुपए मिलें। प्रीमियम का भुगतान करने के लिए हमें 7 करोड़ रुपए से 8 करोड़ रुपए की जरूरत है। सरकार पुजारियों के बच्चों को स्कॉलरशिप देना चाहती है। इसके लिए हर साल 5 करोड़ से 6 करोड़ रुपए की जरूरत होगी।'

21 फरवरी, 2024 को सिद्धारमैया सरकार ने विधानसभा में कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक पेश किया था। बीजेपी और जनता दल (सेकुलर) ने इसका विरोध किया। विधानसभा में कांग्रेस बहुमत में हैं। इसलिए विरोध के बावजूद बिल पास हो गया।

झुकना झारखंडी के डीएनए में नहीं

भाभी के भाजपा में शामिल होने पर बोलीं हेमंत सोरेन की पत्नी

रांची, 20 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन के भाजपा में शामिल होने पर कल्पना सोरेन ने प्रतिक्रिया दी है। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना ने कहा कि स्वर्गीय दुर्गा दा (सीता सोरेन के पति) केवल हमारे बड़े भाई नहीं, बल्कि पिता समान अभिभावक थे। उन्होंने आगे कहा कि किसी के सामने झुकना झारखंडी के डीएनए में नहीं है।

राजनीति में आना नहीं चाहते थे हेमंत सोरेन

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कल्पना सोरेन ने बताया कि हेमंत सोरेन राजनीति में आना नहीं चाहते थे। उन्होंने कहा, हेमंत जी के लिए स्वर्गीय दुर्गा दा केवल बड़े भाई नहीं थे, बल्कि पिता समान अभिभावक थे। 2006 में शादी के बाद इस परिवार का हिस्सा बनकर मैंने हेमंत जी का बड़े भाई के प्रति सम्मान और समर्पण और दुर्गा दा का हेमंत के लिए प्यार देखा। कल्पना सोरेन ने आगे कहा कि हेमंत ने राजनीति को नहीं, बल्कि राजनीति ने हेमंत को चुना है। उन्होंने कहा, हेमंत जी राजनीति में शामिल होना नहीं चाहते थे, लेकिन दुर्गा दादा की मौत और बाबा के स्वास्थ्य को देखते हुए उन्हें राजनीति में आना पड़ा। हेमंत जी ने राजनीति को नहीं, बल्कि राजनीति ने हेमंत जी को चुना है। जिन्होंने पहले आर्किटेक्ट बनने का फैसला कर लिया था, उन पर अब जेएमएम की विरासत और संघर्ष को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी थी।

पूर्व सीएम की पत्नी ने कहा कि जेएमएम पार्टी का जन्म समाजवाद और वामपंथ विचारधारा के समन्वय से हुआ है और यह सभी गरीबों की आवाज बनकर झारखंड में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आगे कहा, हेमंत जी जेल गए। वह उसी ताकत से लड़ रहे हैं, जिस ताकत से बाबा और स्वर्गीय दुर्गा दा ने पूंजीवादों और सामंतवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। वे झुके नहीं थे। वैसे भी झारखंड समाज में हमने कभी भी पीठ दिखाकर या समझौता करके आगे बढ़ना नहीं सीखा है। झुकना झारखंडी के डीएनए में नहीं है।

भाजपा में शामिल होने के बाद सीता सोरेन ने दावा किया कि जेएमएम में कभी भी उन्हें उनका हक नहीं मिला। उन्होंने बताया कि पिछले 14 वर्षों में उन्हें जो सम्मान मिलना चाहिए था, वह उन्हें नहीं मिला। इसलिए उन्होंने इतना बड़ा फैसला लिया।

2 करोड़ से अधिक कैश और सामान जब्त

रायपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आचार संहिता लगने के बाद अलग-अलग जिलों में निगरानी दल कार्रवाई कर रही है। प्रदेश में 3 दिनों के अंदर 2 करोड़ रुपए से की नगदी और सामानों की जब्ती की गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने लोकसभा चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए हैं। प्रदेश की अलग-अलग एजेंसियां अवैध तरीके से सामान परिवहन और पैसों को लेकर कड़ी नजर बनाकर रखी है। वहीं चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर की ओर से प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर और एसपी को निर्देश दिए गए हैं कि वे धन और वस्तुओं के अवैध संग्रहण की जांच कर कार्रवाई करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक इन्फोर्समेंट एजेंसीज ने 19 मार्च तक 47 लाख 55 हजार रुपए की नगद धन राशि जब्त की गई है।

बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की बढ़ाई चिंता

खेतों में बिछी गेहूं की फसल

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 20 मार्च (एजेंसियां)। गौरेला पेण्ड्रा मरवाही जिले में तीन दिनों के लगातार बारिश और ओलावृष्टि के बाद आज फिर सुबह से मौसम में बदलाव देखने को मिला। जहां इलाके में घना कोहरा छाया रहा। बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। इससे गेहूं की फसल का काफी नुकसान पहुंचा है। वहीं, मौसमी फल आम-अमरूद को भी नुकसान हुआ है। सब्जियों पर भी इसका असर देखने को मिला है। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में तीन दिन की लगातार झमाझम बारिश एवं ओलावृष्टि के बाद क्षेत्र में काफी नुकसान हुआ है। गेहूं की खाड़ी फैसले एवं गर्मी का धान बोने वाले लोगों की किसानों की मुसीबत बढ़ गई है। खेत पानी से लबालब भरे हुए हैं जबकि आम को भी ओलावृष्टि की मार झेलनी पड़ी है। पिछले दिनों जो ओलावृष्टि हुई उससे किसानों की खड़ी फसल जिसमें डोरी, चार चिरोंजी, चना, गेहूं, महुआ, आम, के साथ सब्जियों की खेती करने वालो किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है, उनकी खड़ी फसल ओलावृष्टि के चलते बर्बाद हो गई हैं। कल शाम मध्यप्रदेश के अमरकंटक और छत्तीसगढ़ के गौरेला के ज्वालेश्वर महादेव मंदिर के साथ तरईगांव इलाके में ओलावृष्टि हुई। जिसका वीडियो भी सामने आया है। जिसमें मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बॉर्डर क्षेत्र पर ओलावृष्टि के बाद अमरकंटक से वापस आ रहे श्रद्धालू सड़क पर मस्ती करते नजर आए।

मिड-डे मील में मिला मरा हुआ मेंढक

बलरामपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। बलरामपुर जिले के एक स्कूल के मिड-डे मील में मरा हुआ मेंढक मिला है। रामानुजगंज के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में अचार के डिब्बे में यह मेंढक मिला। साथ ही एक्सपायरी डेट के बेसन का भी इस्तेमाल किया जा रहा था। फोटो, वीडियो सामने आने के बाद एसडीएम ने जांच के आदेश दिए हैं। हालांकि यह वीडियो कब का है यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। बेसन के पैकेट में पैकिंग की तारीख अगस्त 2023 की है वहीं 90 दिन तक ही इसे इस्तेमाल किया जा सकता है। इसका मतलब आज के हिसाब से भी इसे एक्सपायर हुए 3 महीने हो चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, एकलव्य स्कूल में बच्चों ने मिड-डे मील के समय अचार के डिब्बे से अचार बाहर निकाला तो उसमें मरा हुआ मेंढक मिला। इसका फोटो-वीडियो वायरल किया गया है।

सट्टा बाजार बोला- बीजेपी नहीं जाएगी 400 पार

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को मिलेगी सिर्फ 43 सीट, छत्तीसगढ़ एमपी, गुजरात में सूपड़ा साफ

रायपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर देश में आचार संहिता लग चुकी है। आईएनडीआई अलायंस केंद्र में सरकार बनाने और भाजपा 400 प्लस सीटें जीतने का दावा कर रही है। इन सबके बीच देश में सट्टा बाजार भी गर्म है। हालांकि उसने दोनों ही के दावों को नकार दिया है।

सट्टा बाजार के जानकार कहते हैं कि भाजपा एक तरफा जीतेगी, लेकिन 543 में से 331 सीटें ही खाते में आएगी। वहीं सरकार बनाने का दावा कर रही कांग्रेस 43 सीट पर सिमटेगी। इससे पहले 9 मार्च को सट्टा बाजार ने भाजपा को 332 सीटें मिलने का दावा किया था। सट्टा बाजार का दावा है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस

का सूपड़ा साफ हो जाएगा। पिछले चुनाव में 2 सीटें बस्तर और कोरबा जीतने वाली कांग्रेस इस बार जीरो पर रहेगी। वहीं भाजपा सभी 11 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। फिलहाल कांग्रेस ने अभी 6 सीटों पर ही अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं।

नाम ना छापने की शर्त पर सट्टा बाजार से जुड़े एक शख्स ने बताया, कि छत्तीसगढ़ के अलावा बीजेपी को गुजरात में 26 सीट, राजस्थान में 25-27 सीट, मध्य प्रदेश में 29 सीट, उत्तराखंड में पांच, दिल्ली में सात और हिमाचल प्रदेश में चार सीट मिल रही है। वहीं सट्टा बाजार भाजपा को छत्तीसगढ़ 60-80 पैसे, राजस्थान में एक रुपए, गुजरात में 40-50 पैसे, दिल्ली में 50-60 पैसे और उत्तर प्रदेश में 1 रुपए का भाव दे रहा है। लोगों का चुनावों के रुझान और परिणाम में दिलचस्पी देखते हुए सटोरिये और दलाल सक्रिय हुए और सोशल मीडिया प्लेटफार्म का इस्तेमाल करके पूरा नेटवर्क बनाया। सट्टा बाजार से जुड़े लोग दावा करते है, कि चुनाव का सटीक अनुमान बनाने के लिए वे ग्राउंड रिपोर्ट पर भी काम करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर एनालिसिस कर बाजार में रुझान बताते हैं।

जंगल में लगी थी जुआरियों की महफिल

पुलिस ने आठ जुआ खेलने वालों को किया गिरफ्तार

जांजगीर चांपा, 20 मार्च (एजेंसियां)। जांजगीर चांपा जिले के ग्राम सोनादुला के लीलागर नदी के किनारे जुआ खेल रहे आठ जुआरियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिनके पास से पांच बाइक, एक ब्रेजा कार और 70 हजार 760 रुपये, 52 पत्ती ताश को मौके पर से जब्त किया गया है। सभी आरोपियों पर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3,2 के तहत कार्रवाई की गई है। मामला अकलतरा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी अनुसार, एसपी विवेक शुक्ला ने जिले में चल रहे जुआ/सट्टा खिलाने वालो के ऊपर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। जांजगीर सायबर टीम और अकलतरा पुलिस को सूचना ग्राम सोनादुला के लीलागर नदी के किनारे कुछ लोग ताश-पत्ती से रुपए पैसे का दाव लगाकर जुआ खेल रहे थे। सूचना मिलने पर छापेमारी की गई। मौके पर से आठ आरोपियों को जुआ खेलते पकड़ा गया है। सभी आरोपी अलग अलग थाना क्षेत्र और अन्य जिले से हैं।

जुआ खेलते पकड़े गए 8 आरोपियों के नाम

नागेन्द्र कुमार सूर्यवंशी उम्र 25 साल निवासी नरगोड़ा थाना सीपत जिला बिलासपुर, दिप सिंह टण्डन उम्र 23 साल निवासी बोरसी थाना पामगढ़, मोहनिश कुमार सूर्यवंशी उम्र 32 साल निवासी नरगोड़ा थाना सीपत जिला बिलासपुर, मनीष यादव उम्र 23 साल निवासी कोटमीसोनार थाना अकलतरा, हरिश टंडन उम्र 28 साल निवासी बोरसी थाना पामगढ़, प्रहलाद साहू उम्र 27 साल निवासी कोटमीसोनार थाना अकलतरा, विष्णुकांत टंडन उम्र 34 साल निवासी नरियरा थाना मुलमुला, राजकुमार साहू उम्र 39 साल निवासी बरबसपुर थाना उरगा जिला कोरबा।

सीसीआईडी ने अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में सीआईडी ने एक अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। मंगलवार को अधिकारियों ने बताया कि इस कॉल सेंटर ने विदेशी नागरिकों से उनके डिवाइस के संवेदनशील डेटा का एक्सेस लेकर उनसे धोखाधड़ी की। यह कॉल सेंटर रांची में किशोरगंज इलाके के पास एक इमारत के तीसरी मंजिल में चल रहा था। सीआईडी ने के बयान में कहा कि इस मामले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट भी जब्त किए गए हैं। बताया गया कि ऑस्ट्रेलिया और यूके के लोग इनके शिकार बने हैं। कॉल सेंटर के सदस्य ब्रिटिश और ऑस्ट्रेलियाई टेलीकॉम कंपनियों के अधिकारी बनकर फोन करते थे और तकनीकी सहायता देने की बात कहते थे। बयान में कहा गया, 'जानकारी के अनुसार, इसी मामले में दो सायबर अपराधी गिरफ्तार किए गए थे जो गोरखपुर में दर्ज किया गया था। दो अपराधी अन्य लोगों के साथ मिलकर कॉल सेंटर चला रहे थे। कॉल के दौरान ये इंटरनेट स्पीड जुडी समस्या के जल्द समाधान की बातें करते थे। कॉल के जरिए ही वे लोगों के सिस्टम में रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर इंस्टाल करा देते थे।'

सीआरपीएफ के जवान ने खुद को मारी गोली, मौत

रांची, 20 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के चतरा जिले में एक 32 वर्षीय सीआरपीएफ के जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। एक अधिकारी ने इस घटना की जानकारी दी। यह घटना वशिष्ठ नगर इलाके में 190 बटालियन के सीआरपीएफ पिकेट पर हुई। यह इलाका राज्य की राजधानी रांची से करीबन 200 किमी दूर है। इस घटना की पुष्टि करते हुए 190 बटालियन के सीआरपीएफ कमांडर मनोज कुमार ने बताया कि मृतक जवान के परिजनों को इस घटना की जानकारी दे दी गई है। मृतक की पहचान निहाल सिंह के तौर पर की गई है, जो ड्राइवर के पद पर तैनात थे। राजस्थान के दौसा के रहने वाले निहाल सिंह तीन फरवरी को छुट्टी से लौटे थे। कमांडर मनोज कुमार ने बताया कि निहाल सिंह 2015 में सीआरपीएफ में शामिल हुए थे और 2022 में वह 190 बटालियन का हिस्सा बने।

सरकारी स्कूल के खिड़की-दरवाजे उखाड़ ले गया सरपंच पति

बिलासपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। बेलतरा शासकीय हाई स्कूल से खिड़की, दरवाजे, चैनल गेट और टाइल्स समेत लाखों का सामान उखाड़ कर सरपंच पति अपने घर ले गया। प्राचार्य ने सामान ले जाने की सहमति दी, लेकिन विभाग के अफसरों को जानकारी तक नहीं दी गई। कलेक्टर के निर्देश पर डीईओ ने जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई करने का दावा किया है। दरअसल, राज्य शासन ने 65 लाख रुपए खर्च कर बेलतरा में हाई स्कूल भवन का निर्माण कराया है।

एक लाख की हेरोइन जब्त

पंजाब से लाकर दुर्ग में खपाते थे माल, 2 तस्कर गिरफ्तार

दुर्ग, 20 मार्च (एजेंसियां)। दुर्ग पुलिस की एसीसीयू (एंटी-क्राइम एण्ड साइबर यूनिट) टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। कुम्हारी थाना पुलिस ने पंजाब से हेरोइन लाकर छत्तीसगढ़ में तस्करी करने वाले दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि 2 युवक पंजाब से हेरोइन लाकर दुर्ग जिले में खपाते हैं। इस पर एसपी जितेंद्र शुक्ला के निर्देश पर क्राइम टीम के प्रभारी कपिल देव पांडे ने मामले की जांच की। इसके बाद कुम्हारी में घेराबंदी कर पंजाब के रहने वाले दोनों आरोपियों निशांत सिंह और सतेन्दर सिंह को हेरोइन के साथ पकड़ा। तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से अलग-अलग कुल 16 ग्राम हेराइन मिली, जिसकी कीमत करीब एक लाख रुपए है। आरोपियों ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि पंजाब से हेरोइन ढाई हजार रुपए प्रतिग्राम के हिसाब से लाकर वे यहां 5 से 6 हजार रुपए तक में बेचते थे। सोमवार को भी दोनों आरोपी टाटीबंध से माल सप्लाई करने के लिए कुम्हारी पहुंचे थे। उन्हें ऑटो से उतरते ही क्राइम ब्रांच की टीम ने धर दबोचा। बताया जा रहा है कि दोनों आरोपी आपस में चचेरे भाई हैं।

भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए जेपी प्रकाश पटेल

रांची, 20 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के मांडू विधानसभा से तीन बार के भाजपा विधायक जय प्रकाश पटेल ने भाजपा का दामन छोड़ कर कांग्रेस का हाथ थाम लिया है। वे बुधवार को दिल्ली स्थिति कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी में शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, पवन खेड़ा मौजूद थे। पार्टी कार्यालय में झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने जेपी पटेल को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कराई। इससे पहले वे बीजेपी में मुख्य सचेतक की भूमिका निभा रहे थे। कांग्रेस में शामिल होने के बाद जेपी पटेल ने कहा कि मैं भाजपा के विचारों से संतुष्ट नहीं था। उन्होंने कहा कि आज मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन जो दौड़ रहा है उसका परिणाम 2024 में हम दिखाएंगे। जेपी पटेल के कांग्रेस में शामिल होने के बाद से झारखंड की राजनीति में एक बार फिर हलचल शुरू हो गई है। संभावना जताई जा रही है कि जेपी पटेल को कांग्रेस हजारीबाग से लोकसभा चुनाव में उतार सकती है। बता दें कि जेपी पटेल टुंडी विधानसभा से जेएमएम विधायक मथुरा महतो के दामाद हैं। जेपी पटेल ने कहा कि 2019 के चुनाव में भाजपा की जीत के लिए 11 लोकसभा क्षेत्रों में जा- जाकर पिता स्व. टेकलाल महतो के करीबियों से सहयोग की अपली की थी। न केवल भाजपा बल्कि उसके सहयोगी पार्टी आजसू का भी प्रचार किया था। उन्होंने कहा कि परिस्थिति कुछ ऐसी थी कि हमें लगा कि झारखंड के लिए, वहां की जनता के लिए और पिता टेकलाल महतो के सपने को पूरा करूंगा। यही सोच के साथ भाजपा जॉइन किया था, लेकिन उस दल में मैंने अपने पिता के जो झारखंड राज्य को आगे ले जाने का सपना था, उसे पूरा नहीं कर पाया। दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि मैं समझता हूं कि यह झारखंड की आने वाली राजनीति के लिए आज का प्रकरण बहुत महत्वपूर्ण है और हमारे लिए बहुत बड़ा संकेत है।

महिला सशक्तिकरण से 2047 तक भारत बनेगा विकसित राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र में बोलीं रुचिरा कंबोज

वॉशिंगटन, 20 मार्च (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने बताया कि देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह से समाज में लैंगिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। दरअसल भारतीय मिशन ने संयुक्त राष्ट्र में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें महिलाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। कंबोज ने कहा कि भारत महिला सशक्तिकरण से ही 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा।

भारतीय मिशन ने संयुक्त राष्ट्र में कही ये बात

कार्यक्रम के दौरान भारत की यूएन में स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि महिलाओं के लिए एक बहुमुखी रणनीति तैयार की जा रही है, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में सशक्त बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल से लैंगिक न्याय, समानता और भारत के सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर 68वीं वार्षिक बैठक आयोजित की जा रही है। यह बैठक 11 मार्च से 22 मार्च तक चलेगी। इसी बैठक के दौरान भारतीय मिशन ने भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। रुचिरा कंबोज ने कहा कि महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता से भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा। कंबोज ने कहा कि पीएम मोदी का विकसित भारत के लिए विजन है कि उसमें महिलाओं की भी पूरी सहभागिता हो। जी20 की अध्यक्षता के दौरान भी पीएम मोदी ने कहा था कि महिला सशक्तिकरण के नए युग की शुरुआत हो रही है।

धार्मिक भय की कड़ी निंदा की थी

हाल ही में भारत ने संयुक्त राष्ट्र में धार्मिक भय की कड़ी निंदा की थी। भारत की संयुक्त प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि चाहे यहूदी विरोधी भावना हो, ईसाई धर्म विरोधी या इस्लाम विरोधी भावना, भारत सभी के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म विरोधी भावनाएं बढ़ी हैं और कई जगह मठ-मंदिरों और गुरुद्वारों में हमले हो रहे हैं। इस्लामोफोबिया से निपटने के उपाय पर प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कंबोज ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि भारत सभी धर्मों का सम्मान करता है और पूरे विश्व को परिवार की नजर से देखता है।

भारत ने पूरी दुनिया में सिखों की सुरक्षा पर आश्वस्त किया

अमेरिकी सिख नेता ने जयशंकर-राजनाथ की तारीफ की

वॉशिंगटन, 20 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के एक प्रतिष्ठित सिख नेता ने बताया कि भारत सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत दुनियाभर में समुदाय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

अमेरिका के सिख संगठन के जस्सी सिंह हाल ही में भारत का दौरा करके लौटे हैं। एक सिख प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की।

केंद्रीय मंत्रियों से की विकास की बात

जस्सी सिंह ने बताया कि भारत के इन वरिष्ठ नेताओं के साथ उन्होंने बात की कि कैसे सिख समुदाय भारत की मदद कर सकता है और देश के विकास का हिस्सा बन सकता है। उन्होंने कहा, हमें बहुत ही सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत सरकार दुनिया भर के सिख समुदाय की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

जस्सी सिंह ने आगे कहा, बैठक में हमने पंजाब में विकास को लेकर चर्चा की। पंजाब को अलगाववादी आंदोलन के दौरान बहुत नुकसान का सामना करना पड़ा है। उन्होंने अमेरिका और कनाडा के एक वर्ग का खंडन किया जिन्होंने आरोप लगाया कि भारत में उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। इस पर उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है। अन्य समुदाय की तरह सिखों का भी अपना मुद्दा है। भारत में अन्य नागरिकों की तरह सिखों को भी समान अधिकार प्राप्त है।

अमेरिका के सिख समुदाय अमृतसर के विकास में मदद को तैयार

सिख नेता ने कहा कि सिख अमेरिकी समुदाय पंजाब और अमृतसर के विकास में मदद करने के लिए तैयार है। उन्होंने अमृतसर के युवाओं के लिए 100 छात्रवृत्तियों की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह संधू के भाजपा में शामिल होने के फैसले का समर्थन किया है।

जस्सी सिंह ने कहा, मैं उन्हें बधाई देना चाहूंगा। भाजपा में अनुभवी और एक वरिष्ठ राजनायिक का शामिल होना बहुत अच्छी बात है। यह भाजपा के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने आगे बताया कि भारत में उन्होंने अपने गृहनगर मध्य प्रदेश के इंदौर, पंजाब में अमृतसर और दिल्ली का भी दौरा किया।

सिख नेता ने कहा, मैंने भारत के युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना, गौरव और कुछ करने की उत्सुकता देखी। अब उन्हें मौके भी मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत में समय बिताना उनके लिए एक अद्भुद अनुभव था।

राफा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई को लेकर जो बाइडन परेशान

वॉशिंगटन, 20 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल अब हमास के खिलाफ गाजा के राफा में सैन्य कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इसके पक्ष में नहीं हैं और वह इसे लेकर सार्वजनिक तौर पर चिंता जाहिर कर चुके हैं। अब अमेरिका के सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने भी बयान जारी कर बताया कि जो बाइडन इजराइल के राफा में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करने को लेकर बेहद चिंतित हैं। सुलिवन ने बताया कि इस मुद्दे पर सोमवार को राष्ट्रपति बाइडन और इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच टेलीफोन पर भी बात हुई। इस बातचीत में बेंजामिन नेतन्याहू, इजराइल की एक इंटर एजेंसी टीम को अमेरिका भेजने के लिए तैयार हो गए हैं। इजराइल की इस टीम में सेना, खुफिया एजेंसी और शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। गौरतलब है कि बीते करीब एक महीने में पहली बार जो बाइडन और बेंजामिन नेतन्याहू के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलिवन ने बताया कि इजराइल, गाजा सिटी और खान यूनिस की तरह राफा में भी बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। अब अगर इजराइल राफा में भी सैन्य कार्रवाई करता है तो फिर ये शरणार्थी कहां जाएंगे? गाजा के कई बड़े शहर पहले ही युद्ध में तबाह हो चुके हैं। इजराइल ने अमेरिका और दुनिया को राफा पर हमले की कोई योजना भी नहीं बताई है कि वो किस तरह से राफा में हमास को निशाना बनाएंगे। सुलिवन ने कहा कि राफा, मिस्त्र की सीमा पर स्थित है और अगर राफा के रास्ते ही गाजा में मानवीय मदद पहुंचाई जा रही है।

भारतीय मूल के पूर्व परिवहन मंत्री ने अपना पासपोर्ट किया सरेंडर

भ्रष्टाचार के हैं आरोप

सिंगापुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व परिवहन मंत्री एस ईश्वरप्पन ने ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद अपना पासपोर्ट अधिकारियों को सौंप दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में इस बारे में जानकारी दी है। इनमें बताया गया है कि एस ईश्वरप्पन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार ने अटॉर्नी-जनरल के चैंबर्स का हवाला देते हुए बताया कि मेलबर्न के एक अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सिंगापुर लौटने पर ईश्वरन ने अपना पासपोर्ट सरेंडर कर दिया। ईश्वरन पर जनवरी माह में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। इसके बाद उन्हें 800,000 सिंगापुर डॉलर पर जमानत दी गई थी। जमानत पर मूल रूप से 16 फरवरी से 4 मार्च तक ऑस्ट्रेलिया में रहना था, लेकिन बाद में डॉक्टर की सलाह के बाद उन्हें ऑस्ट्रेलिया प्रवास को 12 दिनों तक बढ़ाने की अनुमति थी। ईश्वरन पर कुल 27 आरोप हैं, जिनमें दो भ्रष्टाचार के हैं। भ्रष्टाचार के आरोप सिंगापुर जीपी और सिंगापुर टूरिज्म बोर्ड के बीच समझौतों के लिए होटल और प्रॉपर्टी टाइकून के व्यावसायिक हितों के लिए अरबपति ओंग बेंग सेंग से रिश्वत के संबंध में है। हालांकि ईश्वरन ने इस आरोपों को खारिज किया है। ईश्वरन ने जनवरी में सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी से इस्तीफा दे दिया और परिवहन मंत्री और संसद सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया। अभी उनका मामला सिंगापुर की हाईकोर्ट में लंबित है। सिंगापुर की एक अदालत में बुधवार को एक भारतीय नागरिक पर पिछले साल 5,000 से अधिक जंगली कछुओं को अवैध रूप से निर्यात करने का आरोप लगाया गया है। जंगली कछुओं को अवैध रूप से निर्यात करने वाले भारतीय की पहचान रफीक सैयद हारिज़ा अली हुसैन के रूप में हुई है। अदालत में दाखिल किए गए आरोप पत्र के मुताबिक, सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे से उन्होंने 5,160 लाल-कान वाले स्लाइडर, जिन्हें आमतौर पर टेरापिन के रूप में जाना जाता है, को दो बैग में भरकर तमिलनाडु के कोयंबटूर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक ले गए थे। इन कछुओं को सिंगापुर के वन्यजीव अधिनियम के तहत वन्यजीव माना जाता है। आरोप पत्र में उनके खिलाफ एक और आरोप लगाया गया है। जिसमें कहा गया है कि टेरापिन्स को बैग में भरकर ले जाते समय उन्होंने यह सुनिश्चित नहीं किया कि टेरापिन्स को परेशानी तो नहीं हो रही है। इसमे कहा गया है कि जिस बैग में भरकर टेरापिन्स को ले जाया गया वे हवादार नहीं थे, जिससे उन्हें अनावश्यक पीड़ा का सामना करना पड़ा। ऐसे में सिंगापुर के नियमों के मुताबिक, बिना लिखित मंजूरी के वन्यजीवों का निर्यात करने पर हुसैन को एक साल तक की जेल या 10,000 सिंगापुर डॉलर तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। वहीं, अगर यह साबित हो जाता है कि टेरापिन्स को अनावश्यक रूप से परेशानी हुई तो उसे एक साल तक की जेल, 10,000 एसजीडी तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

फिनलैंड हैं दुनिया के सबसे खुशहाल देश

दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया में सबसे खुशहाल देश कौन है? जाहिर है आप इस दिलचस्प रिपोर्ट को जरूर पढ़ना चाहेंगे। दरअसल कनाडा के अर्थशास्त्री जॉन एफ. हेलिवेल, रिचर्ड लेयर्ड, जेफरी सैक्स, जॉन इमैनुएल डी नेवे, लारा बी. अकनिन और शुन वांग द्वारा दुनिया के सबसे खुशहाल देशों की रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। इस सर्वेक्षण में अलग अलग देशों की जीडीपी, प्रति व्यक्ति आय, लोगों के रहन सहन, स्वतंत्रता, भ्रष्टाचार जैसे कारकों को बारीकी से देखा गया है। इसके बाद खुशहाल देशों की लिस्ट तैयार की गई। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित इस सर्वेक्षण में नॉर्डिक देशों ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन और इजराइल दुनिया के टॉप पांच खुशहाल देश हैं। इस सर्वेक्षण में तालिबान से त्रस्त अफगानिस्तान को सबसे निचले पायदान यानी 143वें नंबर पर रखा गया है। खास बात यह है कि इस लिस्ट में अमेरिका और जर्मनी ने पहली बार शीर्ष 25 खुशहाल देशों की लिस्ट में जगह बनाई है। अमेरिका को 23वां जबकि जर्मनी को 24वां स्थान मिला है। इसके अलावा कुवैत और कोस्टा रिका जैसे देशों की खुशहाली में भी इजाफा हुआ है। कोस्टा रिका ने 12वां और कुवैत ने 13वां स्थान हासिल कर टॉप 20 देशों की सूची में जगह बनाई है। सर्वेक्षण में भारत को 126वें पायदान पर रखा गया है। आपको बता दें कि साल 2023 के सर्वेक्षण में भी भारत को 126वां स्थान मिला था। इस सर्वेक्षण में तालिबान से त्रस्त अफगानिस्तान को सबसे निचले पायदान यानी 143वें नंबर पर रखा गया है। अफगानिस्तान, लेबनान और जॉर्डन जैसे देशों की खुशहाली में 2010 के बाद से लगातार गिरावट देखने को मिली है।

अमेरिका के ओहायो में भारतीय छात्र अगवा

किडनैपर्स ने हैदराबाद में रह रहे पिता से एक लाख रुपए फिरौती मांगी, किडनी बेचने की धमकी दी

वॉशिंगटन, 20 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में एक भारतीय छात्र को अगवा कर लिया गया है। किडनैपर्स ने हैदराबाद में रह रहे उसके पिता से करीब एक लाख रुपए की फिरैती मांगी है। साथ ही धमकी दी है कि अगर पैसे नहीं भेजे गए या पुलिस को खबर दी गई तो वो छात्र की किडनी बेच देंगे।

25 साल का अब्दुल मोहम्मद ओहायो के क्लीवलैंड यूनिवर्सिटी में मास्टर्स की पढ़ाई कर रहा था। वो मई 2023 में अमेरिका गया था। उसके परिवार का कहना है कि 7 मार्च के बाद से उनकी अब्दुल से बात नहीं हुई।

ड्रग डीलर ने किडनैप किया

अब्दुल के पिता मोहम्मद सलीम को पिछले हफ्ते एक अज्ञात नंबर से फोन आया था। कॉलर ने कहा कि उनके बेटे को अगवा कर लिया गया है। किडनैपिंग क्लीवलैंड के में ड्रग डीलर्स ने की है। उन्होंने छात्र को छोड़ने के लिए करीब एक लाख रुपए की मांग की है।

पैसे कैसे भेजने हैं नहीं बताया

अब्दुल के पिता के मुताबिक, किडनैपर्स ने यह नहीं बताया कि पैसे कैसे भेजने हैं। उन्होंने कहा कि किडनैपर्स ने इस बात जिक्र नहीं किया कि उन्हें पैसे ऑनलाइन चाहिए या कैश चाहिए।

किडनैपर्स के फोन कॉल के बाद पिता ने अमेरिका में रहने वाले अपने रिश्तेदारों को फोन किया और पूरा मामला बताया। रिश्तेदारों ने पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस के मुताबिक,अब्दुल को आखिरी बार सफेद टी-शर्ट, लाल रंग की जैकेट और नीले जीन्स में देखा गया था। परिवार ने शिकागो स्थित भारतीय दूतावास को भी पत्र लिखकर मदद मांगी है।

अमेरिका में बढ़े भारतीय-भारतवंशियों की मौत के मामले

पिछले कुछ महीनों के अंदर अमेरिका में भारतीयों की मौत की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस साल शुरुआती 2 महीनों के अंदर अमेरिका में 5 भारतीय छात्रों और 3 भारतीय मूल के लोगों की मौत हो गई।

भारतीयों की मौत पर पिछले महीने व्हाइट हाउस ने भी बयान जारी किया था। व्हाइट हाउस के नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के स्पोक्स पर्सन जॉन किर्बी ने कहा था- नस्ल, लिंग या किसी भी आधार पर हिंसा अमेरिका में स्वीकार नहीं की जाएगी। राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनका प्रशासन इन हमलों को रोकने की पूरी कोशिश कर रहा है।

संघीय-प्रांतीय चुनावों की न्यायिक आयोग से जांच की मांग

इस्लामाबाद, 20 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए आम चुनावों में धांधली के आरोपों की जांच को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। जिसमें उन्होंने एक न्यायिक आयोग के जरिए जांच की मांग की है। गौरतलब है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने आठ फरवरी के आम चुनाव के नतीजों में हेरफेर का आरोप लगाकर नतीजों को मानने से इनकार कर दिया था। पीटीआई नेता और वरिष्ठ वकील हामिद खान ने इमरान खान की ओर से याचिका दायर की, जिसमें कहा गया कि न्यायिक आयोग को आठ फरवरी को हुए आम चुनावों की प्रक्रिया और आचरण से संबंधित मामलों की जांच, ऑडिट और समीक्षा करनी चाहिए। परिणामों की जांच पूरी होनी चाहिए और रिपोर्ट्स को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। पीटीआई ने याचिका में दावा किया कि संघीय और पंजाब स्तर पर सरकार बनाने के सभी परिणामों को तब तक निलंबित कर दिया जाना चाहिए।

श्रीलंका में फिर रुक सकेगा चीन का जासूसी जहाज

ड्रैगन के विरोध के बाद बैन हटाया, फरवरी में मालदीव पहुंचा था चीनी जहाज

कोलंबो, 20 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंका ने अब विदेशी रिसर्च जहाजों को अपने पोर्ट पर रुकने की इजाजत दे दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन की तरफ से विरोध किए जाने के बाद श्रीलंका ने विदेशी जहाजों के रुकने पर लगा बैन हटा दिया है। दरअसल, हाल ही में पड़ोसी देश ने एक जर्मन रिसर्च वेसल को अपने पोर्ट पर रुकने की इजाजत दी थी। इस पर चीन की एम्बेसी ने विरोध जताया कि जब फरवरी में उनके जहाज को रुकने की अनुमति नहीं मिली थी, तो जर्मनी के जहाज को क्यों रुकने दिया गया।

इसके बाद श्रीलंका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा- विदेशी जहाजों हमारे पोर्ट पर रुककर रिसर्च नहीं कर सकते। लेकिन ये ईंधन भरने के लिए यहां रुक सकते हैं। दरअसल, पिछले साल श्रीलंका में 2 चीनी खुफिया जहाज रुके थे। इस पर भारत और अमेरिका ने हिंद महासागर में सुरक्षा की चिंता जताते हुए विरोध किया था। भारत के दबाव के बाद श्रीलंका ने विदेशी जहाजों के रुकने पर बैन लगा दिया था। श्रीलंका के विदेश मंत्री ने कहा था- भारत की चिंता हमारे लिए बेहद अहम है। हमने इसके लिए अब एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) बनाया है और इसे बनाते वक्त भारत सहित दूसरे दोस्तों से सलाह भी ली थी। इसके बाद इस साल फरवरी में चीन का जासूसी जहाज श्रीलंका की जगह मालदीव की राजधानी माले के पोर्ट पर रुका था। चीन के पास कई जासूसी जहाज हैं। वो भले ही कहता हो कि वो इन शिप का इस्तेमाल रिसर्च के लिए करता है, लेकिन इनमें पावरफुल मिलिट्री सर्विलांस सिस्टम होते हैं। मालदीव और श्रीलंकाई बंदरगाह पर पहुंचने वाले चीनी जहाजों की जद में आंध्रप्रदेश, केरल और तमिलनाडु के कई समुद्री तट आ जाते हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि चीन ने भारत के मुख्य नौसेना बेस और परमाणु संयंत्रों की जासूसी के लिए इस जहाज को श्रीलंका भेजा है। चीन के जासूसी जहाजों में हाई-टेक ईव्सड्रॉपिंग इक्विपमेंट (छिपकर सुनने वाले उपकरण) लगे हैं। यानी श्रीलंका के पोर्ट पर खड़े होकर यह भारत के अंदरूनी हिस्सों तक की जानकारी जुटा सकता है। साथ ही पूर्वी तट पर स्थित भारतीय नौसैनिक अड्डे इस शिप की जासूसी के रेंज में होंगे। चांदीपुर में इसरो के लॉन्चिंग केंद्र की भी इससे जासूसी हो सकती है। इतना ही नहीं देश की अग्नि जैसी मिसाइलों की सारी सूचना जैसे कि परफॉर्मेंस और रेंज के बारे में यह जानकारी चुरा सकता है। एक महीने से ज्यादा समय से भारत इस जासूसी जहाज पर कड़ी नजर रख रहा है। यह 23 सितंबर को मलक्का जलडमरूमध्य से हिंद महासागर में पहुंचा। 10 सितंबर को अपने होमपोर्ट गुआंगजौ से निकलने के बाद इसे 14 सितंबर को सिंगापुर में देखा गया था। चीन के पास कई जासूसी जहाज हैं। ये पूरे प्रशांत, अटलांटिक और हिंद महासागर में काम करने में सक्षम हैं। ये शिप जासूसी कर बीजिंग के लैंड बेस्ड ट्रैकिंग स्टेशनों को पूरी जानकारी भेजते हैं। चीन युआन वांग क्लास शिप के जरिए सैटेलाइट, रॉकेट और इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल की लॉन्चिंग को ट्रैक करता है।

सेहत को लेकर अफवाहों के बीच अस्पताल से केट मिडलटन के मेडिकल रिकॉर्ड चुराने की कोशिश

लंदन, 20 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रिंस विलियम की पत्नी केट मिडलटन की सेहत को लेकर अफवाहों का दौर चल रहा है। इन अफवाहों के बीच खबर आई है कि जिस अस्पताल में केट की बीते दिनों सर्जरी हुई, उसमें से केट के मेडिकल रिकॉर्ड चुराने की कोशिश की गई। मामला ब्रिटिश राजघराने से जुड़ा होने के कारण घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। बता दें कि सर्जरी के बाद से केट मिडलटन सार्वजनिक तौर पर दिखाई नहीं दी हैं। हाल ही में मीडिया में उनकी एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें वह अपने पति के साथ दिखाई दी हैं।

अस्पताल के कर्मचारी पर ही मेडिकल रिकॉर्ड चोरी के आरोप

ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, केट मिडलटन के मेडिकल रिकॉर्ड चुराने के आरोप में अस्पताल के कर्मचारी पर ही आरोप लगे हैं। घटना के तुरंत बाद अस्पताल प्रशासन ने

जांच के आदेश

केनसिंग्टन पैलेस को इसकी जानकारी दी और उन्हें सुनिश्चित किया कि इसकी विस्तृत जांच की जाएगी। ब्रिटिश राजघराने के सदस्यों का इलाज लंदन के इसी अस्पताल में किया जाता है। यही वजह है कि मेडिकल रिकॉर्ड की चोरी की कोशिश के खुलासे से अस्पताल की छवि को बड़ा झटका लगा है।

जांच कर रहीं जांच एजेंसियां

ब्रिटेन की डाटा प्रोटेक्शन एंड प्राइवेसी अथॉरिटी ने भी घटना की पुष्टि की है और बताया है कि उन्हें इस संबंध में शिकायत मिली है। अथॉरिटी ने बताया कि इसकी जांच की जा रही है। गौरतलब है कि बीते कई दिनों से केट मिडलटन की सेहत को लेकर तरह तरह की चर्चाएं चल रही हैं। दरअसल जनवरी में केट की सर्जरी हुई थी और उसके बाद से ही वह सार्वजनिक कार्यक्रम में

नहीं दिखी हैं। शाही महल के कई कर्मचारियों ने भी दावा किया कि उन्होंने कई दिनों से केट मिडलटन को नहीं देखा। हालांकि अब ब्रिटिश मीडिया में केट मिडलटन की ताजा तस्वीर सामने आई है, जिसमें केट अपने पति प्रिंस विलियम के साथ लंदन की एक शॉप से खरीददारी करती दिखाई दीं। इससे केट की सेहत को लेकर चल रहीं अफवाहों पर कुछ रोक लगी है।

केट की तस्वीर पर हुआ था विवाद

केट की सेहत को लेकर चर्चा तब शुरू हुई, जब मदर्स डे को मौके पर केनसिंग्टन पैलेस द्वारा केट की एक तस्वीर साझा की गई, लेकिन उस तस्वरी से कांट-छांट की गई थी। विवाद बढ़ने पर बाद में खुद शाही परिवार की तरफ से तस्वीर में कांट-छांट की बात स्वीकार की गई।

इंडोनेशिया में बाढ़ से 2.5 लाख लोग प्रभावित

11 जिलों के 88 गांव डूबे, 23 हजार से ज्यादा लोगों ने शेल्टर होम में शरण ली

जावा, 20 मार्च (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के मध्य जावा द्वीप में आई बाढ़ ने वहाँ तबाही मचा दी है। बाढ़ का मुख्य कारण बांध से पानी का रिसाव रहा जिससे की वहाँ के 11 जिलों के 88 गांव डूब गए।

रिसाव के बाद पास मौजूद हजारों घरों में पानी घुस गया और लोग अपने घर छोड़कर भाग गए। इसमें ढाई लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए जिसमें से 23,000 से ज्यादा लोगों ने शेल्टर होम में शरण ली है। स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव कार्य कर रहा है लेकिन अभी तक 5 लोग मारे गए है। हालांकि इंडोनेशिया में बारिश के मौसम में अक्सर बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाएं आती रहती हैं।

बाइडन-ट्रंप ने कई राज्यों के प्राइमरी चुनाव में दर्ज की जीत

राष्ट्रपति चुनाव में कड़ी टक्कर का अनुमान

वॉशिंगटन, 20 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को हुए प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की। मंगलवार को ओहायो, इलिनोइस, कंसास, फ्लोरिडा और एरिजोना में रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव हुए। अभी तक आए नतीजों के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने एरिजोना, फ्लोरिडा में जीत दर्ज कर ली है। वहीं अन्य राज्यों में भी उनकी जीत तय है। डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से जो बाइडन उम्मीदवार हैं। वहीं रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद के दावेदार हैं।

डेमोक्रेट पार्टी के प्राइमरी चुनाव मंगलवार को कंसास, ओहायो, इलिनोइस और एरिजोना में हुए। इन सभी में जो बाइडन 80 फीसदी से ज्यादा मत पाकर विजयी रहे हैं। मंगलवार को कैलिफोर्निया में भी स्पेशल प्राइमरी चुनाव के लिए मतदान हुआ। दरअसल रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने बीते साल दिसंबर में इस्तीफा दे दिया था। यही वजह है कि मैक्कार्थी के इस्तीफे की वजह से कैलिफोर्निया में स्पेशल प्राइमरी चुनाव हो रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप इस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के नेता विंस फोंग का समर्थन कर रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने भी मंगलवार को अपने गृह राज्य फ्लोरिडा में प्राइमरी चुनाव के लिए मतदान किया। ट्रंप ने पाम बीच के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। मतदान के बाद ट्रंप ने कहा कि 'मैंने डोनाल्ड ट्रंप के लिए वोट किया है।' राष्ट्रपति चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहे हैं। ट्रंप और बाइडन का प्रचार भी तेज हो रहा है। इसी के तहत बाइडन ने मंगलवार को नेवादा और एरिजोना का दौरा किया।

इन दोनों राज्यों में पिछले राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बाइडन और ट्रंप में करीबी मुकाबला हुआ था। ऐसे में इस बार दोनों शीर्ष नेता कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते और इन दोनों राज्यों पर विशेष फोकस कर रहे हैं।

नामांकन के पहले दिन ही सीएम भजनलाल शर्मा शेखावाटी दौरे पर

सीकर, 20 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की रणभेरी के साथ ही भाजपा और कांग्रेस के साथ अन्य दलों ने तैयारी तेज कर दी है। टिकट वितरण में भाजपा और कांग्रेस अभी बराबरी पर है। भाजपा की ओर से सीकर व चूरू संसदीय क्षेत्र के लिए चुनाव की घोषणा से पहले पत्ते घोषित कर दिए थे। जबकि कांग्रेस की ओर से महज चूरू व झुंझुनूं सीट पर ही प्रत्याशी की घोषणा की है। कांग्रेस की ओर आगामी सूची में सीकर के लिए नाम की घोषणा होने की आस है। वहीं भाजपा की ओर से झुंझुनूं के लिए पत्ते भी इसी सप्ताह खोलने की तैयारी है। सूत्रों का मानना है कि यदि सीकर सीट को माकपा और कांग्रेस में गठबंधन नहीं होता है तो किसी युवा को टिकट मिलने की पूरी संभावना है।

चूरू में बदले समीकरण: दोनों दलों का पूरा फोकस

चूरू के मौजूदा सांसद राहुल कस्वा के कांग्रेस के दामन पकड़ने के साथ ही दोनों दलों की चुनौती बढ़ गई है। राहुल के भाजपा से जाने के बाद जहां पाटी आलाकमान एकजुटता का रोडमैप बनाने में जुटा है। वहीं कांग्रेस में नए प्रत्याशी को टिकट देने से एक धड़ा नाराज भी है।

आज सीकर, चूरू व झुंझुनूं के कलस्टर कार्यकर्ताओं की बैठक

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने तैयारी तेज कर दी है। सीकर व झुंझुनूं संसदीय क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक झुंझुनूं जिले में शुरू हो गई है। जबकि चूरू जिले के कार्यकर्ताओं की बैठक चूरू जिले में बुधवार शाम पांच बजे होनी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी बुधवार को दिनभर शेखावाटी दौरे पर रहेंगे।

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस दे चुकी है चुनौती

विधानसभा चुनाव में भाजपा को कांग्रेस कड़ी चुनौती दे चुकी है। शेखावाटी में कांग्रेस का गढ़ अभी इतना कमजोर नहीं हुआ है इसलिए भाजपा की ओर से लोकसभा चुनाव के लिए अलग तरीके से मतदाताओं को सांधने की तैयारी की जा रही है।

लोकसभा चुनावः नामांकन आज से, 27 से भर सकेंगे पर्चे

लोकसभा चुनाव अब पूरी तरह बज चुका है। लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन 20 मार्च से दाखिल होंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी कमर उल जमान चौधरी ने बताया कि पहले दिन दोपहर एक बजे तक किसी ने भी पर्चा दाखिल नहीं किया है। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने वाले अभ्यर्थी नाम निर्देशन पत्र स्वयं या अपने प्रस्तावक के जरिए जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में 27 मार्च तक सुबह ग्यारह बजे से दोपहर बजे तक जमा करवा सकते है। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 28 मार्च को रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में होनी है। नाम वापिस लेने की अन्तिम तिथि 30 मार्च है। नाम निर्देशन दाखिल करने वाले अभ्यर्थी रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय के 200 मीटर परिधि में किसी प्रकार की रैली, जुलुस एवं जनसभा नहीं करेंगे। नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करते समय रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में अभ्यर्थी के साथ पांच व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति है। साथ ही रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय की 100 मीटर की परीधि में तीन से अधिक वाहनों की अनुमति नहीं रहेगी।

ईवीएम का प्रथम रेण्डमाईजेशन

लोकसभा चुनाव के दौरान आठ विधानसभाओं के लिए ईवीएम का प्रथम रेण्डमाईजेशन हुआ। एनआईसी में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर कमर उल जमान चौधरी तथा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रथम रेण्डमाईजेशन किया गया। जिले की विधानसभा सीकर,धोद, फतेहपुर, खण्डेला, दांतारामगढ़, लक्ष्मणगढ़ ,श्रीमाधोपुर, नीमकाथाना के लिये चुनाव के लिये प्रयुक्त होने वाली ईवीएम का प्रथम रेण्डमाईजेशन हुआ। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन रणजीत सिंह, राजस्व अपीलीय अधिकारी बीआर धोजक, सहायक कलेक्टर मुनेश कुमारी, एनआईसी के अतिरिक्त सूचना विज्ञान अधिकारी सोमेन्द्र पूनिया, निर्वाचन शाखा प्रभारी चन्द्रप्रकाश भडिया आदि मौजूद रहे।

इधर, कांग्रेस नेताओं से मिल रहे हैं कस्वां

कांग्रेस की ओर से राहुल कस्वां को प्रत्याशी बनाया गया है, लेकिन वे अभी कांग्रेस नेताओं से मिलकर उनके मन की थाह लेने में जुटे हैं। सूत्रों की माने तो भाजपा से कांग्रेस में शामिल हुए राहुल को तत्काल टिकट दिए जाने को कई नेता पचा नहीं पा रहे हैं।

माकपा में विचार मंथन

चूरू संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में माकपा चुनाव लड़ेगी या नहीं इसका अभी फैसला नहीं हुआ हैं। माकपा जिला इकाई चूरू के सचिव निर्मल प्रजापत ने बताया कि इण्डिया गठबंधन की दृष्टि से उनकी पार्टी की ओर से राजस्थान में अपने हिस्से में आनेवाली सीट पर चुनाव लड़ेगी। गठबंधन स्तर पर तय होने के बाद ही चूरू की सीट के लिए अधिकृत घोषणा की जा सकेगी। सूत्रों की माने तो माकपा ने सीकर सीट पर दावा किया हैं।

बसपा के रुख का इंतजार

सादुलपुर से बसपा के विधायक है, लेकिन लोकसभा क्षेत्र चूरू में उनकी पार्टी का प्रत्याशी कौन होगा, चुनाव लड़ेंगे या नहीं। इसकी अभी तस्वीर अभी साफ नहीं की हैं। बसपा चूरू संसदीय क्षेत्र से निरंतर चुनाव लड़ती आ रही है, लेकिन इस बार उसका क्या रुख रहेगा इसका अभी इंतजार हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तक पहुंचा राजस्थान का ये गंभीर मुद्दा

फ़ौरन 'एक्शन' लेने की लगाई गुहार

जयपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के नागरिकों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण विषय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संज्ञान में लाया गया है। प्रवासी राजस्थानियों की असुरक्षा के मुद्दे पर एक सांसद ने चिट्ठी लिखकर उनसे फ़ौरन हस्तक्षेप करने की मांग की है। देश के विभिन्न राज्यों में रह रहे राजस्थान के प्रवासियों की असुरक्षा को लेकर पहली बार सवाल उठने लगे हैं। दरअसल, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित कुछ अन्य राज्यों से सामने आई हैरान करने वाली घटनाएं प्रवासी राजस्थानियों में असुरक्षा को बयां कर रहीं हैं। नौबत और ज़्यादा बिगड़ने की आशंका के बीच एक सांसद ने तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तक से गुहार लगाकर हस्तक्षेप करने की अपील कर डाली है।

कर्नाटक की नगराथपेट इलाके में झुमा मस्जिद रोड पर दिनदहाड़े राजस्थानी प्रवासी गोपाल भाई धुकाजी राजपुरोहित की दुकान में कुछ लोगों ने अनधिकृत प्रवेश किया और उनसे मारपीट कर

जानलेवा हमला किया।

महाराष्ट्र के नासिक शहर में कुछ स्थानीय लोगों द्वारा राजस्थानी प्रवासी व्यापारियों को व्यवसाय में परेशान कर अवैध वसूली और प्रताड़ित करने के मामले सामने आए हैं। इस संबंध में पीड़ित प्रवासियों ने स्थानीय पुलिस स्टेशन पर मामले भी दर्ज करवाए हैं।

जानकारी के अनुसार प्रवासी राजस्थानियों पर हमले होने की घटनाओं पर एफआईआर तो दर्ज हो रही है, लेकिन आरोपियों को पकड़ने की कोई पुख्ता कार्रवाई नहीं हो रही है। इसे लेकर प्रवासियों में असुरक्षा की भावना और रोष लगातार बढ़ता चला जा रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री तक पहुंची बात

राजस्थान के जालोर-सिरोही सांसद देवजी पटेल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को प्रवासी राजस्थानियों पर जानलेवा हमलों और असुरक्षा के संबंध में पत्राचार के ज़रिए अवगत कराया है। साथ ही गृह मंत्री से इन मामलों को गंभीरता से लेकर तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

सांसद देवजी पटेल ने गृह मंत्री को लिखे पत्र में कर्नाटक और महाराष्ट्र में हुई घटनाओं का ज़िक्र करते हुए जल्द से जल्द कानूनी कार्रवाई करने और प्रवासियों के साथ इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो, इसके लिए कठोर कानून बनाये जाने की भी अपील की है।

राजस्थानी प्रवासी वर्त्तमान में विभिन्न राज्यों में अपना व्यवसाय और कारोबार कर रहे हैं। इसी कारण वे अपने परिवार के साथ वहीं निवास भी कर रहे हैं।

अब जल्द ही छोटे खेतों में भी लगेंगे सोलर सिस्टम

भजनलाल सरकार ने दी स्वीकृति

प्रतापगढ़, 20 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश में अब जल्द ही छोटे-छोटे खेतों में सोलर सिस्टम लगा हुआ दिखाई देगा। सरकार ने इस वर्ष तीन और पांच एचपी सोलर सिस्टम पर अनुदान आदि पर रोक लगा थी, लेकिन गत दिनों इसकी स्वीकृति मिलने से छोटी काश्त में भी सोलर सिस्टम लगाने का रास्ता साफ हो गया है। जिले के 273 किसानों को स्वीकृति जारी की गई है। इसमें 60 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।

सरकार की ओर से इस साल की शुरुआत में तीन और पांच एचपी के सोलर सिस्टम और उसकी सब्सिडी आदि बंद कर दी थी। इससे छोटी काश्त वाले किसान परेशान हो रहे थे। इस पर उद्यान विभाग की ओर से जिला कलक्टर के माध्यम से सरकार को अर्द्धशासकीय पत्र लिखवाया गया था। इसमें बताया कि जिले का अधिकांश क्षेत्र पहाड़ी और पथरीला होने के कारण खेती की जमीन नाममात्र की है। इसके कारण अधिकांश खेत छोटे हैं। इस पर सरकार की ओर से छोटे

खेत वाले किसानों को राहत पहुंचाने के उद्धेश्य से तीन और पांच एचपी के सोलर पंप पर सब्सिडी आदि फिर से शुरू कर दी। इसके तहत जिले में पहले से लम्बित फाईलों का निस्तारण करते हुए उद्यान विभाग ने 273 किसानों को तीन और पांच एचपी पंप लगाने की स्वीकृति जारी की है। इसके कारण अब जल्द ही छोटे-छोटे खेतों में सोलर सिस्टम लगे हुए दिखाई देंगे।

जिले के किसानों को मिलेगा फायदा

जिले में अधिकांश खेत छोटे हैं। इसके कारण सरकार से तीन और पांच एचपी सोलर सिस्टम पर सब्सिडी के लिए निवेदन किया था, जिसे सरकार ने स्वीकृति दी। इसके चलते 273 किसानों की स्वीकृति गत दिनों जारी कर दी। इसमें नियमानुसार सब्सिडी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

हरिओम राणा, उपनिदेशक कृषि विभाग (उद्यान) राजसमंद

यह होगा फायदा

- डिस्कॉम की बिजली सप्लाई पर निर्भरता कम होगी
- किसान दिन में भी कर सकेंगे फसलों की सिंचाई
- शेष बिजली डिस्कॉम को मिलेगी तो उत्पादन बढ़ेगा
- बिजली के बिल से मुक्ति मिलेगी और सुविधाएं बढ़ेगी

यह मिलेगा अनुदान

उद्यान विभाग के अनुसार सोलर सिस्टम लगाने पर सरकार की ओर से नियमानुसार सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके तहत तीन एचपी पर 01 लाख 14 हजार की सब्सिडी मिलेगी। इसी प्रकार पांच एचपी पर 01 लाख 76 हजार और 7.50 एचपी पर 2.38 लाख की सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी।

कहीं गहलोत तो कहीं सीएम भजनलाल की प्रतिष्ठा दांव पर, ये हैं राजस्थान की 5 हॉट सीट

जयपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव-2024 के पहले चरण के तहत राजस्थान की 12 सीटों पर आज नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। हालांकि, अभी तक राजस्थान की 8 सीटों पर ही तस्वीर हो पाई है कि कहां से कौन चुनावी रण में किस्मत आजमा रहा हैं। ऐसे में हर किसी को बीजेपी और कांग्रेस की लिस्ट का इंतजार है। बता दे कि अब तक बीजेपी ने 25 लोकसभा सीट में से 15 और कांग्रेस ने 10 सीटों पर ही प्रत्याशियों का ऐलान किया है।

अगर सियासी माहौल पर नजर डाले तो अब तक प्रदेश की 5 लोकसभा सीट ऐसी हैं, जो हॉट सीट बनी हुई हैं। इन हॉट सीटों पर कहीं पूर्व सीएम अशोक गहलोत तो कहीं सीएम भजनलाल शर्मा की प्रतिष्ठा दांव पर है। इनके अलावा बीजेपी अध्यक्ष सीपी जोशी और बीजेपी छोड़ कांग्रेस में गए राहुल कस्वां सहित कई दिग्गजों की किस्मत दांव पर है। वहीं, एक सीट ऐसी हैं, जहां पर दो नौकरशाहों के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। आईये जानते है राजस्थान की इन हॉट लोकसभा सीटों के बारे में...

ये हैं राजस्थान की हॉट लोकसभा सीट

जोधपुर : इस सीट पर 26 अप्रैल को चुनाव होना हैं। यहां बीजेपी के गजेंद्रसिंह शेखावत और कांग्रेस के करण सिंह उचियारड़ा के बीच रोचक मुकाबला देखने को मिलेगा। जोधपुर पूर्व सीएम अशोक गहलोत का गृह जिला है। ऐसे में यहां गहलोत की प्रतिष्ठा दांव पर है। पिछले लोकसभा चुनाव में यहां से कांग्रेस ने गहलोत के बेटे वैभव को टिकट दिया था, जो गजेंद्र सिंह शेखावत के सामने हार गए थे। ऐसे में यह सीट निकालना गहलोत के लिए काफी चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है।

जालोर : इस सीट पर 26 अप्रैल को चुनाव होना है। यहां कांग्रेस के वैभव गहलोत और बीजेपी लुंबाराम चौधरी के बीच मुकाबला है। इस सीट को कभी कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। 2004 के बाद से यह सीट भाजपा के हाथ में चली गई

और देवजी पटेल जीतते आ रहे हैं। लेकिन, इस बार बीजेपी ने लुंबाराम चौधरी को टिकट देकर बड़ा दाव खेला है। अगर वैभव की बात करें तो वो स्थानीय नहीं है, ऐसे में उनका जिले में विरोध भी हो रहा है। ऐसे में जोधपुर के साथ—साथ जालोर में भी गहलोत की प्रतिष्ठा दांव पर है।

चूरू : यहां बीजेपी के देवेंद्र झाझड़िया व कांग्रेस के बीच राहुल कस्वां के बीच मुकाबला है। बीजेपी ने दो बार सांसद रहे राहुल कस्वां का टिकट काटकर जेवलीन थ्रो (भाला फेंक) के स्टार खिलाड़ी देवेंद्र झाझड़िया को मैदान में उतारा है। वहीं, बीजेपी से नाता तोड़ने वाले राहुल को कांग्रेस ने चूरू से प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में माना जा रहा है कि यहां कांग्रेस बीजेपी को कड़ी चुनौती दे सकती है।

भरतपुर : यहां 19 अप्रैल को चुनाव होने हैं। इस सीट से बीजेपी के रामस्वरूप कोली और कांग्रेस की संजना जाटव मैदान में है। बीजेपी ने इस बार अपना प्रत्याशी बदला है। ऐसे में सीएम भजनलाल शर्मा की प्रतिष्ठा दांव पर है, क्योंकि ये उनका गृह जिला है। दूसरी ओर कांग्रेस नेता विश्वेन्द्र सिंह, भजनलाल जाटव, जाहिदा खान व जोगेंद्र अवाना की साख भी दांव पर है।

चित्तौड़गढ़ : यहां दूसरे चरण में 26 अप्रैल को चुनाव होंगे। इस सीट पर बीजेपी के सीपी जोशी और कांग्रेस के उदयलाल आंजना मैदान में है। ऐसे में यहां रोचक मुकाबला देखने को मिलेगा। हालांकि, निर्दलीय विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने लोकसभा चुनाव लड़ने का संकेत देकर दो बार सांसद रहे बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष की मुश्किलें बढ़ा दी थी। लेकिन, अब उनके बीजेपी को समर्थन देने के बाद यहां सीपी जोशी मजबूत स्थिति में हैं।

यहां दो पूर्व नौकरशाहों के बीच मुकाबला

अब तक जिन सीटों पर प्रत्याशियों ऐलान हुआ, उनमें में से सिर्फ उदयपुर लोकसभा सीट ही ऐसी हैं। जहां पर दो पूर्व नौकरशाह के बीच रोचक मुकाबला देखने को मिलेगा। बीजेपी ने अर्जुनलाल मीणा का टिकट काटकर पूर्व परिवहन अधिकारी मन्नालाल को अपना प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने उदयपुर के पूर्व कलेक्टर ताराचंद मीणा पर दांव खेला है।

अब ये मेरी ज़िम्मेदारी', सीएम भजन लाल से बात करने के बाद ऐसा क्या बोले ज्योतिरादित्य सिंधिया ?

कोटा, 20 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के 'कोचिंग हब' कोटा से एक कोचिंग छात्रा के कथित अपहरण का मामला गर्माया हुआ है। पुलिस को कोचिंग छात्रा के अपहरण के दूसरे दिन भी कोई ठोस सुराग नहीं लगा। इस बीच गायब हुई छात्रा को दस्तयाब करने और पूरी गुत्थी को सुलझाने में राज्य सरकार के स्तर स्तर पर प्रयास तेज हो गए हैं।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से कोटा से गायब हुई छात्रा के सिलसिले में बात की है। साथ ही छात्रा को जल्द दस्तयाब करने को लेकर परिजनों को भरोसा दिलाया है। ज्योतिरादित्य का एक

वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वे कोचिंग छात्रा के परिजनों को ढांढस बंधाते और उनकी लड़की को खोजकर लाने का आहवासन देते दिख रहे हैं।

सिंधिया परिजनों से कहते हैं, 'आप चिंता मत कीजिये, बच्ची को खोजकर लाना अब मेरी ज़िम्मेदारी है। बेटी आपकी नहीं, हमारी भी है। मेरी राजस्थान के मुख्यमंत्री से बात हो गई है। उन्होंने पुलिस को जलस इस मामले को सुलझाने के लिए निर्देशित किया है। जल्द ही उसे ढूंढ लिया जाएगा।'

कोटा एसपी ने छात्रा के संबंध में सूचना देने वाले को 20 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की है। इधर खबर ये भी है कि पुलिस ने जयपुर से एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है। जिस छात्रा के अपहरण होने की बात सामने आई है, वो मध्यप्रदेश के शिवपुरी क्षेत्र की निवासी है। कथित अपहरणकर्ता ने छात्रा के पिता को हाथ-पैर बंधे हुए फोटो भेजकर 30 लाख रुपए की फिरौती भी मांगी है। अगस्त 2023 में छात्रा की मां उसके एडमिशन के लिए कोटा आई थी, लेकिन कोटा के किसी भी कोचिंग संस्थान में एडमिशन नहीं लिया था।

आजीवन कारावास की सज़ा काट रहे आसाराम

अब राजस्थान हाईकोर्ट से आ गई ये नई और बड़ी अपडेट

जोधपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। नाबालिग से यौन शोषण के आरोप में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आसाराम को लेकर अब एक और नई और बड़ी अपडेट आई है। दरअसल, राजस्थान हाईकोर्ट (जोधपुर) ने आसाराम की उस विशेष याचिका पर अनुमति देने से इंकार कर दिया, जिसमें उसने मुंबई जाकर अपना इलाज करवाने की गुहार लगाई थी।

जानकारी के अनुसार आसाराम ने राजस्थान हाईकोर्ट से मुंबई जाकर स्वयं का आयुर्वेद उपचार कराने की अनुमति मांगी थी। इसके लिए आसाराम पक्ष के वकीलों की ओर से कोर्ट के समक्ष

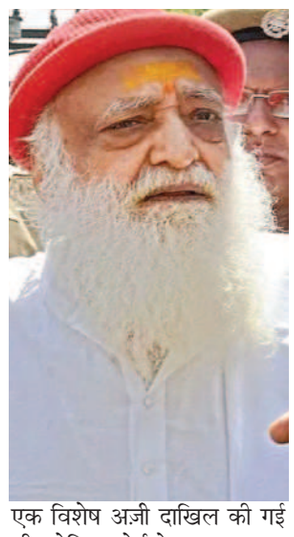

एक विशेष अर्ज़ी दाखिल की गई थी। लेकिन कोर्ट ने आसाराम पक्ष की इस गुहार को खारिज कर दिया और उन्हें इसके लिए अनुमति नहीं दी।

इसलिए नहीं मिली अनुमति

राजस्थान हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ में आसाराम की इस अर्जी को लेकर बुधवार को सुनवाई हुई। बताया गया है कि आसाराम के मुंबई में आयुर्वेदिक उपचार को लेकर महाराष्ट्र पुलिस ने आपत्ति जताई है। पुलिस ने इसके पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दिया है। महाराष्ट्र पुलिस की इसी दलील को कोर्ट ने भी माना और आसाराम की गुहार नहीं मानी।

एक किलो अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया

हनुमानगढ़, 20 मार्च (एजेंसियां)। जिले की सदर थाना पुलिस ने डीएसटी टीम के सहयोग से कार्रवाई करते हुए 1 किलो अफीम ले जाते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। सदर थाना प्रभारी लालबहादुर ने बताया कि लोकसभा चुनावों को देखते हुए रेंज स्तर पर आईजी बीकानेर द्वारा अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश पर एनडीपीएस एक्ट के तहत डीएसटी टीम की मदद से पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। सदर थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि डीएसटी टीम की मदद से पुलिस ने डबली राठान से पीलीबंगा रोड पर पैदल जा रहे व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 1 किलो अफीम बरामद की गई।

पुलिस ने अफीम जब्त कर तस्कर इलाई बक्श (59) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस आरोपी से सप्लाई को लेकर पूछताछ कर रही है।

सनकी युवक ने धारदार हथियार से प्रेमिका का गला काटा

भरतपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। भरतपुर के मथुरागेट थाना इलाके में हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां एक युवक ने अपनी प्रेमिका का धारदार हथियार से गला रेत दिया। युवक और युवती एक दूसरे से परिचित थे। युवक ने युवती को मिलने के लिए मथुरागेट थाना क्षेत्र के पटपरा मोहल्ले में बुलाया। जहां वह किराए के मकान में रहता था।

लड़की के आने के कुछ ही देर बाद चीखने की आवाज सुनाई दी। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते, युवक ने युवती की गला रेत कर मौके पर ही हत्या कर दी। उसने वारदात को अंजाम देने बाद यह भी बताया कि उसने लड़की की हत्या कर दी है और वह पुलिस के पास जा रहा है।

मौके पर मौजूद लोगों ने युवक को वहीं रुकने को कहा और पुलिस को सूचना दी। युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना दोपहर 2 बजे की बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपी सोनू शर्मा (28) कामां कस्बे का रहने वाला है। वह भरतपुर में दवा सप्लाई का काम करता है। 15 दिन पहले ही उसने पटपरा इलाके में किराए पर कमरा लिया था। यह मकान सेवानिवृत्त एएसआई जगन सिंह का है।

होली मिलन समारोह में पहुंचे गजेंद्रसिंह शेखावत, गैरियों के साथ फाग गीत गाए

जोधपुर, 20 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर से भाजपा प्रत्याशी और केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भदवासिया सब्जी मंडी में आयोजित होली मिलन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने होली को सामाजिक समरसता का प्रतीक बताते हुए कहा कि होली एक ऐसा त्योहार है, जिसमें अमीर, गरीब से लेकर हर कोई खुशियों के रंग में एक साथ सराबोर होता है। शेखावत ने कहा कि

अबकी बार की होली और भी विशिष्ट है क्योंकि भगवान रामलला के अपने घर में पर्दापण के बाद में देश पहली बार होली के रंग में रंगा हुआ है और लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्योहार भी हम सबके सामने है। हम सबको होली के रंग और भाव की तरह लोकतंत्र के इस पर्व में भी भाग लेना है, जिससे बदलते परिदृश्य में राष्ट्र निर्माण में सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

सूरजगढ़ श्री श्याम निशान के दर्शन को उमडे भक्त

हैदराबाद, 20 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्याम मित्र मंडल अत्तापुर की ओर से आयोजित सूरजगढ़ श्री श्याम निशान यात्रा के दर्शन करने के लिए श्याम भक्त उमड पड़े। राजस्थान सूरजगढ़ से पूजा के पश्चात लेकर आए सूरजगढ़ निशान की पूजा 19 मार्च को शाम में की गई और 20 मार्च को मंडल द्वारा निर्मित 251 निशानों की पूजा कर काचिगुडा श्याम मंदिर में अर्पित करने के लिए सोपा गया। राम मंदिर में निशानों की आरती के पश्चात समाज सेवी गोपाल बलदवा, पार्षद टोकला श्रीनिवास रेड्डी, विजय कुमार, पवन नालपुरिया उपस्थित थे। यात्रा का जगह-जगह अनेक धार्मिक संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। यात्रा श्याम मंदिर काचिगुडा पहुंचने के पश्चात श्री श्याम मंदिर सेवा समिति ने सूरजगढ़ श्री श्याम निशान यात्रा का स्वागत किया। निशान एवं ज्योत सिगड़ी को मंदिर गभगृह में दर्शन के पश्चात मंदिर की गुंबद पर सुशोभित किया गया। निशान यात्रा को सफल बनाने में योगेश जैन अभिषेक अग्रवाल, अमरचंद दादरी वाले, अमित कुमार मोदी, अंकुश अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अशोक शर्मा, अशोक शर्मा, पांडुरंगा नगर, अशोक नापित, बाबूलाल जोशी, बद्री प्रसाद सरायवाला, बजरंग लाल, बृजेश कुमार नालपुरिया, बेगराज कुमावत, बजरंग लाल भाटी, भंवरलाल चाहर, भंवरलाल थोलिया, बीरबल चौधरी, छाजूराम मीणा, धीरज सिंह बघेल, डालूराम, धनराज चौधरी, दिनेश अग्रवाल, दिनेश सोनी, घेवरचंद सांखला, गिरधारी लाल मिठारवाल, गोपाल बल्दवा, गोपाल मीणा, गोपाल राम, गोपाल शर्मा, गोपीचंद शर्मा, गोविंद राज अग्रवाल, हरि सिंह शेखावत, हरफूल चौधरी, हीरालाल, जुगल किशोर पारीक, जयप्रकाश बंग, करण सिंह जोधा, किरण शर्मा, कीर्ति सिंह, हरिकिशन अग्रवाल, लालचंद, लालनाथ सिद्ध, लोकेश पीत्ति, लक्ष्मी निवास शारडा, महेश शर्मा, मालीराम अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, मनीष शर्मा, मनोज गोयल, मानप्रकाश शर्मा, वीवीएसआर अंजनेयुलू, मुकेश दादरी वाले, मुकेश कुमार, मूलचंद शर्मा, मुरारी लाल शर्मा, नारायण दास हेडा, नरेंद्र जांगिड़, अशोक शर्मा, नवीन अग्रवाल, नवीन संथालिया, पंकज गौड, पन्नालाल शर्मा, पवन कुमार नालपुरिया, प्रकाश भाटी, प्रेम चौधरी, पुरुषोत्तम कड़ेल, राधेश्याम शर्मा, राजेंद्र अग्रवाल, राजेश करवा, राजेश कुमार सराओगी, राजेश साबू, राजेश शर्मा, राजेश स्वामी, राकेश अग्रवाल, राम अग्रवाल, राम प्रसाद रीनवा, राम अवतार गुप्ता, रामभरोस जांगिड़, रामेश्वर लाल शर्मा, रामेश्वर लाल मीणा, रामनिवास जाट, रवि प्रकाश शर्मा, रितेश अग्रवाल, सचिन मोर, संदीप कुमार शर्मा, संजय कुमार गुप्ता, संतोष चौधरी, संतोष अग्रवाल, शशिकांत शर्मा, सत्येंद्र सिंह ठाकुर, सतीश स्वामी, सत्यनारायण फोग्ला, सत्यनारायण रोहिवाल, सत्यनारायण सूरजगढ़ वाले, शिव प्रकाश शर्मा, सोहनलाल नेहरा, श्याम अग्रवाल, श्रीचंद स्वामी, श्रीकांत मित्तल, अशोक अग्रवाल, सुरेश गांधी, छोटेलाल चौधरी, सुनील कुमार भूत, सुरेश कुमार मोदी, तेजपाल नेहरा, उमेश कुमार नालपुरिया, मनोहर लाल पोद्दार एवं शाम भक्तों ने सहयोग किया।

श्रीमद् भागवत कथा ही जीवन का सार : महाराजश्री

हैदराबाद, 20 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। बालनगर ओल्ड एयरपोर्ट रोड़ गौतमनगर स्थित तेलंगाना गार्डन में श्री राधा कृष्णा सेवा समिति के सानिध्य में 19 मार्च से 25 मार्च तक सात दिवसीय भागवत कथा महोत्सव के द्वितीय दिवस दि.20 मार्च मध्यान् 12.30 बजे मुख्य यजमानों व भक्तों द्वारा पुजा-अर्चना कर श्री श्याम सुन्दरजी महाराज के श्रीमुख से कथा वाचन एवं परम् श्रद्धेय बायोसा श्री आशा माताजी की अगुवाणी में आयोजित किया गया।

आयोजक जस्साराम कुमावत ने बताया कि भक्तों के सानिध्य में दूसरे दिवस की कथा का आयोजन किया गया। कथा का रसपान कराते हुए श्री श्याम सुन्दरजी महाराज ने बताया कि चौरासी लाख यौनियों का भ्रमणकर मनुष्य जीवन प्राप्त होता है।

ऐसे में भागवत ही एक मात्र ऐसा रास्ता है, जो मानव जीवन को सभी पापों से मुक्तकर मोक्ष प्राप्त कराता है। कथा में पहुँचकर मनुष्य सच्चे दिल से कथा का रसपान करता है, तभी उस पर ठाकुरजी की मेहरबानी रहती है, व परिवार में सुख समृद्धि बनी रहती है। कार्यक्रम में महिलाओं व पुरुषों ने राजस्थानी वेष-भूषा में पधारकर कथा का लाभ लिया। परम् श्रद्धेय बायोसा श्री आशा माताजी ने पधारे भक्तों को आर्शीवाद दिया।

महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ। समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन है तीसरे दिवस की कथा में सपरिवार भाग लेकर लाभ लेवे। मुख्य यजमान जस्साराम-शानूदेवी, लिख्माराम-लीलादेवी, माणकचन्द-संगीतादेवी, रमेश-लीलादेवी, महेन्द्र-बस्तुदेवी व भक्तों द्वारा महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में अतिरिक्त प्रभार संभालने के बाद अपनी पत्नी के साथ श्री भाग्य लक्ष्मी मंदिर, चारमीनार में दर्शन पूजन किया। इस अवसर पर मंदिर की ट्रस्टी सुश्री शशिकला मिश्रा ने उन्हें भाग्य लक्ष्मी माता की प्रतिमा भेंट की।

अग्रणी महिला मंच द्वारा निंबोली अड्डा परिसर में श्याम निशान यात्रा का स्वागत किया गया। अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, वंदना पचारिया, श्रद्धा सुखिया, कोमल अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, सारिका गर्ग, रितु गोयल, रीता अग्रवाल, चंचल अग्रवाल, संगीता जाजोदिया, नीता अग्रवाल, प्रीति गोयल एवं पवन भुवानिया, रमेश गुप्ता आदि उपस्थित थे।

कलम दवात कायस्थ समाज हैदराबाद के तत्वाधान में वार्षिकोत्सव एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष गणेश प्रसाद श्रीवास्तव, महासचिव सुनील श्रीवास्तव, अनूप सिन्हा, संस्थापक बी के कर्ण, शिल्पी भटनागर, मीना श्रीवास्तव, किरण कर्ण, विजय विकास अंबस्ट, श्वेता सिन्हा, ज्योति सिन्हा, धर्मेंद्र सिन्हा, पप्पू सिन्हा, डॉक्टर सोमनाथ, असीम वर्मा,अनूप सिन्हा, मीना श्रीवास्तव, श्वेता सिन्हा निवेदिता श्रीवास्तव, ललिता देवी, रंजना सिन्हा, रजनी श्रीवास्तव,अनामिका कर्ण, उमेश कर्ण, सचिन श्रीवास्तव, सुशील श्रीवास्तव, अरविंद वर्मा, कंचन श्रीवास्तव आदि ने भाग लिया।

आंगनवाडी में हुआ गोदभराई कार्यक्रम

मदनूर, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डोंगली मंडल केंद्र में मदनूर आयसीडीएस प्रोजेक्ट मे पोषण अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की गई। इस कार्यक्रम में तहसीलदार रेणुका चौधरी, सीडीपीओ सुनंदा, स्वास्थ्य विभाग अधिकारी नागार्जुन, पर्यवेक्षक और आंगनवाड़ी शिक्षक, माताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

दिल का दौरा पड़ने से एएसआई की मौत

करीमनगर, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सहायक पुलिस उपनिरीक्षक मारकोंडा किशन(59) की बुधवार को करीमनगर में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

करीमनगर ग्रामीण पुलिस स्टेशन में कार्यरत किशन ने सीने में दर्द की शिकायत की और ज्योतिनगर स्थित अपने आवास पर गिर पड़े। परिवार के सदस्यों ने तुरंत उन्हे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उनके परिवार में पत्नी, बेटा और दो बेटियां हैं। 1984 में पुलिस विभाग में शामिल हुए किशन ने पिछले 40 वर्षों के दौरान विभिन्न पदों पर काम किया। उनकी सेवाओं को मान्यता देते हुए राज्य सरकार ने हाल ही में उन्हें अति उत्कृष्ट सेवा पदक देने की घोषणा की है। उन्हें पुलिस आयुक्त अभिषेक मोहंती से भी पुरस्कार मिला था।

झुंझुनू प्रगति संघ का होली मिलन संपन्न

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। झुंझुनू प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई का होली स्नेह मिलन संपन्न हुआ।

राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में होली के अवसर पर बजाए जाने वाली ढ़प्प और चांग की प्रस्तुति नगर के राजस्थानी भाइयों द्वारा दी गई। संघ के अध्यक्ष राजकुमार पसारी और अन्य पदाधिकारियों ने उपस्थित लोगों को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष कुंज बिहारी मित्तल, मंत्री संदीप ढेढ़ीया, योगेश सिंघानिया, नितिन तुलस्यान, शंकरलाल तुलस्यान, मुरारीलाल राणासरिया, डॉ दिलीप पसारी अन्य पदाधिकारि, सदस्य सहभागी हुए।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा द्वारा श्री शाम निशान यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, अशोक अग्रवाल, प्रदीप बंसल, शैलेष अग्रवाल, सत्यनारायण मोदी, ओमप्रकाश पचेरिया, दिनेश गोयल, हरिश्चंद्र बजाज, सतीश बंसल, सुरेश गोयल, श्यामलाल गोयल, निश्चिंत अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, हर्ष बंसल आदि उपस्थित थे।

ड्रग मामले से जुड़ी 23 करोड़ की संपत्ति जब्त

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीएसएनएबी) ने शादनगर पुलिस के साथ मिलकर 23 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की। यह संपत्ती उन दो व्यक्तियों के हैं जिन्हें पिछले साल ड्रग मामले में गिरफ्तार किया गया था। संपत्तियों में खुले भूखंड, भवन, कृषि भूमि, कारें और बैंक खाते भी शामिल हैं।

पिछले दिसंबर में, टीएसएनएबी ने कामारेड्डी एक्साइज स्टेशन के एक एक्साइज कांस्टेबल गोल्ला रमेश और शादनगर के गुंडुमल्ला वेंकटैया को कथित तौर पर लोगों को अल्प्राजोलम बेचने और अवैध रूप से पैसा कमाने के आरोप में पकड़ा था। पुलिस ने कथित गलत कमाई से अर्जित की गई संपत्तियों की पहचान की। अल्प्राजोलम में अवैध व्यापार के माध्यम से प्राप्त धन के माध्यम से संदिग्धों द्वारा संपत्तियां खरीदी गई थीं। अनुमति प्राप्त करने के बाद संपत्तियों को जब्त कर लिया गया, टीएसएनएबी के निदेशक संदीप शांडिल्य ने कहा। शादनगर पुलिस स्टेशन के एसएचओ द्वारा एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68 (एफ) के तहत उक्त संपत्तियों को जब्त कर लिया गया है।

बेगम बाजार स्थित जैन हाई स्कूल में ट्रैफिक पुलिस विभाग द्वारा बच्चों के लिए ट्रैफिक अवेयरनेस ट्रैनिंग प्रोग्राम लिया गया। एस आई वेणुगोपाल ने यातायात नियमों से छात्रों को अवगत कराया। कार्यक्रम में प्रिंसिपल राजेश जैन, संजय जैन, राजेश तोषनीवाल, शिक्षिका सपना, एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

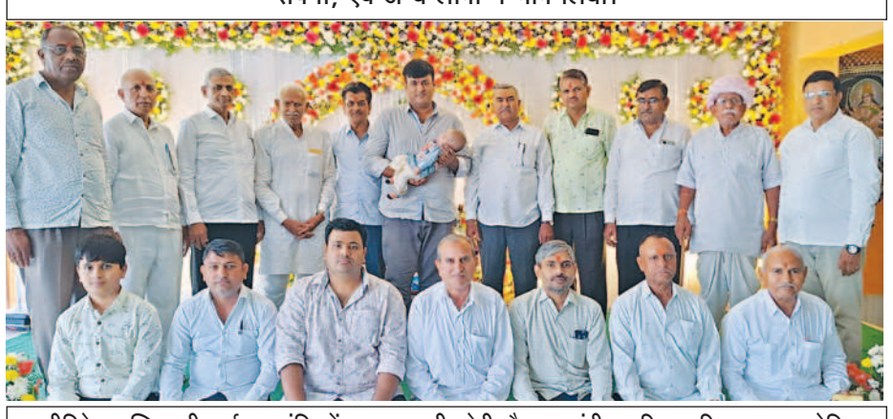

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में हुक्माराम-सीतादेवी, कैलाश-संगीता परिहार परिवार द्वारा आयोजित हितेश परिहार के ढूंढोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित जीडिमेटला सीरवी समाज अध्यक्ष मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, मोहनलाल सोलंकी, सोहनलाल परिहार, कालुराम काग, भुराराम चोयल व समाज बन्धु।

श्री श्याम प्रेमी भाग्यनगर द्वारा मुक्तारगंज से खाटू श्याम मंदिर काचीगुड़ा तक श्री श्याम फाल्गुन निशान यात्रा निकाली गई। इसमें मनोज अग्रवाल, राखी अग्रवाल, यश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल सहभागी हुए।

एकादशी के अवसर पर आयोजित श्री श्याम निशान यात्रा के आयोजक आशीष व्यास ने बजरंग सेना के तेलंगाना अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव को सम्मानित किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष येरम श्रीनिवास, राजशेखर, राजाराम, आशीष, जनार्दन व्यास, श्याम एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

जामबाग नगरसेवक राकेश जयसवाल ने हैदराबाद राजभवन में सीपी राधाकृष्ण को तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में अतिरिक्त कार्यभार संभालने के लिए बधाई दी। इस अवसर पर अमर सिंह, नवीन भंडारी, बबलू सिंह उपस्थित थे।

संयुक्त इंडक्शन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरे का उद्घाटन

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महानिदेशक, डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान एवं तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव डॉ. शशांक गोयल ने डॉ. एमसीआर एचआरडी इंस्टीट्यूट में बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट के संयुक्त इंडक्शन कोर्स द्वितीय बैच चरण- I प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरे का उद्घाटन किया। बिहार राज्य सेवाओं जैसे राजस्व, नगरपालिका प्रशासन, समाज कल्याण, श्रम, ग्रामीण विकास के 63 अधिकारी इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं जिसमें शैक्षणिक सत्रों के साथ-साथ फील्ड एक्सपोजर दौरे भी शामिल हैं। यह 18 मार्च से 23 मार्च तक निर्धारित 6 दिवसीय कार्यक्रम है। डॉ. शशांक गोयल ने विशेष रूप से बिहार से आने वाले सीधी भर्ती वाले वरिष्ठ अधिकारियों के लिए डिज़ाइन किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम की विशिष्टता पर प्रकाश डाला और अधिकारियों को न्याय के संरक्षक और सार्वजनिक विश्वास के संरक्षक के रूप में उनकी भूमिकाओं ज्ञान, सत्यनिष्ठा और सेवा के सिद्धांत के महत्व के बारे में याद दिलाया, जिन्हें निर्देशित किया जाना चाहिए। प्रोफेसर (डॉ) ए.एस.रामचंद्र, पाठ्यक्रम निदेशक, प्रमुख, अंतर्राष्ट्रीय संबंध और सुरक्षा केंद्र, ने कहा कि अधिकारियों को अपनी यात्रा के दौरान, तेलंगाना के शासन, बुनियादी ढांचे और सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य के विभिन्न पहलुओं में खुद को डुबोने का सौभाग्य मिलेगा और वे स्थानीय अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ जुड़ने के लिए शहर के प्रतिष्ठित स्थलों की खोज की जाएगी। कार्यक्रम में सूरज कुमार, प्रशासनिक अधिकारी, बिपार्ड, श्रीनिवास माधव, वरिष्ठ संकाय, जी. झाँसी रानी, संकाय ने भी भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पेरिस ओलंपिक के अंतिम क्वालीफिकेशन के लिए चुनी गई भारतीय टीम, श्रेयसी-मिराज शामिल

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक को होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और सभी देशों के एथलीट इसके लिए तैयारियों में जुट गए हैं। भारत की नजरें भी ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करने पर टिकी हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन का दौर अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इसी की तहत भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने 12 सदस्यीय शॉटगन टीम की घोषणा की है। पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट दोहा में 19 से 29 अप्रैल तक होगा। भारतीय टीम में राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता श्रेयसी सिंह और अनुभवी निशानेबाज मिराज अहमद खान तथा विश्व कप विजेता गनेमत शेखों को भी शामिल किया गया है।

दोहा में होने वाले अंतिम क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में चार ओलंपिक कोटा दांव पर लगे हैं। इसमें पुरुष और महिला ट्रैप तथा स्कीट के लिए एक-एक कोटा होंगे। पहले ही ओलंपिक कोटा प्राप्त कर चुके निशानेबाजों को इस टूर्नामेंट से बाहर रखा गया है। पृथ्वीराज टोंडाईमान और विवान कपूर पुरुष ट्रैप टीम में शामिल हैं, जबकि महिला ट्रैप टीम में श्रेयसी और मनीषा केर को जगह मिली है। मिराज और शिराज शेख पुरुष स्कीट टीम में हैं। इनके अलावा गनेमत और महेश्वरी चौहान महिला स्कीट टीम में शामिल हैं।

तकनीकी ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया गया

ओलंपिक शॉटगन संभावितों के लिए नई दिल्ली में तकनीकी ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया गया है। दोहा रवाना से पहले इस कैंप में ट्रैप और स्कीट टीम के निशानेबाज भी तैयारियों के लिए शामिल होंगे।

अबतक 19 कोटा हासिल कर चुका है भारत

भारत ने इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए अबतक 19 कोटा हासिल कर चुके हैं। शॉटगन टीम ने इसमें से सबसे ज्यादा चार ओलंपिक हासिल किए हैं। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में कुल सात पदक जीते थे और इस बार उसकी कोशिश इस प्रदर्शन से आगे निकलने की होगी।

सूर्यकुमार यादव फेल हो गए हार्दिक पंड्या के लिए आई बहुत बुरी खबर!

मुंबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया का नंबर 1 टी20 बल्लेबाज, जिसके सामने कांपते हैं गेंदबाज. वो बल्लेबाज जिसके पास हर गेंद के लिए 3 से 4 शॉट्स हैं. वो खिलाड़ी जो कभी किसी गेंदबाज को सेट ही नहीं होने देता, वो खिलाड़ी शायद आईपीएल में नहीं खेल पाएगा. जी हां खबर बहुत बुरी है और खासतौर पर मुंबई इंडियंस और उसके नए कप्तान हार्दिक पंड्या को डराने वाली. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सूर्यकुमार यादव अपने फिटनेस टेस्ट में फेल हो गए हैं और उनका आईपीएल 2024 के कुछ मुकाबलों से बाहर होना तय है. आशंका तो यहां तक है कि वो पूरा सीजन ही ना खेल पाएं.

सूर्यकुमार यादव को हाल ही में स्पोर्ट्स हर्निया हुआ था जिसकी वजह से उनकी सर्जरी की गई. इस सर्जरी के बाद से वो रिकवरी फेज़ पर चल रहे हैं. लेकिन अब उनका आईपीएल 2024 में ही खेलना मुश्किल हो गया है. क्रिकबज की रिपोर्ट्स के मुताबिक सूर्यकुमार यादव का फिटनेस टेस्ट हुआ और वो उसमें फेल हो गए. इस फिटनेस टेस्ट में नाकामी की वजह से नेशनल क्रिकेट एकेडमी ने उन्हें आईपीएल में खेलने की इजाजत नहीं दी. खबरें हैं कि अब सूर्यकुमार यादव को अपनी फिटनेस साबित करने का आखिरी मौका दिया जाएगा. सूर्यकुमार यादव का अगला फिटनेस टेस्ट 21 मार्च को होगा. मतलब सूर्यकुमार यादव का मुंबई इंडियंस के शुरुआती मुकाबलों में खेलना लगभग नामुमकिन है. क्योंकि अगर सूर्या अगर अगले टेस्ट को पास भी कर लेते हैं तो भी उन्हें मुंबई इंडियंस तुरंत मैच में नहीं उतारेगी. सूर्यकुमार यादव दुनिया के नंबर 1 टी20 बल्लेबाज हैं. टी20 इंटरनेशनल में उनके बल्ले से 4 शतक निकल चुके हैं. उनका औसत 45 से ज्यादा का है और स्ट्राइक रेट 170 के पार है. आईपीएल में भी ये खिलाड़ी ताबड़तोड़ अंदाज में रन बनाता है और वो मुंबई इंडियंस के मिडिल ऑर्डर की बैकबोन माने जाते हैं. सूर्यकुमार यादव अगर आईपीएल 2024 से बाहर हो गए तो फिर मुंबई इंडियंस मिडिल ओवर्स में तेजी से रन बनाने के लिए शायद परेशान हो सकती है.

मुंबई इंडियंस के पास वैसे सूर्यकुमार यादव के बैकअप मौजूद हैं. पंजाब के बाएं हाथ के बल्लेबाज नेहाल वढेरा और केरल के ताबड़तोड़ बैटर विष्णु विनोद इस टीम का हिस्सा हैं. नेहाल को पिछले साल मुंबई ने मौका दिया था और इस खिलाड़ी ने बतौर फिनिशर अच्छा प्रदर्शन किया था. उनके बल्ले से 14 मैचों में 26 से ज्यादा की औसत से 241 रन निकले थे. उनका स्ट्राइक रेट भी 145 से ज्यादा का था. विष्णु विनोद भी एक बेहतरीन विकल्प हैं. हालांकि इस खिलाड़ी को आईपीएल में सिर्फ 6 ही मैच खेलने का मौका मिला है लेकिन ये खिलाड़ी बेहद टैलेंटेड है. विष्णु ने 57 टी20 पारियों में 34 से ज्यादा की औसत से 1591 रन ठोके हैं जिसमें एक शतक शामिल है. उनका स्ट्राइक रेट भी 140 के पार है.

'शर्मा जी का बेटा मेरा बेटा' रोहित को मिला सुनील शेट्टी का साथ, केएल राहुल नाराज

मुंबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 का बिगुल बजने वाला है। 22 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच के साथ इस टूर्नामेंट का आगाज होगा। हर कोई अपनी-अपनी पसंदीदा टीम को सपोर्ट कर रहा है। वहीं सुनील शेट्टी आईपीएल 2024 में अपने दामाद केएल राहुल की जगह मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का सपोर्ट करते हुए दिख रहे हैं। जिसका एक मजेदार वीडियो सामने आया है, जिसमे सुनील शेट्टी केएल राहुल की बजाय रोहित शर्मा का सपोर्ट करते हुए दिख रहे हैं। जिसके बाद केएल राहुल वहां से चले जाते हैं।

ड्रीम इलेवन का मजेदार प्रोमो आया सामने

हाल ही में आईपीएल 2024 को लेकर ड्रीम इलेवन ने अपना

नया प्रोमो लॉन्च किया है। जिसमें बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी, केएल राहुल और रोहित शर्मा दिखाई दे रहे हैं। इस प्रोमो की शुरुआत सुनील शेट्टी और रोहित शर्मा से होती है। फिर इसमें केएल राहुल की एंट्री होती है और जब राहुल रोहित और सुनील शेट्टी के पास वाली कुर्सी पर बैठने लगते हैं तो रोहित बोलते कहां भाई दिख नहीं रहा फैमिली डिनर चल रहा है।

जिसके बाद राहुल, सुनील शेट्टी की तरफ देखकर कहते हैं पापा... इस पर अभिनेता जवाब देते हैं नो पापा..शर्मा जी का बेटा मेरा बेटा। जिसके बाद राहुल वहां से नाराज होकर चले जाते हैं।

इस प्रोमो को रोहित शर्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। इस पर फैंस भी अब तरह-तरह की कमेंट कर रहे हैं।

हार्दिक की कप्तानी में खेलेंगे रोहित

बता दें, आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी हार्दिक पांड्या करते हुए दिखाई देंगे। जिसके बाद अब रोहित शर्मा इस टूर्नामेंट में हार्दिक की कप्तानी के अंडर खेलते हुए दिखाई देंगे। हालांकि इस मुद्दे को लेकर आजतक फैंस मुंबई इंडियंस और हार्दिक पांड्या से नाराज हैं।

रोहित शर्मा की कप्तानी में ही मुंबई इंडियंस ने अभी तक सभी 5 ट्रॉफी जीती है। वहीं अब ट्रॉफी जिताने की जिम्मेदारी हार्दिक पांड्या के कंधों पर होने वाली है।

पूर्व धाकड़ पाकिस्तानी खिलाड़ी इमाद वसीम लेगा संन्यास वापस, टीम में करेगा एंट्री!

इस्लामाबाद, 20 मार्च (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2024 आगाज 1 जून से होने जा रहा है। इस बार ये टूर्नामेंट अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। सभी टीमें कुछ दिनों बाद टी20 विश्व कप के लिए अपने-अपने स्क्वॉड का ऐलान कर सकती है। वहीं इस बार टी20 विश्व कप 2024 को लेकर पाकिस्तान की टीम में एक खिलाड़ी की वापसी हो सकती है, जो इंटरनेशनल क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुका था। पाकिस्तान सुपर लीग 2024 के बाद इस धाकड़ खिलाड़ी ने पाकिस्तान टीम में लौटने के संकेत दिए हैं।

हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग 2024 का समापन हुआ है। जिसमें इस्लामाबाद यूनाइटेड ने मुल्तान सुल्तांस को हराकर तीसरी बार खिताब को अपने नाम किया। इस्लामाबाद यूनाइटेड की जीत में

टीम के स्टार ऑलराउंडर इमाद वसीम ने अहम भूमिका निभाई। फाइनल मुकाबले में इमाद वसीम ने गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट और बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 19 रनों की पारी खेली थी। जिसके चलते उनको प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था।

वहीं अब इमाद वसीम ने अपना संन्यास वापस लेने और पाकिस्तान टीम के लिए फिर से खेलने के संकेत दिए हैं।

इसको लेकर इमाद वसीम ने कहना है कि अगर देश को मेरी जरूरत होगी तो मैं हमेशा उपलब्ध रहूंगा, इससे मुझे कोई दिक्कत नहीं है। पाकिस्तान के लिए खेलते हुए ही मैंने अपना नाम बनाया है।

पीएसएल 2024 की विनिंग टीम के कप्तान शादाब खान भी इमाद वसीम की टी20 विश्व कप 2024 में वापसी को लेकर बयान दे चुके हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब शादाब इसको लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अगर कोई उससे बात करता है, तो मुझे लगता है कि वह वापस आएगा।

आईपीएल के पहले महाकाल के द्वार पहुंचे क्रिकेटर राहुल

उज्जैन, 20 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल शुरू होने के पहले भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल अपने माता-पिता के साथ दर्शन के लिए पहुंचे. उन्होंने चांदी के द्वार से बाबा की पूजा कर आशीर्वाद लिया. राहुल ने परिवार के साथ नंदी हॉल में बैठकर बाबा की आराधना की और नंदी बाबा के कान में अपनी मनोकामना की.

12 ज्योतिर्लिंगों में से एक बाबा महाकाल से आशीर्वाद लेने के लिए हर सेलिब्रिटी आ रहे हैं. इसी कड़ी में बुधवार की सुबह भारतीय क्रिकेट टीम के हरफन मौला खिलाड़ी केएल राहुल माता-पिता के साथ महाकाल मंदिर पहुंचे. उन्होंने चांदी द्वार से बाबा महाकाल का दर्शन कर आशीर्वाद लिया. इस दौरान पंडित आशीष पुजारी ने मंत्रोच्चार कर पूजन और

जलाभिषेक करवाया. राहुल ने परिवार के साथ नंदी हॉल में बैठकर बाबा की आराधना की और नंदी बाबा के कान में अपनी मनोकामना की. उन्होंने मीडिया से चर्चा नहीं की और दर्शन के बाद तुरंत ही रवाना हो गए. बता दें कि राहुल कुछ महीने पहले भी बाबा का आशीर्वाद लेने के लिए आए थे.

क्रिकेट टीम की बाबा में आस्था

बाबा महाकाल के दर्शन के लिए क्रिकेटर विराट कोहली पत्नी अनुष्का के साथ आ चुके हैं. वहीं एमएस धोनी और अधिकांश खिलाड़ी भी इंदौर में मैच के दौरान बाबा का आशीर्वाद लेने के लिए आए थे. हाल ही में शनिवार को क्रिकेटर उमेश यादव भी बाबा के दर पर पहुंचे थे. जबकि बॉलीवुड एक्टर्स में सुनील शेट्टी,अक्षय कुमार, आयुष्मान खुराना, अरमान कोहली, गोविंदा,मनीष वाधवा,कॉमेडियन भारती सिंह,भजन गायिका शहनाज़ अख्तर और संगीतकार आनंद मिलिंद भी एक माह के दौरान बाबा महाकाल की द्वार आ चुके हैं.

इन राजनेताओं को भी मिला आशीर्वाद

पीएम नरेंद्र मोदी 10 साल में दो बार बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आ चुके हैं. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फणनवीस कई बार आए हैं. यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, स्मृति ईरानी,कांग्रेस नेता सोनिया गांधी,राहुल गांधी भी बाबा का आशीर्वाद लेने के लिए आ चुके हैं.

बुमराह का बॉलिंग एक्शन उनके चोटिल होने की वजह

ग्लेन मैक्ग्रा बोले- जसप्रीत हर बॉल पर पूरा एफर्ट लगाते हैं, उन्हें ब्रेक की जरूरत

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा का मानना है कि भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह का बॉलिंग एक्शन उनके ज्यादा चोटिल होने की वजह है। मैक्ग्रा बोले, बुमराह को ऑफ-सीजन की जरूरत है क्योंकि उनके बॉलिंग एक्शन की वजह से उन्हें ज्यादा चोट लग सकती है।

मार्च 2023 में अपनी पीठ की सर्जरी के कारण बुमराह लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहें। वह ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी-20 वर्ल्ड कप के साथ-साथ IPL 2023 से भी चूक गए थे।

एमआरएफ पेस फाउंडेशन में मीडिया से बातचीत के दौरान मैक्ग्रा ने कहा, बुमराह को ऑफ सीजन की जरूरत है क्योंकि वह हर गेंद में पूरा एफर्ट लगाते हैं। उन्हें एक ब्रेक की जरूरत है। अगर वह खेलना जारी रखते है, तो उसके गेंदबाजी एक्शन को देखते हुए जितना दबाव बनता है, उसे चोट लगना तय है, जैसा कि वह पहले भी कर चुके हैं।

मैक्ग्रा बोले, बॉलिंग एक्शन के दौरान आखिरी दो कदम लेते हुए जब बुमराह क्रीज में आते है, तब उनकी गति बढ़ जाती है, और यहीं से उनकी बॉल स्पीड बढ़ती है।

मैक्ग्रा ने कहा कि दाएं हाथ के तेज गेंदबाजों की मौजूदगी के कारण भारत को बाएं हाथ के गेंदबाज की तलाश करने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ा। वे बोले, भारतीय तेज गेंदबाजी लंबे समय से सेट है और इसमें कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। जिस तरह से मोहम्मद शमी, बुमराह, मोहम्मद सिराज और उमेश यादव ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वे जब रिटायर हो जाएंगे, तब भारतीय टीम तेज गेंदबाजी के बारे में सोचेगी।

इतने सारे अच्छे दाएं हाथ के गेंदबाज होने के कारण हमने हाल ही में बाएं हाथ के भारतीय तेज गेंदबाज को नहीं देखा है।

स्टार्क-कमिंस पर प्राइस की वजह से प्रेशर नहीं बनेगा

मैक स्टार्क ने निजी कारणों से आईपीएल में नहीं आने का फैसला किया। लेकिन वह वापस आए और रिकॉर्ड कीमत लेकर गए।वे इसका इंतजार कर रहे होंगे। अपने दिन पर, अगर वह गेंद को स्विंग करा रहे हैं, तो वह किसी भी अन्य तेज गेंदबाज जितना ही अच्छा होगा। उन्हें जो पैसा मिला है वह अविश्वसनीय है। लेकिन कमिंस और स्टार्क दोनों बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं और खेल को अच्छी तरह जानते हैं। मैक्ग्रा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि कीमत का उन पर एक प्रतिशत भी प्रभाव पड़ेगा।

इस सीजन के लिए कमिंस और स्टार्क की बोली 20 करोड़ से भी ज्यादा गई। स्टार्क 24.75 करोड़ में केकेआर और कमिंस 20.50 करोड़ रुपए में एसआरएच के साथ शामिल हुए थे।

बॉलर्स को टी-20 में ज्यादा मेहनत की जरूरत - मैक्ग्रा

मैक्ग्रा का मानना है कि टी-20 में कुछ नया करने और बल्लेबाजों के साथ खेल के संतुलन को बनाए रखने की जिम्मेदारी गेंदबाजों पर है। टी-20 बैटर्स को फेवर करता है।

मैक्ग्रा बोले, जब आईपीएल शुरू हुआ, तो बल्लेबाजों ने टी-20 में अपनी शैली में सुधार किया, इससे पहले गेंदबाजों ने अलग-अलग गेंदों को पकड़ा और बल्लेबाजों की बराबरी की। लेकिन हाल ही में बल्लेबाजों ने नए इनोवेटिव शॉट्स से गेम में पकड़ बना ली है, इसलिए अब गेंदबाजों के लिए आगे बढ़ने का समय आ गया है।

यह नियंत्रण, विचार प्रक्रियाओं और गेम प्लान पर वापस आता है। यदि गेंदबाज अपनी इच्छानुसार गेंद फेंक सकता है, तो वह सफल होगा और गेम पर उसका नियंत्रण रहेगा। मुझे लगता है कि अब टी-20 क्रिकेट में आपके टारगेट के पर आपको कुछ गेंदें दिमाग में रखनी होंगी। बॉलर्स को मेहनत की जरूरत है।

अमेरिका में दोस्ताना मुकाबलों से पहले अर्जेंटीना को लगा बड़ा झटका, मेसी चोटिल होकर हुए बाहर

खेल डेस्क, 20 मार्च (एजेंसियां)। लियोनेल मेसी आधिकारिक तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में अल सल्वाडोर और कोस्टा रिका के खिलाफ अर्जेंटीना के दोस्ताना मैचों से बाहर हो गए हैं। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने मेसी की हैमर्सट्रिंग चोट के संबंध में एक बयान जारी किया है जिसने उन्हें आगामी दो प्रतियोगिताओं से बाहर कर दिया है। आठ बार के बैलन डी'ओर विजेता मेसी शुक्रवार को अल सल्वाडोर के खिलाफ फिलेडेल्फिया में और उसके बाद 26 मार्च को लॉस एंजिल्स में कोस्टा रिका के खिलाफ मुकाबले को मिस करेंगे। उनके क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना दोनों उनके साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। दोनों मैच जून-जुलाई में कोपा अमेरिका के लिए अर्जेंटीना की तैयारियों को लेकर वार्मअप मैच हैं। कोपा अमेरिका भी इस साल अमेरिका में ही खेला जाएगा।

मेसी पिछले शनिवार को डीसी यूनाइटेड के

खिलाफ मियामी के हालिया एमएलएस मैच से भी चूक गए थे। अर्जेंटीना महासंघ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अर्जेन्टीना के कप्तान लियोनेल मेस्सी अमेरिका में दोस्ताना मैचों के लिए टीम में नहीं होंगे क्योंकि उनके दाहिने पैर की मांसपेशियों में मामूली चोट लगी है।'

अर्जेंटीना के कप्तान अभी भी एक पुरानी हैमर्सट्रिंग चोट से उबर रहे हैं, जिसे उन्होंने पिछले हफ्ते नैशविले के खिलाफ कॉनकाकैफ चैंपियंस कप मैच के दौरान लगी थी। उस मैच में इंटर मियामी 3-1 से विजयी हुआ और मेसी ने एक गोल किया था। उन्हें नैशविले पर जीत में आधे समय के बाद सबस्टिट्यूट किया गया था और शनिवार को वॉशिंगटन में डीसी यूनाइटेड पर मियामी की जीत से चूक गए।

उनकी अनुपस्थिति में बार्सिलोना के पूर्व स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने दो गोल दागकर मियामी को जीत दिलाने की जिम्मेदारी खुद पर ली थी। मियामी के कोच गेरार्डो मार्टिनो ने शनिवार को वॉशिंगटन पर अपनी टीम की जीत के बाद संकेत दिए थे कि मेसी मार्च में होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैचों में नहीं खेल पाएंगे और टीम यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वह अगले महीने होने वाले कॉनकाकैफ चैम्पियंस कप क्वार्टर फाइनल के लिए फिट हो जाएं। मार्टिनो ने कहा था, 'यह साफ है कि उन्हें कॉनकाकैफ चैम्पियंस कप के क्वार्टर फाइनल में खेलना है और वह भी इसी का लक्ष्य रख रहे हैं। हम फिलहाल कोई जोखिम नहीं लेने जा रहे हैं।'

ऑस्ट्रेलिया ने फिर टाली अफगानिस्तान से क्रिकेट सीरीज

तालिबानी रवैये पर सख्ती बरतते हुए लिया फैसला

मेलबोर्न, 20 मार्च (एजेंसियां)। 14 महीने बाद भी कुछ नहीं बदला. मतलब ये कि ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान के साथ एक बार फिर से वही किया जो 14 महीने पहले किया था. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान से क्रिकेट सीरीज फिर से टाल दी है. दोनों सीरीज में फर्क भले ही हो लेकिन उसके टाले जाने की वजह एक है- तालिबानी रवैया. 14 महीने पहले यानी पिछले साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज को टाल दिया था और इस बार उसने T20 सीरीज खेलने से मना कर दिया है. अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस साल अगस्त में 3 T20 मैचों की सीरीज होनी थी. इस सीरीज का मेजबान अफगानिस्तान था मतलब कि सीरीज खेली जाती तो मुकाबले सारे यूएई की पिचों पर होते. ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान से टी20 सीरीज नहीं खेलने का फैसला वहां के तालिबानी रूल को देखते हुए लिया. इसी रूल की वजह से उसने पिछले साल भी सीरीज टाली थी और इस बार भी वैसा ही किया. दरअसल , खेलों में महिलाओं को बढ़ावा देने की वकालत करता रहा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया तालिबानी रूल के ठीक अपने से विपरीत रूख से आहत है. दरअसल, अफगानिस्तान पर तालिबानियों के कब्जे के बाद वहां के मौजूदा हालात में महिलाओं को इतनी आजादी नहीं कि वो बढ़-चढ़कर किसी भी चीज में हिस्सा ले सकें.

सीपी राधाकृष्णन ने ली तेलंगाना के राज्यपाल पद की शपथ

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को यहां तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे ने राजभवन में आयोजित एक समारोह में राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाई।

राज्यपाल के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, तेलंगाना के मंत्री, मुख्य सचिव शांति कुमारी, निर्वाचित प्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव लड़ने की योजना बना रही तमिलिसाई सौंदरराजन के इस्तीफे के बाद राधाकृष्णन को तेलंगाना और पुडुचेरी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वह फरवरी, 2023 से झारखंड के राज्यपाल के रूप में कार्यरत हैं। तमिलनाडु में जन्मे राधाकृष्णन 16 साल की उम्र में आरएसएस में शामिल हो गए। वह जनसंघ और भाजपा में एक प्रमुख नेता बन गए। उन्होंने 1998 और 1999 के चुनावों में तमिलनाडु के कोयंबतूर से भाजपा सांसद के रूप में जीत हासिल की। बाद में उन्हें 2004, 2009 और 2019 के आम चुनावों में लगातार हार मिली। राधाकृष्णन ने तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी काम किया। दिलचस्प बात यह है कि राधाकृष्णन लगातार कार्यकाल के लिए तेलंगाना में राज्यपाल के पद पर रहने वाले तमिलनाडु के तीसरे व्यक्ति हैं। पहले राज्यपाल नरसिम्हन और दूसरी राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन भी तमिलनाडु से थी।

केबीआर पार्क में विश्व गौरैया दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को यहां केबीआर पार्क में विश्व गौरैया दिवस मनाया गया। हैदराबाद जिले के वन विभाग ने कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) और मुख्य वन्यजीव वार्डन एम.सी.परगैन मुख्य अतिथि थे। शिवानी डोगरा, वन संरक्षक, चारमीनार सर्कल और सुरेखा, डेक्कन बर्डर्स भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चों, स्थानीय लोगों और गैर सरकारी संगठनों ने भाग लिया। इस मौके पर वक्ताओं ने समाज की बेहतरी के लिए पेड़ों समेत गौरैया और पर्यावरण के संरक्षण की जरूरत पर जोर दिया। जिन स्कूली बच्चों ने पहले पेंटिंग और ड्राइंग जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया था, उन्हें प्रमाण पत्र और पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में हैदराबाद पूर्व, पश्चिम और मध्य रेंज, केबीआर पार्क के कर्मचारियों ने भाग लिया। कासु ब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) नेशनल पार्क ने अपनी 25वीं वर्षगांठ मनाते हुए "कैमरा आंखों के माध्यम से केबीआर" नामक एक प्रतियोगिता शुरू की, जिसमें फोटोग्राफरों और प्रकृति प्रेमियों को केबीआर की विविध वनस्पतियों और जीवों को प्रदर्शित करने के लिए पार्क के प्राकृतिक चमत्कारों को कैद करने के लिए आमंत्रित किया गया। प्रतिभागियों ने 4 श्रेणियों पौधे, पशु, परिदृश्य और लोग के तहत अपनी प्रविष्टियाँ जमा की हैं। इन श्रेणियों के सभी विजेताओं को नकद पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। एम सी परगैन ने आश्वासन दिया कि आने वाले वर्षों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी वाले इसी तरह के कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे और दर्शकों को पर्यावरण के संरक्षण और संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

शहर में कृत्रिम प्रक्रिया से फल पकाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना पर, सिटी कमिश्नर टास्क फोर्स ने जीएचएमसी और संबंधित पुलिस स्टेशनों के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ हैदराबाद शहर में स्थित विभिन्न फलों के गोदामों और स्टालों पर छापेमारी की और भारी मात्रा में कृत्रिम रूप से कार्बाइड और एथिलीन से पके हुए आम जब्त किए। इस संबंध में जाली हनुमान, मंगलहाट में रहने वाले फल व्यवसायी ई.रामेश्वर को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने 4,55,000 रुपये मूल्य के कार्बाइड पाउडर पाउच, एथिलीन पाउच, कार्बाइड पाउडर के साथ हानिकारक आम भी जब्त किए।

केटीआर ने किसानों की समस्याओं पर सीएम रेवंत से पूछे सवाल

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)।बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने आज एक्स मंच पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर सवालों की बौछार कर दी। उन्होंने पूछा, "प्रिय मुख्यमंत्री! आपके मन में किसानों के प्रति इतना कम सम्मान क्यों है? फसलें सूख रही हैं और ओले गिर रहे हैं। किसान दिल्ली के बुजुर्गों की परवाह क्यों नहीं करते जब तक कि वे इधर-उधर नहीं घूम रहे हों।" उन्होंने सीएम से पूछा, क्या चुनाव के अलावा इतनी पीड़ा झेल रहे किसानों पर किसी को दया नहीं आई? क्या किसान आत्महत्या कर रहे हैं? लोक प्रशासन क्या है? क्या 24/% राजनीति है? दल-बदल पर ध्यान दें। फसल नुकसान पर क्यों नहीं? क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण करने का समय नहीं है? हरे-भरे घाट सूख रहे हैं। सिंचाई का पानी उपलब्ध कराना संभव नहीं..! क्या आप नहीं चाहते कि जो फसलें बर्बाद हुई हैं, उसकी भरपाई करें? कृपया याद रखें..!! यह एक गड़बड़ है..! राजपाट होना अच्छा नहीं है!!

अमोदागिरी श्री वेंकटेश्वर स्वामी का वार्षिक ब्रह्मोत्सव शुरू

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स में अमोदागिरी श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का वार्षिक ब्रह्मोत्सव दिव्य भव्यता और आध्यात्मिक भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। ब्रह्मोस्तवम उत्सव 24 मार्च, तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें कल्याणम, श्री लक्ष्मी नारायण पूजा, कुमकुमारचना, 108 कलश अभिषेकम जैसे आध्यात्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। समापन 24 मार्च को महाकुंभप्रोक्षण द्वारा चिह्नित किया जाएगा। परम पावन श्री श्री श्री त्रिदंडी चिन्ना जीयर स्वामीजी का एक ज्ञानवर्धक प्रवचन, 23 मार्च को शाम 6.00 बजे प्रस्तुत किया जाएगा, जिसके बाद परंपरा फाउंडेशन द्वारा एक नृत्य प्रदर्शन किया जाएगा।

अवैध रूप से अंतरराष्ट्रीय कॉल कराने वाले गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 मार्च (एनएसएस)। कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ जोन टीम के अधिकारियों ने टेलीफोन विभाग के अधिकारियों और संतोष नगर पुलिस के साथ मिलकर दो लोगों को पकड़ा है, जो संतोष नगर और बालापुर की सीमा के अंतर्गत अवैध कॉल रूटिंग चला रहे थे। वीओआइपी (वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल) उपकरण का उपयोग करके इंटरनेट के माध्यम से स्थानीय कॉलों में अंतर्राष्ट्रीय इनकमिंग कॉलों को शामिल किया जाता है, जिससे भारत सरकार का प्रतिरूपण किया जाता है और धोखाधड़ी की जाती है और अपने अवैध लाभ के लिए दूरसंचार विभाग को भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाया जाता है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया जाता है।आरोपियों की पहचान हिदायत अली निवासी याकूतपुरा, मुजाहिद अहमद निवासी बोराबंडा, हैदराबाद के रूप में हुई। विश्वसनीय सूचना पर, टास्क फोर्स पुलिस ने टेलीफोन विभाग के अधिकारियों और संतोष नगर पुलिस के साथ मिलकर फूलबाग, हैदराबाद में पर छापा मारा, जहां आरोपी हिदायत अली को अवैध अंतर्राष्ट्रीय टेलीफोन एक्सचेंज चलाते हुए पाया गया।

केंद्र में कांग्रेस को सत्ता मिलेगी : चिन्ना रेड्डी

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष जी. चिन्ना रेड्डी ने विश्वास जताया है कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी इस बार केंद्र में सत्ता में आएगी और तेलंगाना में 14 लोकसभा क्षेत्रों में विजयी होगी। गोंटी विक्रम यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में एआईएमआईएम और बीआरएस पार्टी के कार्यकर्ता बुधवार को यहां गांधी भवन में चिन्ना रेड्डी की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, चिन्ना रेड्डी ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और सभी क्षेत्रों के लोग कांग्रेस पार्टी को अपना समर्थन दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, "कांग्रेस का अपने वादों से पीछे नहीं हटने का इतिहास रहा है और फिलहाल केंद्र में सत्ता में आने के लिए सबसे पुरानी पार्टी के पक्ष में स्थिति है। चिन्ना रेड्डी ने कहा कि लोग मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के शासन से खुश हैं और विश्वास जताया कि कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में 17 में से 14 लोकसभा सीटें जीतेगी।

डीसीए ने जब्त की 59.12 लाख की अवैध इंसुलिन

हैदराबाद, 20 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। टीएस ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (डीसीए) ने 15 से 20 मार्च के बीच हैदराबाद में छह अलग-अलग थोक विक्रेताओं पर छापेमारी की और बड़ी मात्रा में 'इंसुलिन' इंजेक्शन का पता लगाया, जो नई दिल्ली में दवा थोक विक्रेताओं से बिना बिल के अवैध रूप से खरीदे गए थे।

इंसुलिन इंजेक्शन थोक विक्रेताओं द्वारा 40 प्रतिशत से अधिक की भारी छूट पर बेचे जा रहे थे और संदेह है कि इन्हें अवैध रूप से आपूर्ति श्रृंखला से हटा दिया गया है या नकली दवाएं हैं, जिससे उनकी प्रामाणिकता के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं। इस प्रक्रिया में, डीसीए ने छापेमारी के दौरान 51.92 लाख रु. मूल्य के स्टॉक जब्त किए।

थोक विक्रेताओं के बिक्री बिलों की पुष्टि करने पर, यह पता चला कि वे इंसुलिन इंजेक्शन की पेशकश कर रहे थे, जो नई दिल्ली से बिना किसी बिल के, 40 प्रतिशत से अधिक की पर्याप्त छूट के साथ प्राप्त किए गए थे।

टीएसडीसीए के महानिदेशक, वी बी कमलासन रेड्डी ने कहा कि 5263 रुपये की एमआरपी वाला उत्पाद 2070 रुपये में बेचा जा रहा था। जो बेहद असामान्य है, जिससे उनकी प्रामाणिकता के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। जिन छह थोक विक्रेताओं पर छापे मारे गए उनमें ड्रग हब, पद्मावनगर, श्री थिरुमाला फार्मा, रामनाथपुर, उप्पल, श्री पारस मेडिकल एजेंसीज, विट्ठल मारुति लेन, सुल्तान बाजार, श्री गणेश फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर्स, साईं नगर कॉलोनी, नागोले, मेडचल-मलकजगिरी,राजा राजेश्वर डिस्ट्रीब्यूटर्स, जय जवान कॉलोनी, कपरा और श्री बालाजी एजेंसियां, कुथिबीगुडा, काचीगुडा शामिल हैं। थोक विक्रेताओं से पूछताछ में पता चला कि इंसुलिन इंजेक्शन के स्टॉक को भगवती फार्मा, राम गली, फिल्म कॉलोनी, भागीरथ पैलेस, दिल्ली और रॉयल ड्रग्स, भागीरथ पैलेस, नई दिल्ली द्वारा बिना बिल के अवैध रूप से आपूर्ति की गई थी।

खरीद बिल के बिना अवैध रूप से दवाएं खरीदना ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 का उल्लंघन है। इस तरह के कृत्य को मुख्य रूप से धोखाधड़ी वाला व्यवहार माना जाता है क्योंकि इसमें स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिम शामिल हैं, उचित दस्तावेज के बिना दवाओं की अवैध खरीद महत्वपूर्ण स्वास्थ्य और सुरक्षा चिंताओं को जन्म देती है।

आम की पैदावार को लेकर किसान चिंतित

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मियां आते की सभी को मीठे आमों का इंतजार रहता है। परंतु व्यापक कीटों के हमले, बेमौसम बारिश जैसे विभिन्न कारणों से इस साल आम की पैदावार को लेकर किसान चिंतित हैं। किसानों द्वारा कम उत्पादन के लिए का हवाला दिया जा रहा है।

राज्य के अलग-अलग इलाकों में आम पर अलग अलग संकट मंडरा रहे हैं। पूर्ववर्ती महबूबनगर के कई इलाकों के किसान ब्लैक थ्रिप्स के हमले से चिंतित हैं, जबकि खम्मम के लोगों का कहना है कि इस मौसम में फूल आने में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट आई है।

संगारेड्डी में, कई किसानों ने पहले ही बेमौसम बारिश के कारण नुकसान की सूचना दी है। पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले के नगरकुर्नूल, कोल्लापुर, अचमपेट, कलवाकुर्थी, वानापर्थी और अन्य क्षेत्रों में आम व्यापक रूप से उगाए जाते हैं।

अकेले नगरकुर्नूल जिले की सीमा में, लगभग 34,000 एकड़ में आम की खेती की जाती है, जिसमें से लगभग 22,000 एकड़ में पांच साल से अधिक पुराने बगीचे हैं। हालाँकि, जिले के कई क्षेत्रों में ब्लैक थिरप्स के हमले के कारण फूल बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

कोल्लापुर के एक किसान बी चंद्रुडु का कहना है कि उन्होंने अपनी चार एकड़ जमीन पर आम की खेती की थी। इसके अलावा, उन्होंने 40 एकड़ जमीन पट्टे पर ली थी लेकिन इस साल कीट के हमले के कारण इसमें भारी नुकसान होगा।

वह कहते हैं, मेरी अपनी ज़मीन में दो एकड़ में अच्छी पैदावार के अलावा 40 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फूलों पर बुरा असर पड़ा है। कम फूल आने के अलावा परिचालन लागत बढ़ने से भी उनका घाटा बढ़ने की संभावना है। व्यापक कीट हमले के कारण, कई बार छिड़काव करना पड़ा और इसके परिणामस्वरूप प्रति एकड़ लगभग 20,000 रुपये का अतिरिक्त खर्च आया।

वह बताते हैं कि उर्वरक और श्रम लागत और परिचालन लागत में और वृद्धि हुई है। वानापर्थी और अन्य पड़ोसी इलाकों में भी यही स्थिति है। यदि पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले में यही स्थिति थी, तो खम्मम में फूल 50 प्रतिशत कम हो गया है।

जिले में आम तौर पर 31 हजार एकड़ में आम की खेती होती है, लेकिन इस बार करीब 15 हजार एकड़ में बौर खराब हुआ है।

कई क्षेत्रों में, आम के फलों का आकार नींबू या चीकू के आकार तक पहुंच गया। इस क्षेत्र में अधिकतर बंगानापल्ले की किस्में उगाई जाती हैं। बागवानी विभाग के एक अधिकारी का कहना है कि चूंकि यह किस्म एक वैकल्पिक वाहक थी, इसलिए पिछले सीजन में फसल उत्साहजनक थी, लेकिन इस साल यह कम है।

राज्य में हर साल करीब 12 लाख मीट्रिक टन आम का उत्पादन होता है। इस साल, किसानों द्वारा खराब फूलों के कारण चिंता व्यक्त करने के बावजूद, बागवानी विभाग के अधिकारियों को भरोसा है कि उपज राज्य में औसत उत्पादन के बराबर होगी। शनिवार को हुई बारिश के कारण संगारेड्डी में आम किसानों को हुए नुकसान के बारे में अधिकारियों ने कहा कि वे अभी भी क्षेत्रीय स्तर से रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

कोमाटिरेड्डी ने किसानों को फसल नुकसान पर मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया

नलगोंडा, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आश्वासन दिया था कि राज्य सरकार उन किसानों को हरसंभव सहायता देगी, जिन्हें तेलंगाना राज्य में असामयिक बारिश और ओलावृष्टि के कारण महत्वपूर्ण नुकसान हुआ है और उन्हें क्षति की जांच के बाद मुआवजा प्रदान किया जाएगा। मंत्री ने बुधवार को नलगोंडा जिलों के मिर्यालगुडा मंडल में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि फसलों के नुकसान का आकलन किया जाएगा और गणना के आधार पर किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। मंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार असामयिक बारिश और ओलावृष्टि से बर्बाद हुए धान का एक-एक दाना खरीदेगी।उन्होंने चावल मिल मालिकों को चेतावनी भी दी कि अगर किसानों को धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) नहीं दिया गया तो मिलें जब्त कर ली जाएंगी। कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा, "किसानों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धान की फसल के लिए एमएसपी का भुगतान करने से इनकार करने वाले मिल मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।"

संगठित क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक गुप्त सूचना पर, कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन टीम के अधिकारियों ने एक संगठित क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया और सुल्तान बाजार थाना सीमा के अंतर्गत स्वीकार होटल के पार्किंग में उदय सिम्हा रेड्डी, मोहम्मद फहीमुद्दीन और एम. भानु प्रसाद के रूप में पहचाने गए तीन लोगों को पकड़ा। आरोपी पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी, 2024 के न्यूयॉर्क सुपरस्टार स्ट्राइकर्स बनाम राजस्थान किंग्स फाइनल मैच के लिए विभिन्न सट्टेबाजों से क्रिकेट सट्टेबाजी का आयोजन और स्वीकार कर रहे थे और अवैध रूप से आसानी से पैसा कमाया। अधिकारियों ने 1,50,000 रुपये की क्रिकेट सट्टेबाजी राशि, दो लैपटॉप, पांच मोबाइल फोन जब्त किए। आरोपी बी उदय सिम्हा रेड्डी, एमडी फहीमुद्दीन, एम. भानु प्रसाद दिलसुकनगर के रहने वाले हैं। उन्होंने सट्टेबाजी आदि के माध्यम से अवैध रूप से आसानी से पैसा कमाने के लिए ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी प्रणाली के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। वे विभिन्न सट्टेबाजों से सट्टेबाजी की राशि स्वीकार कर रहे हैं और सट्टेबाजी आईडी साझा कर रहे थे। कभी-कभी उनके कलेक्शन एजेंट एम. भानु प्रसाद सीधे सट्टेबाजों से सट्टेबाजी की रकम इकट्ठा कर रहे थे। 19 मार्च की शाम को, आरोपी न्यूयॉर्क सुपरस्टार स्ट्राइकर्स और राजस्थान किंग्स फाइनल मैच के बीच चल रहे लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी, 2024 के लिए सट्टेबाजी की राशि स्वीकार कर रहे थे, अधिकारियों ने उन्हें पकड़ लिया और उनके कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री जब्त कर ली। जब्त सामग्री के साथ आरोपियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए सुल्तान बाजार थाना प्रभारी को सौंप दिया गया।

// जय श्री राम //
देव होली उत्सव
शनिवार दिनांक : 23-3-2024
श्री सखी बाबा मठ (400 वर्ष प्राचीन)
श्री अवध महोत्सव श्री सखी बाबा मठ पुराना पुल हैदराबाद भाग्यनगर में अवध महोत्सव मनाया जाएगा
भगवान श्री रामचन्द्र जी की 12:00 बजे उत्सव आरती।
3:00 बजे पालकी शोभायात्रा
महंत ठाकुर दास जी महाराज
श्री सखी बाबा मठ में शनिवार दिनांक : 23-3-2024
देव होली का कार्यक्रम, भक्त और भगवान के बीच में होली का आनंद लें, सभी भक्त लोग इस अवसर पर दर्शन और उल्लास से उतसव का आनंद उठाएं, जय सियाराम ।
कार्यक्रम प्रस्तुत करता
श्री सखी सहेली मण्डल : रेखा व्यास, गीता पंचारिया, उर्मिला दरक, पिंकी शर्मा
भक्त मण्डली :- विवेक झावर, गोविंद मुंदडा, रामदेव बंग, प्रिया बियानी
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

CHANGE OF DATE OF BIRTH
I, MINA RANI BEHERA, Spouse of Army No: 10261210X, Rank: NK - PRASANTA KUMAR BEHERA, Present residing of village - Badhisahi, Post: Kajalaipalli, Tehsil: Nayagarh, Dist: Nayagarh, State: Odisha, PIN-752080. I have changed my date of birth from 15 Jun 1990 (Old DOB) to 15 Jun 1991 (New DOB) vide affidavit dated 18th of March 2024 for all Purpose.

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.